नई दिल्ली
रविवार, 24 अगस्त, 2025
भाद्रपद मास शुक्ल पक्ष,
प्रतिपदा वर्ष : 29, अंक : 130
पृष्ठ 12 मूल्य 2 .00

मौसम
अधि. 31
न्यून. 26

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

पत्र, दस्तावेज हालांकि भेजे जा सकेंगे और 100 डॉलर तक की उपहार वस्तुओं पर भी बरकरार रहेगी छूट

ट्रंप के टैरिफ पर भारत का जवाब, 25 अगस्त से बंद की अमेरिका के लिए डाक सेवाएं

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ पर जैसे को तैसा वाला जवाब देते हुए भारत ने आगामी सोमवार 25 अगस्त 2025 से अमेरिका के लिए जाने वाली सभी प्रकार की अंतरराष्ट्रीय डाक सेवाओं पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है।

भारतीय डाक विभाग ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान के जरिए इस संबंध में घोषणा करते हुए बताया कि अमेरिका द्वारा सीमा-शुल्क से जुड़े नियमों में बदलाव को लेकर 30 जुलाई को जारी किए गए एक कार्यकारी आदेश (संख्या-14324) के जवाब में भारत ने यह कदम उठाया है। जो कि 29 अगस्त से लागू होगा। विभाग ने ये भी कहा कि अमेरिका के सीमा शुल्क और डाक सेवा विभाग से उसकी बातचीत जारी है। जिसका उद्देश्य जल्द से जल्द डाक सेवाओं की पुनः बहाली पर केंद्रित है। इसके अलावा विभाग मामले पर सभी हितधारकों के साथ समन्वय स्थापित करके स्थिति पर बेहद बारीकी से नजर बनाए हुए है। यथाशीघ्र सेवाओं को सामान्य बनाने के लिए हर संभव ⏩ शेष पेज 7 पर

800 डॉलर के सामान पर लगेगा शुल्क

अंतरराष्ट्रीय डाक नेटवर्क के जरिए सामान की खेप अमेरिका पहुंचाने वाले वाहकों को डाक पर शुल्क लेना और उसका भुगतान करना पड़ेगा। पूर्व में करीब 800 डॉलर के सामान पर सीमा शुल्क में छूट दी जाती थी। जिसे नए आदेश के तहत खत्म कर दिया गया है। अब अमेरिका पहुंचने वाले हर मूल्य के सामानों पर 29 अगस्त से शुल्क मुक्त न्यूनतम छूट वापस ले ली जाएगी। विभाग का ये भी कहना है कि वो पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) के माध्यम से समय-समय पर मामले को लेकर जरूरी जानकारी साझा करता रहेगा। अमेरिकी सीबीपी-यूएसपीएस से जरूरी निर्देश मिलते ही इस संबंध में संचालन बहाल करने हेतु कदम उठाए जाएंगे।

पहले बुकिंग कराने वालों का पैसा वापस होगा

जिन ग्राहकों से पहले ही अपने सामान की बुकिंग करा ली है। लेकिन अब अमेरिका के नियम की वजह से उनका सामान नहीं भेजा जा रहा है। वो अपने पैसे डाक विभाग से वापस ले सकते हैं। भारतीय डाक विभाग ने ग्राहकों से माफी मांगते हुए उन्हें यह आश्वासन दिया है कि वह जल्द से जल्द डाक सेवाओं की बहाली की कवायद में जुटा हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में कटनी में माइनिंग कॉन्क्लेव में 'धन वर्षा'

56 हजार 414 करोड़ रुपए के निवेश के लिए उद्योगपतियों ने साइन किए एमओयू

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में कटनी के अरिंदम होटल में माइनिंग कॉन्क्लेव का आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री के कटनी आगमन पर हेलीपेड से लेकर माइनिंग कॉन्क्लेव स्थल तक करीब 5 किलोमीटर के रोड-शो के दौरान 19 स्थानों में स्टॉल लगाकर लोगों ने उनका आत्मीय स्वागत किया।

कॉन्क्लेव में लगभग दो हजार से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए, जिनमें देश के विभिन्न राज्यों के निवेशक और उद्योगपति शामिल रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ⏩ शेष पेज 7 पर

यहां उद्योगपतियों को अच्छा परिवेश मिलेगा

डॉ. यादव ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने हर वर्ग की चिंता की है। हमारी संस्कृति जियो और जीने दो की है। उद्योगपतियों के माध्यम से रोजगार मिलता है। अच्छी सड़कें हैं, बिजली है, अच्छा माहौल है। कटनी की पहचान खनिज संसाधन की प्रचुरता की है। उन्होंने कहा मप्र में एयर कार्गो की तैयारी है। कटनी का चूना सीमेंट के पहले से मशहूर है। मुख्यमंत्री होने के नाते सभी को आश्वस्त करता हूं कि उद्योगपतियों को अच्छा परिवेश मिलेगा। 27 ⏩ शेष पेज 7 पर

राजधानी में आयोजित किए गए 'ईटी-वर्ल्ड लीडर्स फोरम' में 50 फीसदी अमेरिकी टैरिफ के जवाब में बोले विदेश मंत्री

'व्यापार समझौते' पर बातचीत जारी, लेकिन कुछ मुद्दों पर 'लक्ष्मण रेखा' खींचकर अड़ा भारत

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

भारत इन दिनों एक विचित्र भू-राजनीतिक परिदृश्य से घिरा हुआ है। जिसमें एक ओर चीन के साथ एलएसी विवाद की समाप्ति के बाद संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की कोशिशें हो रही हैं। तो दूसरी ओर अमेरिका के साथ 50 फीसदी पारस्परिक टैरिफ को लेकर तनाव की स्थिति बनी हुई है। लेकिन इन सबके बीच शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व देश के रुख को हर स्तर पर स्पष्ट करने में लगा हुआ है।

शनिवार को विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने राजधानी में आयोजित किए गए 'ईटी-वर्ल्ड लीडर्स फोरम' में इस संबंध में मोर्चा संभाला। सबसे पहले उन्होंने अमेरिकी टैरिफ और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। ⏩ शेष पेज 7 पर

कार्यक्रम में डॉ. जयशंकर ने टैरिफ, रूसी तेल खरीद से मुनाफा, भारत-पाकिस्तान संघर्षविराम, अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों और भारत-चीन संबंधों जैसे विषयों पर भी रखी अपनी बेबाक राय

किसानों के हित सुरक्षित रहेंगे

उन्होंने 50 फीसदी टैरिफ को अनुचित और अविवेकपूर्ण करार देते हुए कहा, लक्ष्मण रेखा का संबंध प्राथमिक रूप से देश के किसानों के हितों और छोटे उत्पादकों से जुड़ा है। बतौर केंद्र सरकार के रूप में हम अपने किसानों और मझौले उत्पादकों के हितों की रक्षा करने के लिए न केवल प्रतिबद्ध हैं। बल्कि दृढ़ संकल्पित भी हैं। ऐसा कुछ नहीं है जिस पर हम कोई समझौता कर सकें। लेकिन अमेरिकी सरकार की कुछ मांगें साफ तौर पर हमारी लक्ष्मण रेखा को लांघ रही हैं। ये ऐसे क्षेत्र हैं, जिनका संबंध देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था से है। बताते चलें कि अमेरिका चाहता है कि उसके कृषि, मुर्गीपालन और डेयरी उत्पादों के लिए भारत अपना बाजार खोले। जिसके लिए देश तैयार नहीं है। इसके पीछे की सबसे बड़ी वजह अमेरिका द्वारा जीएम पद्धति से तैयार किए गए मक्का, सोयाबीन को भारत में निर्यात करने की है। जीएम फसलें पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक हैं। पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस को दिए अपने भाषण में भी कहा था कि मोदी किसानों, मछुआरों और जीव-जंतुओं के खिलाफ किसी भी हानिकारक नीति के विरूद्ध दीवार बनकर खड़ा है।

अमेरिका-पाक से जुड़ा लादेन का इतिहास

जयशंकर ने अमेरिका-पाकिस्तान में बढ़ती घनिष्टता पर कहा कि दोनों देशों का एक-दूसरे के साथ एक इतिहास रहा है। जिसमें की गई इसी इतिहास की अनदेखी भी शामिल है। यह सब कुछ पहली बार नहीं हो रहा है। अमेरिका, पाकिस्तान के साथ अपने इतिहास को भूल गया है। लेकिन उसे ओसामा बिन लादेन की याद दिलाना जरूरी है। जो दुनिया का सबसे कुख्यात आतंकवादी था और वह 2011 में पाकिस्तान के सैन्य शहर एबटाबाद से पकड़ा गया था। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत-पाक के बीच संघर्षविराम कराने में ट्रंप की भूमिका को नकारते हुए उन्होंने कहा, अमेरिकी पक्ष से मेरी बातचीत से पहले ही दोनों देशों के बीच शत्रुता रोकने यानी संघर्षविराम पर सहमति बन चुकी थी। अमेरिकी पक्ष से मेरी हर बातचीत एक्स पर पोस्ट की गई है। संघर्षों के बीच हम सभी बातचीत करते हैं। इजरायल-ईरान संघर्ष के मध्य मैंने बात की, रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच भी मैंने बातचीत की थी।

नहीं देखा ऐसा अमेरिकी राष्ट्रपति?

विदेश मंत्री ने कहा कि हमने वर्तमान राष्ट्रपति (ट्रंप) की तरह अब तक ऐसा कोई अमेरिकी राष्ट्रपति नहीं देखा जो अपनी विदेश नीति को सार्वजनिक कर दे। जैसा कि डोनाल्ड ट्रंप कर रहे हैं। बहुतायत मामलों में उनके द्वारा ऐसा किया गया है। राष्ट्रपति ट्रंप का दुनिया और खुद अपने देश को संभालने का तरीका परंपरागत शास्त्र संगत तरीके से बिल्कुल जुदा है। टैरिफ पर जयशंकर ने ये भी कहा कि ट्रंप प्रशासन द्वारा इस संबंध में कोई घोषणा पहले सार्वजनिक रूप से की जाती है और उसके बाद संबंधित पक्ष को सूचना मिलती है। सच्चाई ये है कि इस संबंध में काफी कुछ सार्वजनिक रूप से कहा जा चुका है। जो सामान्य नहीं है। यह ऐसी स्थिति है जिसका पूरी दुनिया सामना कर रही है।

तो न खरीदें भारतीय उत्पाद

भारत की तेल खरीद को यूक्रेन युद्ध में रूस का ईंधन बढ़ाने वाले अमेरिका-यूरोप के तर्क पर विदेश मंत्री ने निशाना साधते हुए कहा, भारत की तेल खरीद राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय हितों की पूर्ति करती है। देश के पास स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता है, हम ऐसे निर्णय लेते हैं जो राष्ट्रीय हित में हैं। ये हास्यास्पद है कि जो लोग अमेरिकी प्रशासन में व्यापार समर्थक के तौर पर काम करते हैं। वो बाकी देशों पर व्यापार करने का आरोप लगा रहे हैं। अगर आपको भारत और उसके परिष्कृत अन्य उत्पादों को खरीदने में परेशानी है तो आप उन्हें मत खरीदिए। इसके लिए कोई आपको मजबूर भी नहीं करेगा। यूरोप खरीदता है, अमेरिका खरीदता है। इसलिए अगर आपको ये पसंद नहीं है तो आप न खरीदें। उन्होंने पश्चिम ⏩ शेष पेज 7 पर

केंद्रीय परिवहन मंत्री गडकरी बोले

देश में केवल स्मार्ट शहर ही नहीं, स्मार्ट विलेज भी बनेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबलपुर

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गडकरी ने कहा कि देश को 2047 तक शक्तिशाली और विश्वगुरु बनाने के संकल्प के साथ कार्य जारी है। भारत अभी 22 लाख करोड़ रुपए का ईंधन आयात कर रहा है। लेकिन हाइड्रोजन हमारे भविष्य का ईंधन है। हाइड्रोजन के बल पर हम ऊर्जा का निर्यात करेंगे, हमारा अन्नदाता, ऊर्जा उत्पादक होगा और वह समृद्ध भी होगा। देश में केवल स्मार्ट शहर नहीं, स्मार्ट विलेज भी बनेंगे। गांव का युवा गांव में ही रोजगार पाए, यही हमारा सपना है। केंद्रीय परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 4250 करोड़ से अधिक की लागत वाली ⏩ शेष पेज 7 पर

साढ़े 4 घंटे में पहुंचेंगे ग्वालियर से दिल्ली

केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि मध्यप्रदेश के लिए 3 लाख करोड़ रुपए की सड़क परियोजनाएं स्वीकृत की हैं, जिनमें से 75 हजार करोड़ के कार्य पूरे किए हैं और 65 हजार करोड़ के कार्य प्रगति पर हैं। आगामी समय में डेढ़ लाख करोड़ रुपए लागत से करीब ढाई हजार किलोमीटर के कार्य डीपीआर के लिए रखे हैं। मध्यप्रदेश में 33 हजार करोड़ रुपए की लागत से 5 ग्रीन फील्ड इकोनॉमिक कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। इंदौर से हैदराबाद कॉरिडोर पर ओंकारेश्वर के पास नर्मदा नदी पर एक भव्य ब्रिज का ⏩ शेष पेज 7 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

पीएम मोदी कल से करेंगे गुजरात दौरा

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 अगस्त से शुरू हो रहे अपने दो दिवसीय गुजरात दौरे के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित घरों का उद्घाटन करेंगे। वे 5,477 करोड़ रुपए की कई परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे।

जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक

3 और 4 सितंबर को होगा 2 स्लैब स्ट्रक्चर फैसला

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक 3-4 सितंबर को होने वाली है। इस बैठक में मंत्री समूह (जीओएम) द्वारा दो स्लैब 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत को बरकरार रखने के प्रस्ताव पर फैसला होगा।

परिषद की यह बैठक केंद्र द्वारा जीएसटी कराधान व्यवस्था के ढांचे को वर्तमान चार स्लैब से दो स्लैब में बदलने के बड़े पैमाने पर प्रयास के बीच हो रही है। छह सदस्यीय जीओएम का नेतृत्व करने वाले बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के अनुसार हमने दो स्लैब वाले जीएसटी स्ट्रक्चर की सिफारिश की है और अपनी सिफारिशें जीएसटी परिषद को सौंप दी हैं। जीओएम ने सहमति व्यक्त की कि नई व्यवस्था के ⏩ शेष पेज 7 पर

ममता बनर्जी ने कहा कि ये विधेयक देश में लोकतांत्रिक युग को 'खत्म' कर देंगे

तृणमूल कांग्रेस का जेपीसी में शामिल होने से इंकार, बताया दिखावा

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने शनिवार को कहा कि वह प्रधानमंत्री,

मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को बर्खास्त करने संबंधी विधेयकों की जांच के लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) में किसी सदस्य को नामित नहीं करेगी, यदि उन्हें लगातार 30 दिनों तक हिरासत में रखा जाता है या गिरफ्तार किया जाता है। टीएमसी ने एक बयान में कहा कि हम 130वें संविधान संशोधन विधेयक का पेश होने के चरण में ही विरोध करते हैं और हमारे विचार से जेपीसी एक दिखावा है। इसलिए, हम टीएमसी से किसी को भी नामित नहीं कर रहे ⏩ शेष पेज 7 पर

मुख्यमंत्री ने स्वच्छता को लेकर शहरी स्थानीय निकाय, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की बैठक ली

हरियाणा के सभी शहरों की होगी स्वच्छता रैंकिंग: नायब

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों से 'टीम हरियाणा' के रूप में कार्य करने का आह्वान किया ताकि प्रदेश को अग्रणी

बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश को और अधिक स्वच्छ, सुन्दर व हरा-भरा बनाने और स्वच्छता के लिए प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ाने के उद्देश्य से जल्द ही केंद्र के स्वच्छ सर्वेक्षण की तर्ज पर हरियाणा के सभी शहरों की स्वच्छता रैंकिंग शुरू की जाएगी। स्वच्छता में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले शहरों को सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को पंचकूला में नवनिर्मित स्वर्ण जयंती हरियाणा वित्तीय प्रबंधन संस्थान का उद्घाटन करने उपरांत स्वच्छता ⏩ शेष पेज 7 पर

कदमत युद्धपोत ने भी पूरा किया इंडोनेशिया में अपना तीन दिवसीय बंदरगाह पड़ाव

भारत यात्रा के बीच ग्रीस की सौडा खाड़ी में डाला तमाल युद्धपोत ने लंगर

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर जारी उथल-पुथल के बीच भारतीय नौसेना अपने जंगी बेड़े को लगातार मजबूत बनाने में लगी हुई है। जिसमें एक ओर पिछले जुलाई महीने की शुरुआत में रूस से उसे मिला आईएनएस तमाल युद्धपोत भारत पहुंचने की अपनी यात्रा में ग्रीस की सौडा खाड़ी में डाले गए बंदरगाह पड़ाव को पूरा कर आगे बढ़ गया है।

वहीं, दूसरी ओर बल का ही एक अन्य पोत आईएनएस कदमत ने भी इंडोनेशिया के सुरबाया में अपना तीन दिवसीय बंदरगाह प्रवास सफलता के साथ संपन्न कर लिया है। नौसेना ने शनिवार ⏩ शेष पेज 7 पर

आईएनएस तमाल

नौसेना का कदमत पोत

कदमत ने दिलाई मजबूत मित्रता की याद

वहीं, इंडोनेशिया के अपने प्रवास में नौसेना के कदमत पोत ने दोनों देशों के बीच मौजूद दोस्ती के मजबूत संबंध, विश्वास और दोनों नौसैन्य बलों के बीच आपसी संचालनीयता और रणनीतिक सामंजस्य को साफ तौर पर प्रदर्शित किया है। पोत के चालक दल ने विभिन्न प्रकार की व्यावसायिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लिया। कदमत की ये यात्रा क्षेत्र में भारतीय नौसेना की एक स्वैच्छिक सुरक्षा भागीदार के रूप में बनी हुई प्रतिबद्धता और दोनों देशों के बीच साझा विजन के तहत समूचे समुद्र में बनी हुई दीर्घावधि साझेदारी की झलक भी प्रस्तुत करती है।

बंदरगाह पड़ाव के लिए यूं ग्रीस को चुना

नौसेना ने कहा, तमाल का ग्रीस के बंदरगाह पर पहुंचने का निर्णय भारत के साथ उसके संबंधों को दिए जाने वाले महत्व और भारत-ग्रीस के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग को सशक्त करने के प्रयासों का प्रमाण है। जिसकी मदद से दोनों नौसेनाओं को आपस में सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों को साझा करने व संयुक्त सहयोग के लिए भावी अवसरों का लाभ उठाने का मौका मिलेगा। सौडा खाडी में तमाल 19 से 22 अगस्त तक रुका था। इसके बाद उसने हेलेनिक नौसेना की रूसेन श्रेणी की गश्ती नौका एचएस रिटोस के साथ एक अभ्यास में शिरकत की थी। बंदरगाह पर पहुंचने पर युद्धपोत के चालक दल ने हेलेनिक और नाटो अधिकारियों के साथ बातचीत की। साथ ही सौडा स्थित ग्रीस नौसेना के अड्डे, आयुध सुविधा और स्थानीय समुद्री संग्रहालय का दौरा किया। क्रेते में द्वितीय विश्व युद्ध के कब्रिस्तान में चालक चल ने श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

हथियार और कारतूस भी बरामद

गैंगवार की साजिश नाकाम, नवीन बाली गैंग के तीन बदमाश गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

बाहरी-उत्तरी दिल्ली के बवाना स्थित एक होटल से नवीन बाली गिरोह के तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से हथियार और कारतूस भी बरामद हुये हैं। इस बरामदगी और गिरफ्तारी से पुलिस ने गैंगवार को टालने का दावा किया है। पुलिस ने बताया कि राजेश बवानिया और नवीन बाली गिरोहों के बीच मौजूदा समय में प्रतिद्वंद्विता है, जिसके तहत आरोपी हत्या की साजिश रच रहे थे। डीसीपी हरेश्वर के अनुसार स्वतंत्रता दिवस पर पुलिस ने बवाना स्थित एक होटल के बाहर एक मोटरसाइकिल खड़ी देखी थी, जिसके काफी समय से वहां खड़े रहने पर पुलिस को संदेह हुआ था। पूछताछ में पता लगा कि होटल का

मालिक तीन दिनों से वहीं रह रहा था। होटल के कमरे की तलाशी लिए जाने पर वहां तीन लोग संदिग्ध परिस्थितियों में पाए गए। उनके पास से एक पिस्तौल के साथ 11 कारतूस और एक अन्य पिस्तौल के साथ तीन कारतूस बरामद हुये। बदमाशों की पहचान पूठ खुर्द निवासी अंजार आलम (20) और रितिक (20) तथा पंजाब के गुरदासपुर निवासी राजेश कुमार उर्फ सरदार (28) के रूप में हुई थी। अंजार की निशानदेही पर तलाशी में एक और पिस्तौल, दो मैगजीन और 13 कारतूस बरामद हुए। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच से पता लगा है कि आरोपी 2023 में अजय उर्फ बहादुर और इस साल जनवरी में धर्मवीर उर्फ बिल्लू की हत्या का बदला लेने के मकसद से साजिश रच रहे थे। रितिक को उनकी रेकी करने की जिम्मेदारी दी गई थी, जिन्हें निशाना बनाया जाना था, जबकि अंजार और राजेश को हत्या को अंजाम देने का काम सौंपा गया था। वे गिरोह के सरगना हिमांशु भाऊ के लगातार संपर्क में थे, जो फिलहाल विदेश में छिपा हुआ है और जिसने साजिश को अंजाम देने के लिए 70 हजार रुपये भी भेजे थे। पुलिस ने बताया कि जांचकर्ताओं ने मोबाइल फोन जब्त किए, जिसमें आपत्तिजनक चैट थी। रेकी के लिए इस्तेमाल की गई एक मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। डीसीपी ने बताया कि आरोपियों का कोई पिछला आपराधिक इतिहास नहीं है।

अभिनय के इच्छुक व्यक्ति से 24 लाख ठगने वाला कपल दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दक्षिण पश्चिम जिले की पुलिस ने टीवी धारावाहिक के निर्माता और निर्देशक बनकर अभिनय के इच्छुक लोगों को ठगने के आरोप में एक पुरुष और एक महिला को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपियों के नाम लखनऊ निवासी 32 वर्षीय तरुण शेखर शर्मा और दिल्ली निवासी आशा सिंह उर्फ भावना (29) बताये गये हैं। देशभर में 20 शिकायतों से इनका कनेक्शन पता चला हैं। आरोपी व्यक्ति लोकप्रिय टीवी और ओटीटी धारावाहिकों में भूमिका दिलाने के बहाने सोशल मीडिया मंच के जरिए लोगों को लुभाकर अपने जाल में फंसाते थे।

डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि ताजा मामले में उन्होंने एक शिकायतकर्ता से 24 लाख रुपये की ठगी की थी। शिकायतकर्ता को इन लोगों का सोशल मीडिया पेज दिखा था जिसमें ये खुद को टीवी धारावाहिक निर्माता बताते थे। डीसीपी ने कहा कि शिकायतकर्ता ने आरोपियों के पेज पर देखा कि उन्हें एक टीवी धारावाहिक के लिए नए कलाकारों की तलाश है, जिसके बाद उसने इनसे संपर्क किया था। डीसीपी ने कहा कि शिकायतकर्ता से प्रोसेसिंग और सदस्यता शुल्क जैसे विभिन्न बहानों से पैसे मांगे गए। लगभग 24 लाख रुपये ट्रांसफर करने के बाद आरोपियों ने शिकायतकर्ता को ब्लॉक कर दिया। पुलिस ने पैसों के लेनदेन का पता लगाया और बेंगलुरु में एक किराए के अपार्टमेंट में आरोपियों की मौजूदगी का पता चलने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में पता चला कि आरोपी अलग-अलग शहरों से काम करते थे और बार-बार अपना ठिकाना बदलते रहते थे। वे लग्जरी होटलों में ठहरते थे और शान-शौकत से रहते थे। उन्होंने लगभग 15 बैंक खाते खोले और अलग-अलग राज्यों से जारी कई सिम कार्ड इस्तेमाल किए। जालसाजो ने ऑनलाइन वीडियो देखकर खुद को प्रशिक्षित भी किया। आरोपी जम्मू-कश्मीर में भी एक मामले में वांछित हैं और उत्तर प्रदेश व दिल्ली में इसी तरह की कई धोखाधड़ी में शामिल हैं।

दिल्ली की अदालतों की कार्रवाई से कल भी दूर रहेंगे वकील, एलजी हाउस घेराव की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

गत दो दिनों से हड़ताल पर चल रहे दिल्ली के वकीलों ने पुन घोषणा कर दी है कि सोमवार को भी अदालती कार्रवाई से देर रहेंगे,यानी हड़ताल जारी रहेगी। अगर एलजी विनय कुमार सक्सेना ने अपनी अधिसूचना वापस नहीं ली तो फिर वकील एलजी आवास यानी राज निवास का घेराव करने के लिए भी तैयार है। शनिवार को दिल्ली के सभी जिला न्यायालयों की बार एसोसिएशनों की समन्वय समिति की अहम बैठक तीस हजारी न्यायालय परिसर में आयोजित की गई। जिसमें समन्वय समिति ने गहन चर्चा व सरकार के रूख की समीक्षा करते हुए घोषणा की कि सोमवार को भी हड़ताल जारी रहेगी। समिति अध्यक्ष वी के सिंह और महामंत्री अनिल कुमार बसैया ने कहा कि जब तक एलजी अपनी अधिसूचना को वापस नहीं लेंगे तब तक हड़ताल जारी रहेगी। वरिष्ठ अधिवक्ता प्रवीण त्यागी के अनुसार सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि भारत सरकार के गृह सचिव के 15 जुलाई 2024 के परिपत्र का उल्लंघन करते हुए दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना द्वारा 13 अगस्त 2025 को मनमानी अधिसूचना के विरुद्ध, दिल्ली के सभी जिला न्यायालयों में दिनांक 25 अगस्त को भी पूर्णत हड़ताल रहेगी। उन्होंने बताया कि उपस्थिति प्रतिबंधित की जाएगी। लोक अभियोजकों, प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई अभियोजकों, पुलिस अधिकारियों और एनएआईबी न्यायालयों के अधिकारियों को न्यायालयों में उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अलावा आम जनता की जानकारी के लिए व इसमें शामिल होने की अपील की साथ सोमवार को दिल्ली के सभी न्यायालय परिसरों के बाहर प्रदर्शन आयोजित किए जाएँगे। अधिवक्ता प्रवीण ने बताया कि यदि सोमवार तक अधिसूचना वापस नहीं ली गई, तो विरोध प्रदर्शन तेज किया जाएगा जिसमें उपराज्यपाल आवास का घेराव भी शामिल होगा। समन्वय समिति इस मुद्दे पर दिल्ली उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन और सर्वोच्च न्यायालय बार एसोसिएशन द्वारा दिए गए समर्थन की सराहना करती है। संगठन ने दिल्ली के सभी बार एसोसिएशनों की ओर से, दिल्ली उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन और सर्वोच्च न्यायालय बार एसोसिएशन द्वारा दिए गए नैतिक समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया है।

कुत्तों ने काटा तो सुप्रीम कोर्ट व कुत्ता खिलाऊ जिम्मेदार : गोयल

लोधी गार्डन में आवारा कुत्तों को लेकर विजय गोयल का अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की सड़कों पर इस समय लगभग 10 लाख से अधिक आवारा कुत्ते हैं। हर दिन करीब 2,000 लोग इनके काटने का शिकार होते हैं। नसबंदी और वैक्सीन के बावजूद कुत्ते काटते रहेंगे, इससे कोई ठोस समाधान नहीं होगा। इस स्थिति में यदि किसी को काटा जाता है, तो इसकी जिम्मेदारी सुप्रीम कोर्ट और तथाकथित कुत्ता प्रेमी संगठनों' की होगी, जो कुत्तों को सड़कों पर खाना खिलाते है। लोधी गार्डन में विभिन्न संगठनों ने आवारा कुत्तों की समस्या पर पिछले तीन वर्षों से लगातार संघर्ष कर रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल ने अभिनंदन कार्यक्रम में यह संबोधन दिया। बता दें कि इस अवसर पर कई ऐसे लोग

भी उपस्थित थे जिन्हें आवारा कुत्तों ने काटा था। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे और उनके परिवार इस समस्या से बेहद पीड़ति हैं। अलग-अलग क्षेत्रों से आए नागरिकों ने भी जोर देकर कहा कि हम आवारा कुत्तों से बहुत परेशान हैं, सरकार को इस पर तुरंत ठोस कदम उठाने चाहिए। हम गोयल के प्रयासों को पूरा समर्थन देते हैं।

समस्या के खिलाफ एक मजबूत जनआंदोलन खड़ा करें

गोयल ने स्पष्ट किया कि वे दिल्ली भर में आवारा कुत्तों के मुद्दे पर जन-जागरण अभियान जारी रखेंगे और सभी आरडब्ल्यूए को एकजुट करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने अपील की कि अब समय आ गया है कि सभी निवासी खुलकर सामने आएं और इस समस्या के खिलाफ एक मजबूत जनआंदोलन खड़ा करें।

खूंखार, काटने वाले और हिंसक कुत्तों को बाड़ों में बंद करना संभव होगा

विजय गोयल ने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट का एक सकारात्मक निर्णय यह है कि एबीसी रूल्स (एनीमन बर्थ कंट्रोल के सेक्शन 16 और 20) को समाप्त कर दिया गया है। इसके चलते अब खूंखार, काटने वाले और हिंसक कुत्तों को बाड़ों में बंद करना संभव होगा तथा सोसाइटी, अपार्टमेंट और सार्वजनिक स्थानों पर कुत्तों को खाना खिलाने पर रोक लगेगी।

खाना खिलाने वालों और जनता के बीच झगड़ों की संभावन बढ़ी

गोयल ने अपने वक्तव्य में कहा कि आवारा कुत्तों की समस्या अभी कम नहीं हुई है। बल्कि सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश के बाद कुत्तों को खाना खिलाने वालों और आम जनता के बीच झगड़े और टकराव और बढ़ सकते हैं। लेकिन गोयल ने कोर्ट के उस आदेश पर गंभीर चिंता व्यक्त की, जिसमें कहा गया है कि नसबंदी और टीकाकरण के बाद कुत्तों को फिर से सड़कों पर छोड़ दिया जाए।

श्री रघुनंदन लीला समिति ने किया भूमि पूजन एवं ध्वजा वंदन समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली छावनी में होने वाली प्रसिद्ध रामलीला श्री रघुनंदन लीला समिति द्वारा शनिवार को वैदिक मंत्रोच्चार, हवन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच भूमि पूजन एवं ध्वजा वंदन समारोह हुआ। समिति के प्रधान अरुण गोयल ने बताया की इस बार 120x60 फुट के विशाल मंच पर लीला का आयोजन 22 सितंबर से होगा। दिल्ली छावनी का क्षेत्र होने के चलते वीर जवानों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए मंच पर ऑपरेशन सिंदूर की झलक भी दिखाई देगी।

■ मंच पर झलकेगा ऑपरेशन सिंदूर

रामलीला को जीवंत दिखाने की इस बार विशेष तैयारियां की गईं हैं। गौरतलब है कि दिल्ली कैंट के रामलीला मैदान में 1954 से रामलीला का मंचन हो रहा है। इस बार 2025 में मंचन का 71 वां वर्ष हैं। यहां सेना के जवानों और अधिकारियों के परिवारों को इस लीला का बेसब्री से इंतजार रहता हैं।

मौजूदा सीडीएस जनरल अनिल चौहान भी वर्षों सपरिवार यहां की लीला के साक्षी रहे हैं।

38 लाख 50 हजार के ऑनलाइन शेयर घोटाले का मुख्य आरोपी किया अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने एक हाई-प्रोफाइल ऑनलाइन शेयर बाजार घोटाले के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह ने भोले-भाले लोगों का भरोसा जीतकर, उनमें डर पैदा करके और मनोवैज्ञानिक हेरफेर करके उनकी गाढ़ी कमाई पर हाथ साफ किया था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जतिन (25) निवासी झज्जर, हरियाणा के रूप में हुई है।

डीसीपी आदित्य गौतम के अनुसार एक वरिष्ठ नागरिक से धोखाधड़ी से संबंधित शिकायत मिली थी। इसमें 38 लाख 50 हजार की ठगी की गई थी। शिकायतकर्ता एक 75 वर्षीय सेवानिवृत्त एसबीआई बैंक अधिकारी थे। उन्हें व्हाट्सएप के माध्यम से ब्लिंकएक्स, स्टैंडर्ड चार्टर्ड एलीट और ब्लिंकएक्स मैक्स जैसे नकली स्टॉक ट्रेडिंग एप्लिकेशन इंस्टॉल करने के लिए लुभाया गया था। उन्हें एक धोखाधड़ी वाले निवेश सुझाव समूह में भी जोड़ा गया, जहां उन्हें धीरे-धीरे आईपीओ फंडिंग और लाभ निकासी के नाम पर निवेश करने के लिए प्रेरित किया गया था। कई व्यक्तिगत बैंक खातों में आईएमपीएस/एनईएफटी/यूपीआई के माध्यम से भुगतान करवाये गए थे। जब पीड़ित ने धनराशि निकालने की कोशिश की, तो वह सफल नहीं हो पाये थे। बाद में धोखेबाजों ने उन्हें धमकी दी। जांच के दौरान जतिन के नाम पर एक प्रमुख संदिग्ध बैंक खाते की पहचान हुई, जिसमें शिकायतकर्ता के खाते से 12 मई से 18 मई के बीच 19,55,000 प्राप्त हुए थे। यह खाता यस बैंक में था। झज्जर में पहले हुई दो छापेमारी के बावजूद आरोपी गिरफ्तारी से बचने में कामयाब रहा था। हालांकि गहन प्रयासों के बाद जतिन की उपस्थिति बहादुरगढ़ में पाई गई। त्वरित छापेमारी की गई और आरोपी को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी अपनी पहचान छिपाने के लिए नकली सिम कार्ड और जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल कर रहा था। यह भी पता चला है कि जतिन इसी तरह के एक मामले में गुरुग्राम पुलिस का भी वांछित है। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर जांच करने पर जब्त किए गए खाते से जुड़ी छह और शिकायतें सामने आई है। कुल मिलाकर जतिन और इसके साथी पूरे भारत में 25 साइबर धोखाधड़ी की शिकायतों से जुड़े रहे हैं। इस रैकेट में शामिल सह आरोपी सुनील और अन्य साथियों का पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास जारी है।

बहन से बदसलूखी का विरोध करने पर भाई की पिटाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दक्षिण पूर्वी जिले के कालिंदीकुंज थाना इलाके में बहन से बदसलूखी का विरोध करने पर भाई को बेरहमी से पीटे जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इसे रोडरेज का मामला बताया है। घटना से संबंधित एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। आरोपियों की पहचान करने के दावे के साथ उनकी तलाश किये जाने की बात कहीं जा रही है।

पुलिस के अनुसार 22 अगस्त शुक्रवार को रात लगभग 10.26 बजे डी-1 ब्लॉक, मदनपुर खादर में कुछ लड़कों द्वारा मारपीट के संबंध में दो पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। एक कॉल में चाकू से हमला करने की बात कही गई, जबकि दूसरी कॉल में बहन के साथ छेड़छाड़ के बाद झगड़े का आरोप लगाया गया। कॉल प्राप्त होने पर पीसीआर और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुची और घायल व्यक्ति सोमित (18) पुत्र सोनू कुमार निवासी बी-2/198, जेजे कॉलोनी,

■ कालिंदी कुंज पुलिस ने बताया रोडरेज का मामला

एमपीके को पीसीआर वैन के माध्यम से एलबीएस अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में उसकी एमएलसी तैयार की गई। इसके अलावा पूछताछ में पता चला कि घायल सोमित कुमार अपनी बहन के साथ बाजार से घर जा रहा था। कुछ लड़के गली में खड़े थे। घायल की बहन ने एक लड़के को रास्ता छोड़ने को कहा और उनके बीच बहस छिड़ गई, जिसके परिणामस्वरूप रास्ता रोक रहे लड़कों ने पीड़ित पर हमला कर दिया। पुलिस का कहना है कि मौके पर जांच में बहन के साथ छेड़छाड़ या चाकू के इस्तेमाल की कोई बात सामने नहीं आई। धारा 115(2), 126(2), 351(2) और 3/5 बीएनएस के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

संसद भवन के बाहर से संदिग्ध युवक को लिया हिरासत में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने शनिवार को भी संसद भवन परिसर के पास से 20 वर्षीय एक 'संदिग्ध' युवक को हिरासत में लिया। सीआईएसएफ के जवानों ने मामले की जांच के लिए संदिग्ध को पुलिस को सौंप दिया। बताया गया कि युवक के पास से कोई भी 'आपत्तिजनक' वस्तु बरामद नहीं हुई। एक दिन पहले भी एक व्यक्ति को संसद दीवार फांदने की कोशिश करते समय पकड़ा गया था।

सीआईएसएफ के जवानों ने 20 वर्षीय युवक को शनिवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे रेल भवन और संसद भवन के बीच रायसीना रोड से पकड़ा। संसद की सुरक्षा में तैनात एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि युवक बेंगलुरु से दिल्ली आया था और दुबई जाने वाला था। उसके पास से कोई भी आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई है और उससे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि युवक के फोन में उसके आधार और पासपोर्ट की एक प्रति मिली है। प्रारंभिक पूछताछ के बाद युवक को मामले की जांच के लिए कर्तव्य पथ थाने को सौंप दिया गया। सीआईएसएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने 22 अगस्त की घटना के बाद संसद परिसर की सुरक्षा के लिए एक 'सक्रिय' मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू की है। इस प्रक्रिया के तहत किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की सक्रिय रूप से जांच की जाएगी और उसे स्थानीय थाने को सौंप दिया जाएगा। संसद भवन परिसर के केवल बाहरी हिस्से में तस्वीरें लेने या इस भव्य इमारत को निहारने के लिए हर दिन बड़ी संख्या में लोग आते हैं। परिसर को किसी भी अप्रिय घटना से सुरक्षित रखने के लिए केवल उन्हीं लोगों को रोका जा रहा है, जिनकी गतिविधियां संदिग्ध या खतरनाक लग रही हों। दिसंबर 2023 में संसद की सुरक्षा में सेंध के बाद सीआईएसएफ को परिसर की सुरक्षा में लगाया गया था।

मुख्यमंत्री ने ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस के अतिथियों के सम्मान में आयोजित किया रात्रिभोज

कांफ्रेंस हमारे संसदीय लोकतंत्र की गुणवत्ता बढ़ाने का मंच बनेगी : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में आयोजित होने वाली ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस के शुभारंभ से पूर्व शनिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं व विधान परिषदों के अध्यक्षों, उपाध्यक्षों तथा सभापतियों के सम्मान में एक विशेष रात्रिभोज का आयोजन किया। सौहार्दपूर्ण संवाद और संसदीय परंपराओं से सराबोर इस आयोजन में मुख्यमंत्री ने सभी अतिथिगणों का बेहद आत्मीयता से स्वागत किया। यह कॉन्फ्रेंस 24

व 25 अगस्त को दिल्ली विधानसभा में आयोजित हो रही है। मुख्यमंत्री ने सभी प्रतिनिधियों का दिल्ली आगमन पर हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि यह सम्मेलन भारत के पहले निर्वाचित स्पीकर विट्ठलभाई पटेल द्वारा केंद्रीय विधान सभा के अध्यक्ष पदभार ग्रहण करने की शताब्दी के ऐतिहासिक अवसर पर आयोजित हो रहा है। दिल्ली को इस शताब्दी वर्ष में मेजबान बनने का सौभाग्य मिला है, यह हमारे लिए गर्व और जिम्मेदारी दोनों है। दिल्ली के होटल ताज में आयोजित इस रात्रिभोज के दौरान अतिथियों के बीच सौहार्दपूर्ण विचार-विमर्श भी हुआ, जिसमें विभिन्न सदनों के अध्यक्षों व उपाध्यक्षों ने संसदीय कार्य व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी तथा जनोन्मुख बनाने के उपायों पर अनुभव साझा किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राज्यों की विधानसभाएं लोकतंत्र की नर्सरी हैं, जहां जन अपेक्षाएं सीधे स्वर पाती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रक्रियात्मक सुधार, आचार-संहिता, पीठासीन पदों की निष्पक्षता और सदन के समय का सदुपयोग, ये चार स्तंभ हर सदन के साझा लक्ष्य हैं। दिल्ली सरकार और दिल्ली विधानसभा, देशभर की विधानसभाओं के प्रतिनिधियों के साथ अपने अनुभवों को साझा करेगी। इस रात्रिभोज में राजधानी की मेजबानी और विविधतापूर्ण सांस्कृतिक परंपरा का विशेष ध्यान रखा गया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे कांफ्रेंस का उद्घाटन

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कांफ्रेंस 24 व 25 अगस्त को दिल्ली विधानसभा में आयोजित की जा रही है। प्रथम दिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इसका उद्घाटन करेंगे, जबकि समापन सत्र की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा की जाएगी। इस अवसर पर विट्ठल भाई पटेल के जीवन और संसदीय योगदान पर विशेष डाक टिकट जारी किया जाएगा। उनकी जीवन गाथा पर आधारित एक प्रदर्शनी और डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन भी प्रस्तावित है। 'विट्ठलभाई पटेल की गौरव गाथा' शीर्षक यह प्रदर्शनी 26 से 31 अगस्त तक आम जनता के लिए खुली रहेगी। मुख्यमंत्री ने राजधानीवासियों से आग्रह किया कि वे बड़ी संख्या में प्रदर्शनी का अवलोकन कर इस ऐतिहासिक अवसर से जुड़ें।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 (2) Cr. P.C. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **जुबेर** पुत्र गफ्फार खान **निवासी** A-301/378, सरस्वती गली, मंडावली, दिल्ली ने **FIR No. 419/21 U/s 188 IPC. थानाः मंडावली, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **जुबेर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **जुबेर** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 419/21 U/s 188 IPC. थानाः मंडावली, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **जुबेर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.11.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री सचिन
जेएमएफसी-03, कमरा नं. 16
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/10023/ED/2025
(Court Matter)

ALLEN

Be Recognized
Be Rewarded*
Be a TALLENTEX Star

ALLEN's TALENT ENCOURAGEMENT EXAM
FOR CLASS 5th TO 10th STUDENTS

EXAM DATE
05 OCTOBER 2025

Scholarships worth*
₹ 250 CRORE

Cash Prizes*
₹ 2.5 CRORE

Recognized
NATIONAL RANK

*Subject to the scholarship rules and the T&Cs.

Start your journey
www.tallentex.com
0744-3510202, 0744-2750202

SCAN TO REGISTER

Champions Start their Success Journey with TALLENTEX

Rajit Gupta
TALLENTEX 2022
AIR 27
JEE (ADV.) 2025
AIR 1

Saksham Jindal
TALLENTEX 2023
AIR 19
JEE (ADV.) 2025
AIR 2

Keshav Mittal
TALLENTEX 2023
AIR 226
NEET (UG) 2025
AIR 7

ALLEN DELHI STUDY CENTRES
Dwarka | Faridabad | Ghaziabad-RDC | Ghaziabad-Vasundhara | Gurugram | Janakpuri | Kalu Sarai | Lajpat Nagar
Malviya Nagar | Noida (U.P.) | Greater Noida West | NSP | Preet Vihar | Punjabi Bagh | Rewari
95136-85900 | allen.ac.in/delhi

ALLEN KOTA
0744-3556677
allen.ac.in

ALLEN ONLINE
95137 36499
allen.in

Disclaimer: We provide an academic ecosystem and environment for the students to prepare for their target examinations. Studying at a coaching institute does not guarantee selection in the examinations. Selection also depends on other factors like preparation, available admission seats in the competitive exam, and the number of applicants appearing. All the students mentioned here were enrolled on full-time paid courses.

खबर संक्षेप

जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने की नागर से मुलाकात

फरीदाबाद। जिला कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष बलजीत कौशिक ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष जेपी नागर से मुलाकात की और अपनी नियुक्ति पर उनका आभार जताया। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता जेपी नागर ने कौशिक को जिलाध्यक्ष बनने पर मुंह मीठा कराते हुए उन्हें बधाई दी, उनके कुशल नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी फरीदाबाद में और मजबूत होगी ।

पुलिस ने 746 वाहन चालकों के चालान काटे

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस द्वारा 18 अगस्त से 22 अगस्त 2025 तक नशे में वाहन चलाने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। पांच दिनों तक प्रतिदिन शाम 7 बजे से रात्रि 11 बजे तक, शराब के ठेकों, टोल प्लाज़ा के आसपास एवं अन्य स्थानों पर अभियान चलाया गया। पुलिस ने शहर में ट्रैफिक व सभी थाना-चौकियों द्वारा लगभग 22,300 वाहन चालकों की जांच की गई।

नेपाल मूल के आरोपी सहित तीन गिरफ्तार

गुरुग्राम। सेक्टर-43 क्राइम ब्रांच ने लूट के फिराक में घूम रहे नेपाल मूल के आरोपी सहित तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जा से एक चाकू, मोबाइल, लोहे की रॉड व टॉर्च बरामद कर उद्योग विहार थाना में केस दर्ज कर लिया। सेक्टर-43 क्राइम ब्रांच के प्रभारी इंस्पेक्टर नरेंद्र को सूचना मिली कि गांव ढूंढाहेड़ा उद्योग विहार में तीन युवक हथियार के बल पर आने-जाने वालों के साथ लूटपाट करने की कोशिश कर रहे हैं। जिस पर पुलिस टीम ने मौके पर रेड मारते हुए तीन आरोपियों को अवैध हथियार सहित काबू कर लिया।

गाजियाबाद, लोनी एवं मोदी नगर महायोजना 2031 के प्रभावी होने से बढ़ेगी निवेश की संभावनाएं: उपाध्यक्ष वत्स

एक्सप्रेस वे के साथ प्रस्तावित किए गए है नए औद्योगिक क्षेत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

गाजियाबाद, लोनी एवं मोदी नगर महायोजना 2031 के प्रभावी होने से जिले में अब निवेश की संभावनाएं बढ़ गई हैं। जिले में औद्योगिककरण एवं वन डिस्ट्रिक वन-प्रोडक्ट (ओडीओपी) को बढ़ावा दिए जाने के उददेश्य से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस वे के समीप नए औद्योगिक क्षेत्र प्रस्तावित किए गए है। इस प्रकार उत्तर प्रदेश सरकार के एक ट्रिलियन अर्थ व्यवस्था के औद्योगिक विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने में गाजियाबाद जनपद अपना महत्वपूर्ण योगदान देगा। ये तमाम बातें गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने शनिवार को प्राधिकरण के सभागार कक्ष में आयोजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहीं। उन्होंने बताया कि गाजियाबाद, लोनी एवं मोदी नगर महायोजना 2031 की स्वीकृति होने से जनपद में ट्राजिंट ओरिएंटेड डेवलपमेंट (टीओडी) नीति के क्रियान्वयन में सुगमता आएगी एवं सुनियोजित विकास को बढ़ावा मिलेगा।

मिश्रित भू उपयोग में व्यवसायिक एवं आवासीय गतिविधियों का लाभ मिलेगा

वत्स ने कहा कि ऐसे क्षेत्रों में मिश्रित भू उपयोग का प्राविधान रखा गया है, जिसके अंतर्गत दो अथवा अधिक भू- उपयोगों का मिश्रण एक ही भवन में होरीज़ोनटल अथवा वर्टीकली अथवा एक ही स्थान पर विभिन्न उपयोगों के एक से अधिक भवनों में अनुमन्यता प्रदान की जा सकेगी। विकास क्षेत्र के अंतर्गत महायोजना 2031में नए विस्तारित महायोजना में दो ट्रांसपोर्ट नगर, दो लॉजिस्टक पार्क एवं चार ट्रक पार्किंग भू उपयोग प्रस्तावित किए गए है, जिससे राजस्व सृजन में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर जनसामान्य व निवेशकों द्वारा मिश्रित भू उपयोग के अंतर्गत व्यवसायिक एवं आवासीय गतिविधियों का लाभ उठाया जा सकेगा, आरआरटीएस, मेट्रो कॉरिडोर के संचालन से जनपद में सुगम यातायात को बढावा मिलेगा। टीओडी जोन्स में जोनल प्लान तैयार किए जाने हेतु प्राधिकरण द्वारा एनसीआरटीसी को एजेंसी घोषित किया गया है, शासन द्वारा महायोजना 2031 स्वीकृत किए जाने के फलस्वरूप एजेंसी द्वारा जोनल प्लान तैयार किए जाने की गति बढ़ेगी। महायोजना में 15-15 फीसदी आवासीय एवं व्यवसायिक के साथ लगभग 20 फीसदी एरिया ग्रीन में बढ़ोत्तरी प्रस्तावित किया गया है।

लॉयर्स सोशल जस्टिस फोरम व जिला बार एसो. द्वारा तीसरी बैंड सेरेमनी और सेमिनार का आयोजन

जस्टिस इंदिरा बनर्जी ने युवा वकीलों को अपनी शुभकामनाएं दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

लॉयर्स सोशल जस्टिस फोरम व जिला बार एसोसिएशन फरीदाबाद के द्वारा आयोजित तीसरी बैंड सेरेमनी और सेमिनार का आयोजन लॉयर्स सोशल जस्टिस फोरम के अध्यक्ष राजेश खटाना एडवोकेट के द्वारा होटल मेगपाई में किया गया। कार्यक्रम स्वागत स्पीच और विशेष सहयोग विकास वर्मा पूर्व सहायक एडवोकेट जनरल एवं सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड ने किया व अध्यक्षता जिला बार एसोसिएशन के प्रधान राजेश बैंसला ने की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जस्टिस इंदिरा बैनर्जी पूर्व न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट और विशेष अतिथि जस्टिस आर के वर्मा पूर्व न्यायाधीश मध्य प्रदेश हाईकोर्ट व विशेष अतिथि सना तारिकवाईस चेयरमैन मेट्रो हॉस्पिटल, विशिष्ट अतिथि पूर्व शिक्षा मंत्री श्रीमती सीमा त्रिखा, आर पी वर्मा वरिष्ठ अधिवक्ता, प्रवीन शर्मा, अशोक प्रधान, आदित्य राजपूत और अशोक सैनी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो.एम पी सिंह ने किया।

खास बातें

- जस्टिस ने ईमानदारी से काम करने और गरीबों के केस फ्री लड़ने की बात कही
- सेमिनार में बार के सीनियर वकीलों और युवा वकीलों का सम्मान किया गया
- कोई भी कानून या कार्रवाई संविधान का उल्लंघन न करें

शाखाएं संविधान के दायरे में काम करें

इस अवसर पर जस्टिस इंदिरा बनर्जी ने युवा वकीलों को अपनी शुभकामनाएं दी और कहा कि वकील न्यायपालिका की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, क्योंकि वे न्याय के संरक्षक के रूप में कार्य करते हैं और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करते हैं। वे न्यायिक समीक्षा के माध्यम से सरकार के विधायी और कार्यकारी कार्यों को चुनौती देते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि कोई भी कानून या कार्रवाई संविधान का उल्लंघन न करें। इसके अलावा वे सुनवाई का अधिकार सुनिश्चित करके और मौलिक अधिकारों की रक्षा करके न्याय प्रणाली में निष्पक्षता बनाए रखने में सहायता करते हैं। न्यायमूर्ति आर. के. वर्मा ने कहा कि न्यायिक स्वतंत्रता में वकीलों की भूमिका संवैधानिक मूल्यों का संरक्षण वकील संविधान के अभिभावक के रूप में काम करते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि सरकार की अन्य शाखाएं संविधान के दायरे में काम करें और संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखें। सीनियर एडवोकेट आर.पी. वर्मा ने कहा कि वकील न्यायिक समीक्षा की शक्ति का प्रयोग करते हैं जिससे उन्हें विधायी और कार्यकारी कार्यों को चुनौती देने और असंवैधानिक घोषित करने की अनुमति मिलती है, जो न्यायपालिका की स्वतंत्रता को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

न्यायिक सक्रियता का समर्थन

वकील विशेष रूप से जनहित याचिकाओं के माध्यम से, न्यायपालिका को नागरिकों के अधिकारों की सक्रिय रूप से रक्षा करने और समकालीन सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने वाले तरीकों से कानूनों की व्याख्या करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

लोकतंत्र की रक्षा

एक स्वतंत्र न्यायपालिका लोकतंत्र का एक अनिवार्य हिस्सा है। सना खान ने कहा कि वकील यह सुनिश्चित करने में मदद करते हैं कि न्यायपालिका सरकार की अन्य शाखाओं के दबाव से मुक्त होकर कानून के शासन को कायम रखें।

अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज अनमोल जैन का लोगों ने किया अभिनंदन

कजाखिस्तान से सिल्वर मैडल जीतकर अपने घर लौटे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाज एवं फरीदाबाद नगर निगम के ब्रांड एंबेसडर अनमोल जैन का शुक्रवार को भारत उनके घर पर वेदांता सोसायटी सेक्टर-2 बल्लभगढ़ पहुंचने शहर के राजनेताओं व पार्षद सहित अन्य लोगों ने अभिनंदन किया। इस दौरान सभी ने अनमोल जैन को अपना आर्शीवाद देते हुए ओलंपिक में देश के लिए मैडल लाने का आर्शीवाद दिया। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज अनमोल जैन शुक्रवार की दोपहर कजाखिस्तान के शिमकेंट नामक शहर से 10 मीटर एयर पिस्टल में सिल्वर मैडल जीतकर अपने घर लौटे थे। पहले उनके छोटे दादा राजेंद्र जैन प्रमोद जैन व उनकी दादी दर्शना जैन ने घर पर आकर अनमोल को सिलवर मैडल जीतने पर बधाई दी। पूर्व मंत्री एवं विधायक मूलचंद शर्मा के बड़े भाई टिपर चंद शर्मा, पार्षद योगेश शर्मा, युवा कांग्रेस नेता गिरीश भारद्वाज, टेक चंद शर्मा सहित निवासी एवं उद्योगपति योगेश ने शॉल पहनाकर और गुलदस्ते भेंट कर सम्मानित किया।

ओलंपिक में देश के लिए मैडल जीतना मेरा जनून

एशियन शूटिंग चैपियनशिप में सिलवर मैडल (टीम) के विजेता अनमोल जैन ने कहा कि अब उनका लक्ष्य आने वाले अंतरराष्ट्रीय में बेहतर प्रदर्शन करना है। जिसके लिए उन्होंने तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि आगामी वर्षो में ओलंपिक में देश के लिए मैडल जीतना उनका जनून बन चुका है। उन्होंने कहा कि उनके इस सफर में उनके कोच राकेश सिंह की कड़ी मेहनत है। परिवार की ओर से भी उन्हें हर संभव सहयोग मिल रहा है।

चाइना में होने वाले वर्ल्डकप में निशाना लगाएगा

चाइना में सितंबर माह में 7 सितंबर से 15 सितंबर तक होने वाले वर्ल्डकप में अनमोल जैन निशाना लगाएगा। कोच राकेश सिंह ने बताया कि अनमोल चाइना में भी देश का नाम रोशन अवश्य करेगा।

साहिबाबाद क्षेत्र में ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड प्रोजेक्ट से मिल रहा है औद्योगिक इकाइयों को लाभ

नगर आयुक्त ने टीम से की समीक्षा

1108 औद्योगिक इकाइयों को हो रही है जलापूर्ति, निगम वितरित करेगा बिल

लगे नलकूपों को चलाने वाली औद्योगिक इकाइयों पर होगी कार्रवाई: आयुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की अध्यक्षता में शनिवार को ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड प्रोजेक्ट को लेकर समीक्षा बैठक हुई बैठक में कंप्लीट हुए प्रोजेक्ट के बारे में विस्तृत जानकारी प्रेजेंटेशन के माध्यम से देखते हुए ली गई।। साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र में 1108 औद्योगिक इकाइयों को गाजियाबाद नगर निगम जलापूर्ति कर रहा है, शेष औद्योगिक इकाइयों को भी शीघ्र औद्योगिक जलापूर्ति के लिए कार्रवाई चल रही है, टीम के द्वारा समीक्षा बैठक में रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। ऐसी औद्योगिक इकाइयां जिनके द्वारा अवैध रूप से लगे हुए नलकूप का इस्तेमाल करते हुए जलापूर्ति की जा रही है उन पर विभाग कड़ी कार्रवाई करेगा निर्णय लिया गया, साथ ही जिन औद्योगिक इकाइयों को जलापूर्ति हो रही है उनको बिल वितरित करने के लिए भी निर्णय लिया गया, नगर आयुक्त द्वारा निर्धारित शुल्क के क्रम में बिल वितरित करने के लिए महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद को निर्देशित किया गया।

औद्योगिक जलापूर्ति के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा की

नगर आयुक्त की अध्यक्षता में आयोजित ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड प्रोजेक्ट की समीक्षा बैठक में एस वरदराजन डायरेक्टर वी ए टेक वेबग लिमिटेड, प्रोजेक्ट मैनेजर अग्नि मोहंती उपस्थित रहे जिनके द्वारा रोड रेस्टोरेशन से लेकर, किए जा रहे शोधित जल की प्रक्रिया संबंधित प्रेजेंटेशन दी गई। औद्योगिक इकाइयों को जलापूर्ति के लिए किया जा रहे रजिस्ट्रेशन व अन्य पर भी गहनता से विचार विमर्श किया गया, औद्योगिक क्षेत्र से भी निगम को जलापूर्ति करने पर आय प्राप्त होगी, रेट निर्धारण करने तथा बिल वितरित करने पर योजना बनाई जा रही है। बॉन्ड कमेटी के सदस्य के रूप में निर्माण विभाग से मुख्य अभियंता नरेंद्र कुमार चौधरी, देशराज, जलकल विभाग से आस कुमार व अन्य टीम उपस्थित रही। साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र को जलापूर्ति के लिए सफलतापूर्वक संपन्न हुए ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड प्रोजेक्ट के कार्य के उपरांत प्रोजेक्ट के भव्य उद्घाटन के लिए भी निगम योजना बना रहा है, साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र को जलापूर्ति की जा रही है जिसका लाभ औद्योगिक इकाइयों को मिल रहा है समय-समय पर नगर आयुक्त व अन्य संबंधित अधिकारियों द्वारा भी चल रहे कार्यों की मॉनिटरिंग निरीक्षण की क्रम में की जा रही है, शहर हित में ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड बहुत ही लाभदायक सिद्ध होगा तेजी से कार्य चल रहा है।

75 लाख रुपए के गांजे के साथ गांजा तस्कर गिरफ्तार उड़ीसा से दिल्ली ला रहा था

गाजियाबाद। स्वाट टीम क्राइम ब्रांच व थाना वेवसिटी पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में उड़ीसा राज्य से दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में गाँजे की तस्करी व बिक्री करने वाले एक शातिर अन्तर्राज्यीय गाँजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से कुल 187 किलोग्राम नाजायज गांजा व तस्करी में प्रयुक्त कैन्टर गाड़ी बरामद किया गया है। बरामद गांजे की अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 75 लाख रुपए है। एडीसीपी अपराध पीयूष सिंह ने शनिवार को बताया कि क्राइम ब्रान्च एवं थाना वेवसिटी पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद की संयुक्त कार्यवाही में थाना वेवसिटी क्षेत्र से मुखबिर की सूचना पर इकला इनायतपुर रोड पर गांजा तस्कर राकेश को गिरफ्तार किया है। तिरपाल नीचे गांजा छिपाकर दिल्ली व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सप्लाई करने के लिए तस्करी करके ला रहा था ।

क्रांतिकारी गुलाब सिंह लोधी का 91वां बलिदान दिवस मनाया

गुलाब सिंह लोधी ने तिरंगा फहराते हुए देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

लोधी राजपूत जनकल्याण समिति (रजि) फरीदाबाद द्वारा अमर बलिदानी क्रांतिकारी गुलाब सिंह लोधी जी का 91वां बलिदान दिवस कार्यक्रम समिति रजि. कार्यालय डबुआ कालोनी एनआईटी फरीदाबाद में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सुरेश पाठक, नंदकिशोर लोधी, मनवीर भड़ाना पूर्व पार्षद, लाखनसिंह लोधी, रूपसिंह लोधी, भोपाल कश्यप, पूर्व पार्षद अवधेश ओझा, धर्म पाल सिंह लोधी, शीशपाल शास्त्री ने दीप प्रज्वलित किया, उपस्थितजनों ने बलिदानी के समक्ष पुष्प अर्पित कर नमन किया।

समिति के संस्थापक महासचिव लाखनसिंह लोधी ने क्रांतिकारी गुलाब सिंह लोधी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गुलाब सिंह लोधी का जन्म 3 मई 1903 में उन्नाव जिले के ग्राम चद्रिन्काखेड़ा (फतेहपुर चौरासी) में रामरतन सिंह लोधी, कृषक जमींदार परिवार में हुआ था। उस समय देश में ब्रिटिश साम्राज्य था। देश की आजादी के लिए क्रांतिकारी संघर्षरत थे, यातनाएं झेल रहे थे। क्रांतिकारियों ने 23 अगस्त 1935 के दिन पूरे देश में झंडा सत्याग्रह आंदोलन के अंतर्गत ब्रिटिश सरकार के सभी मुख्यालयों, कार्यालयों के समक्ष

तिरंगा फहराने का आह्वान किया था। ब्रिटिश सरकार की सख्ती के कारण तिरंगा फहराने में सफल नहीं हो सके। 23 अगस्त 1935 को उन्नाव जिले से जत्थे के जत्थे लखनऊ के अमीनाबाद पार्क की ओर आ रहे थे परंतु सत्याग्रही तिरंगा फहराने में सफल न हो सके। इन्हीं एक जत्थे में क्रांतिकारी गुलाब सिंह लोधी भी थे जिनके हाथ में बैल हांकने वाली लकड़ी (पैना) था और तिरंगे झंडे को अपने कपडों में छुपा रखा था। किसी भी क्रांतिकारी को पार्क में जाने की अनुमति नहीं थी। क्रांतिकारी गुलाब सिंह लोधी ब्रिटिश सेना सिपाहियों की नजर बचाकर पार्क में खड़े पेड़ पर चढ़ गए। उन्होंने उस लकड़ी (पैना) में तिरंगे को लगाकर तिरंगा फहराते हुए उद्घोष करने लगे भारत माता की जय, महात्मा गांधी की जय, विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा इस झंडे का मान न जाए, चाहे जान भले ही जाए। बाहर खड़े क्रांतिकारी भी उद्घोष करने लगे।

राष्ट्रीय संवाद में गरीबी उन्मूलन व आजीविका बढ़ाने के नवीन और समावेशी उपायों पर मंथन

चरम गरीबी 16 प्रतिशत के घटकर 2 प्रतिशत रह गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

ट्रिकल अप ने सरकारी विभागों, नागरिक समाज, कॉर्पोरेट जगत और विकास साझेदारों के सहयोग से इंडिया हैबिटेट सेंटर, में आर्थिक समावेशन और लचीलापन के नए मार्ग विषय पर एक राष्ट्रीय संवाद का आयोजन किया। इस संवाद में वरिष्ठ नीति-निर्माताओं, विकास क्षेत्र के विशेषज्ञों, दानदाता संस्थाओं, शिक्षाविदों और समुदाय प्रतिनिधियों ने भाग लिया और गहन चर्चा की। जिसका उद्देश्य गरीबी उन्मूलन और व्यापक स्तर पर टिकाऊ आजीविका को बढ़ावा देने के लिए नवीन और समावेशी उपायों पर विचार-विमर्श था।

कार्यक्रम की शुरुआत ट्रिकल अप के एशिया क्षेत्रीय निदेशक सुशांत वर्मा के स्वागत संबोधन से हुई। इसके बाद ग्रामीण विकास मंत्रालय (डे-एनआरएलएम), भारत सरकार की संयुक्त सचिव, श्रीमती स्मृति शरण ने अपने

वक्तव्य में समावेशन, नवाचार और बहु-आयामी साझेदारी के प्रति सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह संवाद एक बेहद महत्वपूर्ण समय पर हो रहा है। चरम गरीबी 16 प्रतिशत से घटकर 2 प्रतिशत रह गई है। जिससे करीब 17 करोड़ लोग अभाव से बाहर निकले हैं। मनरेगा के माध्यम से 3 अरब मानव-दिवस का रोजगार और संपत्तियां निर्मित हुई। जिसने ग्रामीण भारत की लचीलापन क्षमता को मजबूत किया।

प्लॉन डिएक्टीवेट करने के नाम पर एक लाख अड़सठ हजार रुपए की ठगी, 4 आरोपी धराए

पुलिस ने किया ठगी की धाराओं में मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

क्रेडिट कार्ड प्रोटेक्शन प्लॉन डिएक्टीवेट करने के नाम पर 168612 रुपए की ठगी के मामले में पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

डबुआ कालोनी फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना एनआईटी में दी अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि 9 जुलाई को उसके पास कस्टमर केयर से फोन आया जिसने कहा कि आपके क्रेडिट कार्ड पर कार्ड प्रोटेक्शन प्लॉन एक्टीवेट हो गया है जिसका चार्ज कटेगा। इस सर्विस को डिएक्टिवेट कराने के लिए आपके फोन पर 6 डिजीट का ओटीपी आएगा। जिसको वेरिफाई कराने के बाद ये सर्विस डिएक्टिवेट हो जाएगी।

कथित बैंक कर्मचारी को ओटीपी बताने के बाद उसके खाते से 168612 रुपए कट गए। जिस शिकायत पर साइबर थाना एनआईटी में ठगी की धाराओं में मामला दर्ज किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने मामले में कार्रवाई करते हुए आलोक आनंद, विकास, अखिल व मुकेश निवासी नई दिल्ली को गिरफ्तार किया है।

पूछताछ में सामने आया कि आलोक, विकास व अखिल कॉलर का काम करते थे। वहीं मुकेश ठगी के पैसो से ऑनलाईन ऑर्डर व एटीएम से कैस निकाल कर लाता था। तीनों आरोपी पहले कॉल सेंटर में काम करते थे जहां उनकी आपस में दोस्ती हुई थी।

आरोपी मुकेश, विकास का चाचा है। विकास स्नातक, मुकेश 6, आलोक व अखिल 12वीं पास है। सभी आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश कर 3 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

नौकरी के नाम पर युवक से दो लाख 92 हजार रुपए ठगे

पीड़ित युवक के व्हाट्सएप पर भेजा जॉब फ्री ज्वाइनिंग का मैसेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

साइबर क्राइम मानेसर एरिया में एक युवक से पार्ट टाइम नौकरी के नाम पर 2,92,183 रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी।

पुलिस को दी शिकायत में ओडिशा निवासी दक्ष्यत कुमार नायक ने बताया कि वह मानेसर स्थित एक कंपनी में नौकरी करता है। 20 जुलाई को उसके व्हाट्सएप पर एक अनजान नंबर से पार्ट टाइम नौकरी के लिए मैसेज आया। मैसेज में जॉब फीस ज्वाइनिंग के लिए 9,898 रुपए भेजने के लिए कहा गया। जब दक्ष्यत कुमार ने रुपए ट्रांसफर किए तो उनको टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ा गया। इसके बाद जालसाजों ने कई बार में कुल 2,92,183 रुपए ट्रांसफर कराए लिए। इसके बाद जब दक्ष्यत कुमार ने अपने रुपए वापस मांगे तो कुछ रुपए ट्रांसफर करने के लिए कहा गया। ऐसे में दक्ष्यत कुमार को अपने साथ ठगी का एहसास हुआ। पीड़ित ने अपने साथ हुई ठगी की 05 अगस्त को ऑनलाइन शिकायत पुलिस में दी थी। पुलिस ने अब मामला दर्ज करके जांच शुरू की है।

खबर संक्षेप

निगम सफाई कर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर दी धरने की चेतावनी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में सफाई कर्मियों की कमी के पीछे भ्रष्टाचार है और यूनियन ने अपनी मांगों को लेकर निगम प्रशासन को धरने की चेतावनी दी है साथ ही निगम अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए है। अखिल भारतीय मजदूर एकता यूनियन ने दक्षिणी जोन, ग्रीन पार्क स्थित दिल्ली नगर निगम कार्यालय पर 9 सितंबर से अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन की घोषणा की है। यूनियन के दिल्ली प्रभारी देवेंद्र सिंह प्रधान ने निगम के वरिष्ठ अधिकारियों पर भ्रष्टाचार और मनमानी के गंभीर आरोप लगाए हैं तथा स्वच्छता कर्मियों की मूलभूत मांगों के समाधान की मांग की है। यूनियन ने उपायुक्त को लिखें गए पत्र में कहा है कि दिल्ली की स्वच्छता रैंकिंग सुधारने की बात तो खूब की जाती है, लेकिन जो सफाईकर्मी इस काम में अपनी जान तक की परवाह नहीं करते, उनकी समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा।

वासुदेव घाट पर पांच कियोस्क के लिए डीडीए ने मांगे आवेदन

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने कश्मीरी गेट स्थित वासुदेव घाट पर पांच कियोस्क अलॉट करने के लिए लोगों से आवेदन मांगे है। जिसके लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 25 अगस्त 2025 है और इसे ऑनलाइन करना होगा। डीडीए के अनुसार इस योजना के तहत प्रत्येक कियोस्क को पहली बार तीन वर्ष के लिए लाइसेंस दिया जाएगा। डीडीए के अनुसार इस लाइसेंस को तीन तीन साल करके कुल 9 वर्ष के लिए बढ़ाया जा सकता है। कियोस्क आवंटन की यह पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन मतलब एसबीआई ई-टेंडर पोर्टल के माध्यम से ई-नीलामी द्वारा होगा। बता दें कि गत वर्ष वासुदेव घाट पर यमुना मैया की आरती विधिवत रूप से शुरू हुई है।

रेखा सरकार में साफ पेयजल को तरस रहे लोग : यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने रेखा गुप्ता सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा है कि राजधानी के लोग साफ सुथरे पेयजल के लिए तरस रहे है। उन्होंने कहा कि आज हालात यह है कि दिल्ली के गरीब लोगों को बोतल बंद महंगा पानी पीने के लिए मोटी रकम चुकानी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि जल संकट के आरोप को ग्रीनपीस इंडिया की जल ऑडिट में दिल्ली में जलापूर्ति पर चौकाने वाले आंकड़े उजागर किए है। जिससे पिछले 11 वर्षों में जनसंख्या वृद्धि के अनुपात में जलापूर्ति करने में पिछली आम आदमी पार्टी और मौजूदा भाजपा की सरकार पूरी तरह से नाकाम साबित हुई है।

जलभराव के कारण वाहनों की गति पर लगा ब्रेक

दिल्ली में बारिश, कई जगह भरा पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में लगातार दूसरे दिन शनिवार को भी कई जगह बारिश दर्ज की गई जिसके चलते लोगों को गर्मी से राहत के साथ ही परेशानी का सामना भी करना पड़ा। कई मुख्य मार्गों पर जगह जगह हुए जलभराव ने वाहनों को रेंगने पर मजबूर कर दिया। जिसके चलते दूपहियां वाहनों को गड्ढों के चलते गिरते हुए भी देखा गया। बता दें कि सुबह से ही उमस वाला मौसम बना रहा जिसके बाद दोपहर एक बजे मौसम ने करवट ली और आसमान बादलों से भर गया। कहीं हल्की तो कहीं एकाएक भारी बारिश का जो दौर शुरू हुआ वो देर रात तक चलता रहा।

प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र दिल्ली (आईएमडी) ने येलो अलर्ट जारी किया था। आईएमडी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक सफदरजंग ने कुल 2.6 मिमी बारिश दर्ज की। जबकि पालम में 3.6 मिमी, लोदी रोड 3.4 मिमी, रिज एरिया में 3.8 मिमी, आया नगर में 9.9 मिमी और राजघाट में 4.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं सुबह साढ़े आठ बजे से पहले के 24 घंटों में भी यही आंकड़े दर्ज दिखाए गए है। आईएमडी ने रविवार के लिए येलो अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। अधिकांश स्थानों पर ऐ या दो बार हल्की से मध्यम बारिश देखने को मिल सकती है। आसमानी चमक व गड़गड़ाहट के साथ कई क्षेत्रों में अच्छी बारिश की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। आईएमडी ने सोमवार से लेकर अगले चार दिनों के अनुमान में ग्रीन अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। अधिकांश स्थानों पर ऐ या दो बार हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। आईएमडी के अनुसार शनिवार को अधिकतम तापमान 34.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 0.3 कम है। जबकि न्यूनतम तापमान 25.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 0.8 कम है। हवा में 94-65 प्रतिशत आर्द्रता दर्ज की गई। बता दें कि इस मानसून में अगस्त महीने का बारिश का कोटा पूरा हो चुका है, बल्कि अब जो बरसात हो रही है वह अतिरिक्त आंकड़े दर्ज करने वाली है।

भारत की परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां विश्वभर में बना रहीं पहचान अपनी : रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ 14वें वेलनेस न्यूरोथेरेपी दिवस कार्यक्रम में शामिल हुईं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

भारत की परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां विश्वभर में अपनी पहचान बना रही हैं। अर्धनारीश्वर चिकित्सा-न्यूरोथेरेपी जैसी परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां भारत की प्राचीन धरोहर हैं। इनका महत्व आज और भी बढ़ गया है क्योंकि यह उन बीमारियों का भी उपचार करती हैं, जहां आधुनिक चिकित्सा कई बार असफल हो जाती है। मुख्यमंत्री ने यह विचार शनिवार को आरोग्य पीठ के 14वें वेलनेस न्यूरोथेरेपी दिवस कार्यक्रम में व्यक्त किए। यह कार्यक्रम श्री गुरु रामराय उदासीन आश्रम सभागार, आराम बाग, दिल्ली में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार चाहती है कि न्यूरोथेरेपी के लिए दिल्ली में बेहतर सुविधाएं विकसित हों, नए केंद्र स्थापित किए जाए और अधिक से अधिक लोग इस चिकित्सा का लाभ उठा सकें। सरकार इस पर आपके सुझावों के आधार पर ठोस कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि आरोग्य पीठ द्वारा किए जा रहे कार्य समाज के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। दिल्ली सरकार इस दिशा में ऐसी कल्याणकारी संस्थाओं की हरसंभव सहयोग करेगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने डॉ. रामगोपाल दीक्षित की पुस्तक का विमोचन किया। कार्यक्रम में संस्थान के पदाधिकारी डॉ. अशोक वाजपेयी, डॉ. कुसुम दीक्षित व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वैकल्पिक चिकित्सा केवल उपचार ही नहीं, बल्कि जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाने का मार्ग भी दिखाती है।

'दिल्ली सरकार घोषित करे नया सर्किल रेट, नहीं तो किसानों के साथ सड़क पर उतरेंगे'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ कांग्रेस नेता डॉ. नरेश कुमार ने डिविजनल कमिश्नर से की मुलाकात

दिल्ली कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. नरेश कुमार ने शनिवार को दिल्ली के डिविजनल कमिश्नर नीरज सेमवाल से मुलाक़ात कर उन्हें कृषि भूमि के सर्किल रेट बढ़ाने को लेकर विस्तृत प्रतिनिधि-पत्र सौंपा। डॉ. कुमार ने बताया कि कांग्रेस पार्टी ने पहले ही 6 जून 2025 को मुख्यमंत्री को इस विषय में प्रतिनिधि-पत्र दिया था। उसके बाद मुख्यमंत्री ने डिविजनल कमिश्नर की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की थी। लेकिन यह बेहद चिंताजनक है कि करीब दो महीने बीत जाने के बाद भी उस कमेटी की ओर से कोई कार्रवाई नहीं हुई है। यह साबित करता है कि दिल्ली की बीजेपी सरकार किसानों की तकलीफ़ों और हक़ की लड़ाई के प्रति गंभीर नहीं है।

उन्होंने कहा कि यह गौरतलब है कि सन 2008 में आख़िरी बार सर्किल रेट बढ़ाए गए थे और उस समय दिल्ली की ज़मीन केवल दो केटेगरी में बाँटी गई थी। एक, कृषि भूमि जिसकी कीमत 53 लाख प्रति एकड़ तय की गई थी। दूसरी, रिवर बेड लैंड जिसकी कीमत 17 लाख प्रति एकड़ निर्धारित की गई थी। उन्होंने कहा कि इसी न्यायपूर्ण मॉडल को आधार मानते हुए अब कृषि भूमि का सर्किल रेट 10 करोड़ रूपये प्रति एकड़ किया जाना चाहिए।

डॉ. नरेश कुमार ने यह भी कहा कि 2015 और 2019 में पिछली सरकार ने ज़मीन को ज़िलेवार बाँटकर अलग-अलग सर्किल रेट तय करने की कोशिश की थी, जो किसानों और ज़मींदारों के साथ घोर अन्याय था। यह नीति असमानता और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सर्किल रेट बाज़ार भाव से बेहद कम हैं, जिससे किसानों को उचित मूल्य नहीं मिल रहा और सरकार भी बड़े पैमाने पर राजस्व से वंचित हो रही है।

डॉ. कुमार ने चेतावनी दी कि अगर दिल्ली की बीजेपी सरकार ने कमेटी की रिपोर्ट तत्काल सार्वजनिक कर सर्किल रेट की घोषणा नहीं की, तो दिल्ली कांग्रेस किसानों के साथ मिलकर उनकी इस न्याय की लड़ाई को दिल्ली की सड़कों पर लड़ेगी।

बदली जाएंगी बवाना की सभी जर्जर पाइप लाइनः इंद्राज

नांगल ठाकरान में पानी की नई लाइन बिछाने का कार्य शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

बवाना क्षेत्र के कई गांवों में पानी की लाइनें 35-40 साल पुरानी हो चुकी हैं, जिनकी वजह से पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो रही है। ये सभी जर्जर पाइपलाइनें बदली जाएंगी। जिन गांवों और जेजे कॉलोनियों में अब तक लाइनें नहीं बिछाई गई हैं, वहां भी अंतिम छोर तक पाइपलाइन पहुंचाकर हर घर को पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। यह बातें दिल्ली के समाज कल्याण विभाग मंत्री और स्थानीय विधायक रविंद्र इंद्राज सिंह ने शनिवार को बवाना विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 31 अंतर्गत नांगल ठाकरान स्थित माजरा डबास एवं बुढ़नपुर माजरा के लिए नई पानी की पाइपलाइन बिछाने के कार्य का शुभारम्भ करने के दौरान कही। मंत्री इंद्राज ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश हैं कि दिल्ली के गांवों को निर्बाध बिजली और पानी की आपूर्ति मिले। गांवों और जे जे कॉलोनियों का विकास सरकार की प्राथमिकता हैं। मंत्री इंद्राज ने दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुरानी पाइपलाइनों की जगह उच्च गुणवत्ता वाली डीआई (डक्टाइल आयरन) पाइपलाइन का नेटवर्क तैयार किया जाए और कार्य को तीन माह के भीतर पूरा किया जाए। साथ ही पाइप लाइन बिछाने के साथ निर्बाध जल आपूर्ति शुरू करने और खुदाई से प्रभावित सड़कों की मरम्मत का कार्य भी शीघ्रता से पूरा करने के निर्देश दिए। इस परियोजना से गांवों की 2500 के करीब आबादी को इसका लाभ मिलेगा। इसके बाद मंत्री इंद्राज ने मुंगेशपुर गांव में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नए ट्रांसफार्मर का लोकार्पण किया।

ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस आज से होगी शुरू, सभी तैयारियां पूरी : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में आज शुरू होने वाली दो दिवसीय ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस की तैयारियां पूरी हो चुकी है। शनिवार को दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस के आयोजन की तैयारियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि सम्मेलन की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। यह ऐतिहासिक आयोजन न केवल वीर विट्ठलभाई पटेल की विरासत को सम्मान देता है, बल्कि लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करने और शासन में जवाबदेही बढ़ाने के हमारे संकल्प को भी दोहराता है। ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस के सम्मेलन में विट्ठल भाई पटेल की स्मृति में एक विशेष प्रदर्शनी आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा उद्घाटित की जाएगी, जिसमें दुर्लभ अभिलेख, तस्वीरें और संसदीय विकास की झलक प्रस्तुत की जाएगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा 24–25 अगस्त 2025 को पहली बार ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस और श्री विट्ठल भाई पटेल की जयंती के शताब्दी समारोह की मेजबानी करेगी। इसमें देशभर से विधानसभाओं और राज्य विधान परिषदों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल होंगे।

निगम वार्ड समिति की बैठक

जनहित के काम न हुए तो अधिकारियों को दिखाया जाएगा बाहर का रास्ता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में नरेला जोन वार्ड समिति की शुक्रवार को हुई बैठक में जनहित के मुद्दे गरमा गए। समिति की अध्यक्ष बबीता डबास ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए निगम उपायुक्त राकेश कुमार और मौजूद विभाग प्रमुखों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि सभी पार्षदों और क्षेत्र से जनता की लगातार शिकायतें आ रही हैं कि अधिकारियों की लापरवाही से जनता के कार्य अधर में लटके पड़े हैं। अगर अगली बैठक तक जनता से जुड़े मुद्दों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो जिम्मेदार अधिकारियों को बाहर का रास्ता दिखाना पड़ेगा। बैठक में उपस्थित वार्ड समिति उपाध्यक्ष जनता देवी, ग्रामीण समिति के अध्यक्ष योगेश राणा, पार्षद पवन सहरावत, सदीप डबास, दिनेश भारद्वाज, रामचंद्र, अंजू, मनोनीत पार्षद विनोद सहरावत, लक्ष्मण आर्य ने साफ कहा कि क्षेत्र में सड़कों की मरम्मत, जलभराव की समस्या, कूड़ा प्रबंधन और स्ट्रीट लाइट जैसे बुनियादी काम महीनों से रुके पड़े हैं। जनता रोज़ परेशान हो रही है लेकिन अधिकारी केवल फाइलों में गोलमोल जवाब देकर पल्ला झाड़ लेते हैं। पार्षदों ने साफ कहा कि अगर अगली बैठक तक सुधार दिखाई नहीं दिया तो वे ऐसे अधिकारियों के खिलाफ प्रस्ताव लाकर उन्हें बाहर का रास्ता दिखा देंगे।

प्रवेश ने आउटर रिंग रोड का किया निरीक्षण

मंत्री ने अधिकारियों को सड़क की जमीनी हकीकत से कराया रूबरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शनिवार को 47 किमी के आउटर रिंग रोड का निरीक्षण किया। इस दौरान कमियां पाए जाने पर अधिकारियों की फटकार लगाई।

एक बस से सभी अधिकारियों के साथ आउटर रिंग रोड का निरीक्षण करने निकले मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने सड़क का जायजा लिया। इस दौरान मंत्री प्रवेश ने आउटर रिंग रोड पर जहां-जहां कमियां देखी उन्हें उसी समय अधिकारियों को ठीक करने के निर्देश दिए। इस दौरे में उनके साथ प्रिंसिपल सेक्रेटरी, चीफ इंजीनियर, इंजीनियर और ट्रैफिक पुलिस आदि के अधिकारी शामिल थे। इस दौरान मंत्री प्रवेश ने कहा कि अक्सर दिल्ली सरकार के तमाम डिपार्टमेंट के अधिकारी कमरों में बैठकर कमियों को बताते हैं लेकिन उससे सॉल्यूशन नहीं निकलता, इसलिए दिल्ली सरकार विकास कॉन्सेप्ट शुरू किया है। इसके तहत शनिवार को छुट्टी के दिन हमपे अधिकारियों को बस में ले जाकर सड़क पर निकलकर जमीनी हालात का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने कहा कि हमने कई कमियां देखी। कहीं पर गड्ढा था, कहीं पर टाइल टूटी हुई थी। उनको अधिकारी हाथ के हाथ नोट कर रहे हैं। इन कमियों को जल्द से जल्द ठीक कराया जाएगा।

सिविल लाइन जोन का निरंकारी ग्राउंड बना कूड़े का अड्डा

'दिल्ली को कूड़े से आज़ादी' दिलाने के झूठे दावों की आम आदमी पार्टी ने खोली पोल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और महापौर के 'दिल्ली को कूड़े से आज़ादी' दिलाने के झूठे दावों की पोल शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) ने खोली। बता दें कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में आप के नेता विपक्ष अंकुश नारंग ने शनिवार को सिविल लाइन जोन के वार्ड 14 धीरपुर और वार्ड 7 कादीपुर में जगह-जगह बन रहे कूड़े के पहाड़ का दौरा किया और दिल्ली में बढ़ती गंदगी को लेकर भाजपा पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि निरंकारी समागम ग्राउंड में भी कूड़े के पहाड़ खड़े हो गए हैं, जहां पीएम की रैलियां होती हैं। महापौर तो सिविल लाइन जोन के चेयरमैन रह चुके हैं। वो जब अपना घर नहीं साफ कर सकते तो दिल्ली की सफाई क्या करेंगे? नेता विपक्ष नारंग ने कहा कि कुल मिलाकर भाजपा सरकार का 'दिल्ली को कूड़े से आजादी' दिलाने का अभियान सिर्फ फोटो शूट तक सीमित रह गया है। अंकुश नारंग ने कहा कि एमसीडी की स्थायी समिति की बैठक में खुद भाजपा पार्षदों ने माना कि सेंट्रल, साउथ और वेस्ट जोन में कूड़ा जमा हो रहा है। इस अवसर पर 'आप' के स्थानीय पार्षद नेहा अग्रवाल, गगन चौधरी, मुनेश देवी, टिम्सी शर्मा, रूबी रावत, प्रदीप अग्रवाल, अजय शर्मा, सुरेश शर्मा समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

किसके कहने पर बन रहे हैं ये कूड़े के पहाड़

भाजपा पर निशाना साधते हुए नेता विपक्ष नारंग ने कहा कि ये कूड़े के पहाड़ किसके कहने पर बन रहे हैं। क्या कूड़े का पहाड़ बनाने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा या किसी और ने कहा है? भाजपा सिर्फ फोटो खिंचवाने के लिए झाड़ू न उठाएं, बल्कि वल्नरेबल पॉइंट्स में जाकर सफाई कराएं। अंकुश ने कहा कि दिल्ली की जनता ने भाजपा को बड़ी उम्मीदों के साथ चुना था, लेकिन चार इंजन की सरकार के बावजूद दिल्ली में कूड़े की समस्या बढ़ती जा रही है।

कागजी और दिखावटी है यह अभियान

अंकुश नारंग ने बताया कि निरंकारी ग्राउंड में कूड़ा, मलबा और सिल्ट का ढेर जमा है। यहां कूड़े का ढेर एमसीडी, पीडब्ल्यूडी और दिल्ली जल बोर्ड मिलकर डाल रहे हैं। भाजपा का दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान कागजी और दिखावटी है। यह अभियान 1 अगस्त से 31 अगस्त तक चल रहा है, लेकिन इसके बावजूद सिविल लाइंस जोन में मजलिस पार्क, वजीराबाद के रामघाट, अब निरंकारी ग्राउंड समेत कई अन्य जगहों पर कूड़े के पहाड़ खड़े हो रहे हैं। सिविल लाइंस जोन से महापौर राजा इकबाल सिंह आते हैं, वहां उनके घर से सिर्फ दो किमी दूर यह तीसरा कूड़े का पहाड़ है।

राजा इकबाल सिंह आकर करें कूड़े के पहाड़ का उद्घाटन : अंकुश नारंग

अंकुश नारंग ने निरंकारी ग्राउंड का निरीक्षण के दौरान कहा कि यह वही निरंकारी ग्राउंड है, जहां बड़े-बड़े समागम और प्रधानमंत्री की रैलियां होती हैं, लेकिन अब यहां कूड़े के पहाड़ खड़े हो गए हैं। मैं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और मेयर राजा इकबाल सिंह के लिए नारियल और फूल माला लाया हूं, ताकि वे आकर इस कूड़े के पहाड़ का उद्घाटन करें। भाजपा को फीता काटने और नारियल फोड़ने का शौक है, लेकिन न तो दिल्ली सरकार में और न ही एमसीडी में गवर्नेंस करना आता है।

भगवान गणपति के प्रसिद्ध-भव्य मंदिर

विशेषः गणेश चतुर्थी
27 अगस्त

आवरण कथा
रजनी अरोड़ा

भारतीय धार्मिक परंपराओं में भगवान गणेश का स्थान सभी देवताओं में सर्वप्रथम पूज्यनीय माना जाता है। प्रतिवर्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेशोत्सव मनाया जाता है। इस अवसर पर देश के अलग-अलग राज्यों में स्थित भगवान गणेश के मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित होते हैं। इनमें से कुछ भव्य-प्रसिद्ध मंदिरों के बारे में यहां बता रहे हैं।

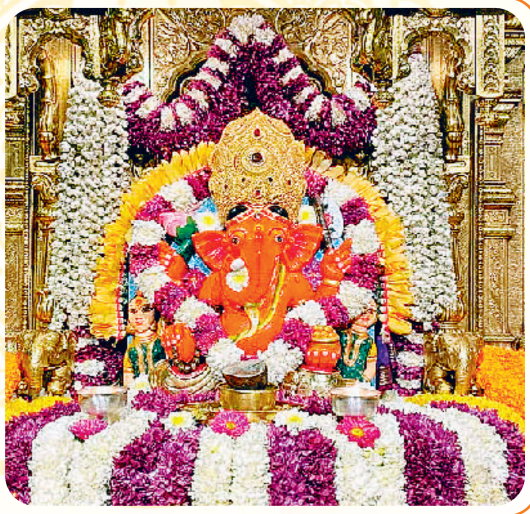

श्री सिद्धिविनायक मंदिर (मुंबई) महाराष्ट्र

यह भारत में गणेश जी के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर का निर्माण 1801 में लक्ष्मण विठु और देउबाई पाटिल ने कराया था। इस मंदिर में गणपति बप्पा की प्रतिमा को काले पत्थर पर तराश कर बनाया गया है और गणपति जी अपनी दोनों पत्नी रिद्धि-सिद्धि के साथ यहां विराजमान हैं। पहले सिद्धिविनायक मंदिर की मूल संरचना काफी छोटी थी, लेकिन बाद में इस मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया। आज यह मंदिर पांच मंजिला बन चुका है। यहां गणेश जी को सिद्धिविनायक कहा जाता है, क्योंकि उनकी मूर्ति की सूंड़ दाईं ओर मुड़ी हुई है और सीधी पेट से जुड़ी हुई है। गणेशजी को नवसाचा गणपति भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है कि अगर आप सच्चे मन से कुछ मांगते हैं, तो वह अवश्य प्राप्त होता है। यहां रोजाना लाखों की संख्या में भक्त गणपति बप्पा के दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर प्रांगण में एक अस्पताल भी है, जहां लोगों का मुफ्त इलाज किया जाता है। इसके अलावा मंदिर में रसोईघर, प्रवचन मंडप और गणेश संग्रहालय भी हैं। *

उच्ची पिल्लैयार मंदिर तमिलनाडु

तिरुचिरापल्ली के रॉकफोर्ट के शिखर पर यह मंदिर स्थित है। पल्लवों द्वारा चट्टान को काटकर निर्मित कराए गए इस मंदिर की शैल वास्तुकला अद्भुत है। इस मंदिर की कहानी रामायण काल से जुड़ी हुई है। रावण को पराजित करने के बाद भगवान राम ने विष्णु जी की एक मूर्ति विभीषण को लंका ले जाने के लिए दी थी। देवी-देवता ऐसा नहीं चाहते थे। इसलिए गणेश जी ने एक ग्वाले का रूप लिया और विभीषण को मूर्ति लंका ले जाने से रोका। विभीषण ने क्रोधित होकर उस ग्वाले के सिर पर वार किया, जिससे उसके सिर पर एक निशान पड़ गया। उसके बाद गणेश जी अपने असली रूप में आए। विभीषण ने उनसे माफी मांगी। आज भी इस मंदिर में स्थापित प्रतिमा के सिर पर एक निशान है। इस मंदिर तक पहुंचने के लिए 417 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। यहां रोजाना भगवान गणेश की 6 आरतियां की जाती हैं। 10 दिन का गणेश चतुर्थी उत्सव यहां बेहद धूमधाम से मनाया जाता है। *

कनिपक्कम विनायक मंदिर आंध्र प्रदेश

चित्तूर में स्थित कनिपक्कम विनायक, गणपति का एक विशेष मंदिर है। यह मंदिर नदी के बीचों-बीच स्थित है। इस मंदिर को 11वीं सदी में चोल राजा कोलोतुंग चोल प्रथम ने बनवाया था। बाद में 14वीं सदी के प्रारंभ में विजयनगर साम्राज्य के शासकों ने इस मंदिर का विस्तार कराया। यह मंदिर अपनी प्राचीन शिल्प कला और खूबसूरत डिजाइन के लिए विख्यात है। यहां गणेश जी की मूर्ति स्वयंभू (स्वतः प्रकट) है। लेकिन पिछले कई सालों से चमत्कार स्वरूप इस मंदिर में भगवान गणेश की मूर्ति के पेट और घुटने का आकार लगातार बढ़ रहा है। यहां ब्रह्मोत्सवम और गणेश चतुर्थी का उत्सव 21 दिनों तक चलता है। इस मंदिर को पानी के देवता का मंदिर भी कहा जाता है। तिरुपति मंदिर से 75 किलोमीटर दूर स्थित इस मंदिर में भक्त प्रथम पूज्य गणेश के दर्शन के लिए जरूर आते हैं। मान्यता है कि यहां पवित्र जल में डुबकी लगाने से सभी समस्याओं का समाधान हो जाता है। *

रणथंभौर त्रिनेत्र गणेश मंदिर राजस्थान

यह मंदिर राजस्थान प्रांत में सवाई माधोपुर जिले में स्थित है, जिसे 10वीं सदी में रणथंभौर के राजा हमीर ने बनवाया था। यह विश्व धरोहर में शामिल रणथंभौर दुर्ग के भीतर बना है। यहां गणेश जी को रणतभंवर रणक भंवर नाम से भी जाना जाता है। पूरी दुनिया में यह ऐसा अनूठा मंदिर है, जहां गणेश जी की मूर्ति का रंग नारंगी है और अपने पिता शिवजी के समान तीन नेत्रों को धारण करके विराजमान हैं। इसकी एक और खासियत है कि यहां भगवान गणेश के पूरे परिवार को स्थापित किया गया है। इसमें गणेश जी अपनी दोनों पत्नियों रिद्धि-सिद्धि और पुत्रों शुभ-लाभ के साथ शोभायमान हैं। पौराणिक मान्यता है कि हजारों साल पहले भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणि के विवाह का निमंत्रण-पत्र इस मंदिर में भेजा गया था। तब से यह मंदिर भगवान को निमंत्रण-पत्र भेजने के लिए मशहूर है। स्थानीय लोगों के घर जब कभी शादी-ब्याह जैसा कोई मंगल कार्य होता है, तो वो सबसे पहले गणेश जी के नाम कार्ड भेजना नहीं भूलते, यानी अपना न्यौता रणथंभौर के गणेश मंदिर में देते हैं। गणेश चतुर्थी के मौके पर यहां हर साल भव्य गणेश मेला भी लगता है। *

बड़े गणेश जी का मंदिर म.प्र.

मध्य प्रदेश के उज्जैन में प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर के पास स्थित बड़े गणेश जी का यह भव्य मंदिर है। इस मंदिर में स्थापित गणपति जी की प्रतिमा विश्वभर में स्थापित विशाल मूर्तियों में से एक है, जिसका निर्माण महर्षि गुरु महाराज सिद्धांत वागेश पं. नारायण जी व्यास ने करवाया था। गणपति बप्पा की इस मूर्ति में सीमेंट के बजाय गुड़ और मेथी दानों के साथ ईंट, चूने और रेत का प्रयोग किया गया है। मूर्ति को बनाने में सभी पवित्र तीर्थ स्थलों का जल और सात मोक्षपुरियों-मथुरा, द्वारिका, अयोध्या, कांची, उज्जैन, काशी और हरिद्वार से लाई हुई मिट्टी भी मिलाई गई है। इस वजह से इस मंदिर की मान्यता और बढ़ गई है। *

बाल गणपति मंदिर गोवा

गोवा के पोंडा में स्थित यह मंदिर भगवान गणेश के बाल स्वरूप को समर्पित है। जहां उनकी पूजा छोटे बच्चे के रूप में की जाती है। मंदिर का वातावरण अत्यंत शांत और भक्तिमय है, जो भक्तों को अलग तरह का आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है। मंदिर की वास्तुकला गोवा की पारंपरिक और आधुनिक शैलियों का सुंदर समायोजन है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक दर्शन के लिए आते हैं। मान्यता है कि यहां दर्शन करने से जीवन में आने वाले संकट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। गणेश चतुर्थी के अवसर पर यहां विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है। *

गणेश चतुर्थी से पूरे देश और विशेषकर महाराष्ट्र में गणेशोत्सव का उल्लास देखते ही बनता है। सामाजिक और सांस्कृतिक एकता के प्रतीक इस उत्सव का ऐतिहासिक महत्व भी कम नहीं है। यहां इसके शुभ मुहूर्त और पूजन के बारे में भी बता रहे हैं।

सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का अद्वितीय प्रतीक है गणेशोत्सव

पर्वोल्लास / आर.सी. शर्मा

गणेश चतुर्थी यानी देशभर में मनाया जाने वाला गणेशोत्सव का पर्व महज धार्मिक पर्व भर नहीं है। यह हमारे देश की सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का एक मजबूत प्रतीक भी है।

प्रतिमा स्थापना-पूजनः गणेश चतुर्थी का पर्व हर साल भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन मनाया जाता है। इस दिन देशभर में बड़ी धूमधाम से गणपति प्रतिमाओं की स्थापना होती है। इस साल 26 अगस्त 2025 की दोपहर 1 बजकर 54 मिनट से प्रारंभ होकर 27 अगस्त 2025 की रात तक गणपति स्थापना का शुभ मुहूर्त है। इस तरह दो दिन से लेकर 10 दिन तक मनाए जाने वाले गणेशोत्सव की शुरुआत 27 अगस्त 2025 से होगी। इस साल 27 अगस्त को गणपति स्थापना के बाद 6 सितंबर 2025 यानी अनंत चतुर्दशी के दिन तक यह पर्व मनाया जाएगा। इसके बाद गणपति विसर्जन होगा।

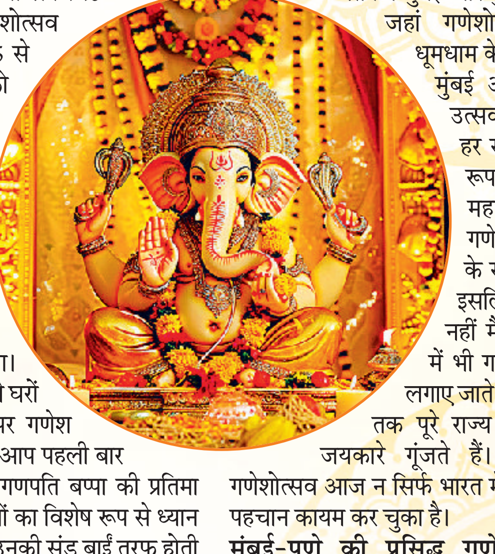

अगर कर रहे प्रतिमा स्थापितः गणेश पुराण के मुताबिक गणेश चतुर्थी को भगवान गणेश का जन्म हुआ था। इसलिए भक्तगण इस दिन अपने घरों या सार्वजनिक पूजा स्थलों पर गणेश प्रतिमा स्थापित करते हैं। अगर आप पहली बार अपने घर में विघ्न विनाशक गणपति बप्पा की प्रतिमा स्थापित कर रहे हैं तो कुछ बातों का विशेष रूप से ध्यान रखें। जिन गणेश प्रतिमाओं में उनकी सूंड़ बाईं तरफ होती है, ऐसी प्रतिमाओं को घर लाना शुभ माना जाता है। अगर इस बार आपका पहला गणपति स्थापना उत्सव है, तो अपने घर बैठी हुई प्रतिमा ही लाएं, जो सुख, समृद्धि का प्रतीक होती है। भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापना हमेशा ईशान कोण में करनी चाहिए।

गणपति प्रतिमा स्थापना काठ की चौकी पर करना सबसे पवित्र होता है। लेकिन इस चौकी में गणपति स्थापना के पहले इसकी गंगा जल से पवित्र कर लेना चाहिए। गंगा जल और पंच द्रव्यों से चौकी की धुलाई करने के बाद उस पर लाल कपड़ा बिछाकर भगवान गणेश को प्रतिस्थापित करना चाहिए। ध्यान रखें, आपकी स्थापित मूर्ति में गणेश जी का हाथ आशीर्वाद देती मुद्रा में होना चाहिए और उनके दूसरे हाथ में मोदक होना चाहिए। भगवान गणेश की ऐसी प्रतिमा को सबसे शुभ माना जाता है।

महाराष्ट्र का भव्य पर्वः यूं तो पूरे देश में गणेश चतुर्थी का पर्व खूब धूम-धाम से मनाया जाता है। लेकिन महाराष्ट्र में इस पर्व को लेकर देश में सबसे ज्यादा उल्लास होता है। हो भी क्यों न, आखिर आधुनिक गणेश उत्सव की शुरुआत सन 1893 में महाराष्ट्र से ही हुई थी। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने 1893 में गणेश चतुर्थी के पर्व को आधुनिक सार्वजनिक उत्सव का रूप दिया और इस तरह अंग्रेजों के विरुद्ध देशवासियों को सामाजिक एकता के जरिए एकत्रित किया। आज का गणेशोत्सव बहुत कुछ उसी दौर की परंपरा का विस्तार है। यहां गणेशोत्सव सामुदायिक भावना, संगीत, नृत्य, कला, अनुराग और मिलन का इंद्रधनुषी पर्व बन चुका है। इसलिए महाराष्ट्र में यह पर्व धार्मिकता से बढ़कर पहचान और सांस्कृतिक विरासत के उत्सव का रूप ले चुका है। हालांकि महाराष्ट्र में भी यूं तो गणेशोत्सव हर गली, हर घर और हर मुहल्ले में किसी न किसी रूप से मनाया जाता है। लेकिन मुंबई और पुणे ये दो ऐसे शहर हैं, जहां गणेशोत्सव सबसे ज्यादा धूमधाम के साथ मनाया जाता है। मुंबई और पुणे में यह पर्व उत्सव की धूम के साथ-साथ हर साल बढ़ती भव्यता के रूप में भी देखा जाता है। महाराष्ट्र राज्य में गणेशोत्सव को राज्योत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसलिए यहां सिर्फ घरों में ही नहीं मैदानों और सोसाइटीज में भी गणपति के भव्य पंडाल लगाए जाते हैं और अगले दस दिनों तक पूरे राज्य में गणपति बप्पा के जयकारे गूंजते हैं। महाराष्ट्र का भव्य गणेशोत्सव आज न सिर्फ भारत में, विदेशों में भी अपनी पहचान कायम कर चुका है।

मुंबई-पुणे की प्रसिद्ध गणेश पूजाः मुंबई में लालबागचा का राजा यानी लाल बाग में स्थापित की जाने वाली गणेश प्रतिमा का उत्सव सबसे ज्यादा धूमधाम से मनाया जाता है। लालबाग के पंडाल में गणेश प्रतिमा स्थापित हो जाने के बाद यहां महाराष्ट्र और देश-विदेश के कोने-कोने से आने वाले भक्तों का तांता लगा रहता है। माना जाता है कि लालबागचा के राजा यानी नौ साझा गणपति का एक बार दर्शन भर कर लेने से मनोकामना पूरी हो जाती है। इसलिए मुंबई के लालबाग इलाके में स्थापित गणेश प्रतिमा के इस पूरे उत्सव के दौरान करोड़ों भक्त दर्शन करते हैं। लालबाग के बाद मुंबई में गिर गांव चौपाटी और केतवाड़ी, सिद्धिविनायक मंदिर में स्थापित होने वाले गणेश पंडाल सबसे ज्यादा भव्य होते हैं, जहां हर दिन गणपति के दर्शन के लिए लाखों भक्त आते हैं।

मुंबई के बाद कुछ विशेष गणेश पंडालों के आकर्षण का यह जलवा पुणे शहर में भी दिखता है। विशेषकर यहां दगडु सेठ हलवाई गणपति टेंपल और तुलसी बाग गणपति का जिक्र होता है। पूरे महाराष्ट्र भर से ही नहीं देश के विभिन्न स्थानों से भी इन पंडालों में गणेश प्रतिमाओं का दर्शन करने लोग आते हैं। *

गजल
अवतार सिंह अक्षरजीवी

जितना लिखा था नसीब में उतना मिल गया
थोड़ा रह गया प्यार थोड़ा मिल गया
जिंदगी के पहाड़ पर चढ़ते-चढ़ते मुझे
कभी सहारा मिला कभी धक्का मिल गया
सुख-दुख का मुझसे हिसाब नहीं होता
कितना नहीं मिला कितना मिल गया
मुझे हर इंसान, इंसान जैसा ही मिला
पहले भरोसा मिला फिर धोखा मिल गया
मैंने खुद को सोचने की छूट ज्यादा क्या दी
मुझे डर और चिंताओं का काफिला मिल गया
कभी ऐसा सोऊं कि फिर जागूं ही नहीं मैं
अंधेरा कट जाए लगे कि सवेरा मिल गया

लघुकथाएं

एक अकेला

सेवानिवृत्त अध्यापक आत्माराम जी हर मौसम में अपने साथ छाता लिए बिना घर से बाहर नहीं निकलते। छाता और आत्माराम मानो एक-दूसरे के पूरक बन चुके हैं। पीठ पीछे कुछ लोग उन्हें छाताराम, छतरीवाला, अंब्रेला मैन कह कर हंसी उड़ाते हैं। आत्माराम जी के घनिष्ठ मित्र चतुरमल ने उन्हें एक बार समझाने की कोशिश की तो वह बोले, 'देखो भाई, लोगों द्वारा पीठ पीछे खिल्ली उड़ाने के कारण मैं अपनी सेहत से समझौता नहीं कर सकता। धूप में बिना छाते के चलने पर त्वचा झुलस जाती है, लू लगने का खतरा रहता है। बारिश के मौसम में भीगकर सर्दी-जुकाम होने का डर रहता है। लोगों की परवाह किए बिना अपनी पसंद की वेशभूषा पहनना, घूमना-फिरना और रहना चाहिए।' आत्माराम की बात के आगे चतुरमल चुप रह गए।

आत्माराम जी को एक विवाह समारोह में शामिल होना था। उन्होंने नए कपड़े पहने। छाता लेकर घर से निकलने लगे तो पत्नी शांति ने उन्हें टोका, 'नए कपड़े के साथ पुराना छाता टाट में पैबंद लग रहा है। अभी तो पानी भी नहीं बरस रहा है। काहे छाता लेकर जा रहे हो?'

'आजकल बारिश का कोई भरोसा नहीं होता है। नवंबर, दिसंबर और मार्च, अप्रैल में भी पानी गिरते देखा है। अभी तो अगस्त का महीना है।' आत्माराम ने पत्नी को जवाब दिया और प्रतिक्रिया जाने बिना घर से निकल गए।

आत्माराम जी को विवाह समारोह में पीठ पीछे यूं छाता लटकाए देखकर कुछ लोग मुस्कुराए। कइयों ने अपनी हंसी को मुश्किल से रोका। आत्माराम सभी से आत्मीयता से मिले। वर-वधु को आशीर्वाद दिया। भोजन किया। इतने में बारिश होने लगी। जो लोग कार में आए थे, वे सब निश्चिंत दिखे। बाकी लोगों के पास बरसात थमने की प्रतीक्षा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। आत्माराम ने अपना छाता खोला और बेफिक्र होकर अपने घर की ओर चल पड़े। वो लोग जो, अभी कुछ देर पहले उन पर हंस रहे थे, उन्हें देखते रह गए। *

-अशोक वाधवाणी

नाक का सवाल!

आज गुप्ता परिवार में विवाह की पचासवीं वर्षगांठ मनाने की तैयारी थी। इस अवसर पर लगभग सभी रिश्तेदारों को बुलाया गया।

'बड़े भैया नहीं आए अभी तक... काफी देर हो चुकी है।' गुप्ता जी ने अपनी पत्नी से कहा।

'आ जाएंगे... थोड़ा और इंतजार कर लीजिए।' पत्नी ने जवाब दिया।

उसी समय बड़े भैया ने समारोह स्थल पर पैर रखे। नशे में चूर, उनके कदम लड़खड़ा रहे थे।

'भैया आपने शराब पी रखी है, आपने तो जीवन में कभी शराब को छुआ तक नहीं... और आज...!' गुप्ता जी ने उन्हें संभालते हुए पूछा।

'अरे तुमने मेरा दिल जलाया है.. दिल... नाक कटवा दी मेरी... जब मैंने अपने विवाह की पचासवीं वर्षगांठ नहीं मनाई तो तुमने क्यों मनाई... मुझे नीचा दिखाने के लिए। लोग क्या कहेंगे कि बड़ा भाई कंजूस.. मक्खीचूस निकला।' बड़े भैया ने लड़खड़ाती आवाज में जवाब दिया।

'अरे भैया न दिल जलाया आपका और न ही नाक कटी आपकी। बल्कि आपकी नाक रख ली मैंने। आज आपकी ही तो शादी की सालगिरह है। वहां देखिए, भाभी जी बन-संवर के आपकी प्रतीक्षा कर रही हैं।' गुप्ता जी ने स्टेज की तरफ इशारा किया। बड़े भैया ने जैसे ही स्टेज पर अपनी पत्नी को देखा, उनका नशा छू-मंतर हो गया। उनके मुंह से निकला, 'भाई हो तो ऐसा...!' *

-गोविंद भारद्वाज

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

दिल्ली मेट्रो की कहानी

दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले लोग ही नहीं, देश-विदेश से यहां आने वाले लोग भी दिल्ली मेट्रो में सफर करने पर इसकी तारीफ किए बिना नहीं रह पाते हैं। वास्तव में पिछले लगभग तेईस वर्षों से दिल्ली मेट्रो, यहां की लाइफलाइन की भूमिका बखूबी निभा रही है। इसकी परिकल्पना, इसकी शुरुआत, इसकी विशेषतओं और फिर निरंतर इसके होते विस्तार की यात्रा-कथा को आंकड़ों, चित्रों और विवरणों के जरिए ऋषिराज ने बहुत सलीके से 'दिल्ली की जीवनरेखाः दिल्ली मेट्रो' पुस्तक में संजोया है। मेट्रो मैन के नाम से विख्यात दिल्ली मेट्रो के कर्णधार ई. श्रीधरन की उपलब्धियों और उनकी कार्यकुशलता के बारे में भी पुस्तक में एक अध्याय है। इसके अलावा लंदन मेट्रो, पेरिस मेट्रो, टोरंटो मेट्रो और न्यूयॉर्क मेट्रो जैसी विदेशी मेट्रो सेवाओं से दिल्ली मेट्रो का तुलनात्मक विवरण भी दिलचस्प है। इस किताब में दिल्ली मेट्रो के आय के स्रोत, इसकी पर्यावरणीय संवेदनशीलता और इसके बारे में अति विशिष्ट लोगों के अनुभवों को भी अलग-अलग अध्यायों में संकलित किया गया है। डीएमआरसी में एजीएम (ऑपरेशंस) के पद पर कार्यरत लेखक ने अपने कार्यक्षेत्र से जुड़ी कुछ मधुर स्मृतियों को भी रोचक शैली में पुस्तक में दर्ज किया है। *

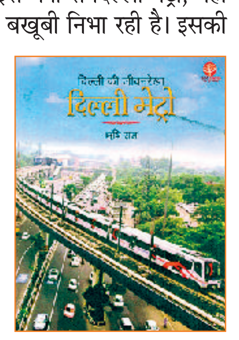

पुस्तकः दिल्ली की जीवनरेखाः दिल्ली मेट्रो,
लेखकः ऋषि राज, **मूल्यः** 460 रुपए,
प्रकाशकः नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत

खबर संक्षेप

बेटे के प्रोटोकॉल पर मंत्री स्वतंत्र देव ने दी सफाई

अयोध्या। अभा कुर्मी क्षत्रिय महासम्मेलन में शामिल होने प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह शनिवार को अयोध्या पहुंचे। मीडिया से चर्चा में उन्होंने बेटे अभिषेक सिंह को निजी सचिव की ओर से प्रोटोकॉल दिए जाने पर सफाई पेश की। कहा कि इस बारे में ज्यादा चर्चा नहीं होनी चाहिए थी। भाजपा वंशवाद, जातिवाद और परिवारवाद से ऊपर उठकर पार्टी है। आठ वर्षों में कभी ऐसी हरकत नहीं हुई।

अजरबैजान से रांची लाया गया खूंखार गैंगस्टर

रांची। अजरबैजान के बाकू में कैद खूंखार मयंक सिंह को भारतीय आतंकवाद निरोधी दस्ता को सौंप दिया है। प्रत्यर्पण की पूरी प्रक्रिया रात्रि के समय एयरपोर्ट पर संपन्न हुई है। इसके बाद शनिवार की सुबह करीब नौ बजे एटीएस की टीम मयंक सिंह को लेकर रांची पहुंची। उसे कड़ी सुरक्षा में एटीएस मुख्यालय और फिर पूछताछ के बाद बिरसा मुंडा केंद्रीय जेल में रखा जाएगा।

चलती बाइक पर रोमांस पुलिस ने काटा चालान

गोरखपुर। यहां रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के नौका विहार रोड का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें युवक बाइक की टंकी पर लड़की को बैठाकर गाड़ी चला रहा है। युवती उससे लिपटी नजर आ रही है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने बाइक का 2500 रुपए का चालान काटा है। यूपी पुलिस के एक्स हैंडल को टैग कर यह वीडियो शेयर किया गया था।

प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण के लिए प्रदेश में यूनिटें लगाई जाएंगी

अब यूपी में निर्मित इलेक्ट्रिक वाहनों पर ही मिलेगी सब्सिडी, ईवी पर 20 लाख रु. तक मिलता है लाभ

अब यूपी में निर्मित इलेक्ट्रिक वाहनों पर ही सब्सिडी मिलेगी। इसके लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। अंतिम निर्णय का इंतजार है। बताते चलें कि ईवी पर 20 लाख तक की सब्सिडी मिलती है।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में अक्तूबर महीने से अब यूपी में बनने वाले इलेक्ट्रिक वाहनों पर ही सब्सिडी मिलेगी। ऐसी तैयारियां की जा रही हैं। इस बाबत प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा गया है। इस पर अभी अंतिम निर्णय होना है। ऐसा होने पर इलेक्ट्रिकवाहनों के निर्माण के लिए प्रदेश में यूनिटें लगाई जाएंगी। इससे रोजगार भी सृजित होगा। जबकि, अभी तक देश में कहीं भी निर्मित ईवी को यूपी में खरीदने पर सब्सिडी दी जा रही है।

अक्टूबर से नियम लागू होने की उम्मीद

वर्ष 2022 में उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों की पॉलिसी लागू की गई। इसके तहत ईवी पर सब्सिडी देकर वाहनों की बिक्री को बढ़ावा दिया गया। राजधानी लखनऊ सहित प्रदेशभर में बड़ी संख्या में वाहनों की खरीदारी हुई और ग्राहकों ने सब्सिडी का लाभ उठाया।

करीब 60 करोड़ रुपए सब्सिडी के तहत दिए जा चुके हैं। इसी क्रम में अब पॉलिसी में बदलाव किया जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि 14 अक्तूबर से यह नया नियम लागू हो सकता है। चूंकि वर्ष 2022 में उपरोक्त तारीख से ही पॉलिसी लागू की गई थी, जिसके तीन वर्ष पूरे हो रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश में बनने वाले ईवी पर सब्सिडी देने से रोजगार सृजित होंगे। बड़ी-बड़ी कंपनियों को बिक्री बढ़ाने के लिए यूपी में यूनिटें लगानी होंगी। इससे रोजगार के साथ राजस्व की भी वृद्धि होगी। इससे प्रदेश की आर्थिक उन्नति होगी।

टैक्स व पंजीकरण में पूरी छूट

अधिकारियों ने बताया कि 14 अक्तूबर, 2022 को ईवी पॉलिसी प्रदेश में लागू की गई थी। इसके तहत तीन साल तक ईवी खरीद पर शतप्रतिशत टैक्स व पंजीकरण में छूट दी जा रही है। इतना ही नहीं जिन्होंने टैक्स व पंजीकरण शुल्क भर दिया है, उन्हें रिफंड भी किया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बोले-

सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करने न्यायिक व्यवस्था सुगम व त्वरित होना आवश्यक

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में वर्ष में 2024 में जनपद ट्रायल कोर्ट में 72 लाख मामलों का निस्तारण हुआ इसके बाद भी एक करोड़ 15 लाख से ज्यादा मामले लंबित पड़े है। अब ज्यादा से ज्यादा मामले निस्तारित हो रहे हैं और इसका परिणाम आज प्रदेश में दिख रहा है।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के कांफ्रेंस हाल में उत्तर प्रदेश के न्यायिक सेवा संघ के 42वें सम्मेलन का शुभारंभ किया। उन्होंने इलाहाबाद हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली के साथ अन्य वरिष्ठ न्यायमूर्ति संग दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सभी का स्वागत न्यायिक सेवा संघ के अध्यक्ष डीके सिंह ने किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी राज्य के परसेप्शन के लिए न्याय पालिका की बड़ी भूमिका होती है। न्याय को सुगम व त्वरित बनाने में सरकार की भी बड़ी भूमिका होती है। 'विकसित भारत की शुरुआत अपनी इकाई से करनी होगी। न्याय सुगम के साथ त्वरित होना चाहिए। विकसित भारत के लिए विकसित यूपी जरूरी है। न्याय सुगम व न्याय त्वरित बनाना पड़ेगा और इस विषय में बहुत प्रयास हुए है।

खास बातें

- लखनऊ में उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ का 42वां सम्मेलन
- पीएम नरेन्द्र मोदी ने न्याय पालिका को विकसित भारत से जोड़ा

न्याय है इसका दिव्य दर्शन कराता है यह अधिवेशन

उन्होंने कहा कि आजादी के शताब्दी के अवसर पर पीएम नरेन्द्र मोदी ने न्याय पालिका को विकसित भारत से जोड़ा था। सुदृढ़ न्यायिक व्यवस्था से यह समग्रता सबकी खुशहाली का कारण बनेगी। वर्ष भर में संविधान के प्रति वचन बद्धता के आयोजन हो रहे है, यहां की जो थीम है न्याय है यह अधिवेशन हमें महाकुंभ का दिव्य दर्शन कराता है। प्रयागराज में देश का सबसे बड़ा हाई कोर्ट है।

नए कानून लागू होने में आती है कठिनाई

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक जुलाई 2024 को तीन नए कानून लागू हुए हैं। नए कानून लागू होने से थोड़ी कठिनाई होगी, लेकिन न्यायिक अधिकारियों ने इसको लागू किया। मुख्यमंत्री ने नए आपराधिक कानूनों, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के लागू होने का उल्लेख किया, जो प्रभावी हुए।

प्रयागराज में न्यायधीशों के आवास के निर्माण की स्वीकृति

उन्होंने कहा कि वर्ष 2024-25 में हमने प्रयागराज में न्यायधीशों के आवास के निर्माण के लिए स्वीकृति दी है। लखनऊ में आवास के लिए 117 करोड़ रु की वित्तीय स्वीकृति दिला चुके है। प्रयागराज के भवन के रखरखाव के लिए 44 करोड़ 91 लाख रु राज्य सरकार जारी कर चुकी है। हमारी सरकार ने न्यायालय के अधोसंरचना के बारे में नई व्यवस्था आगे बढ़ाई है। केंद्र सरकार आवासीय व कोर्ट रूम के लिए 2024-25 में 148 करोड़ व 2025-26 में 239 करोड़ जारी कर चुकी है। हमारी सरकार ने यूपी में न्यायिक अधिकारियों के वेतन भत्तों के लिए 1092 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है।

सीएम नीतीश कुमार का दावा

पटना में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम साइंस सिटी होगा विश्व स्तरीय

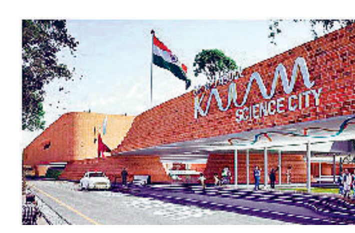

एजेंसी ▶▶ पटना

सीएम नीतीश कुमार ने शनिवार को राजधानी के राजेंद्रनगर में बन रहे डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम साइंस सिटी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह साइंस सिटी विश्व के बेहतरीन केंद्रों में एक होगा। मुख्यमंत्री ने साइंस सिटी के निर्माण कार्य के प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को तेजी से कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। कहा कि साईंस सिटी के निर्माण को लेकर विशेषज्ञों की राय ली गई है। निर्माण कार्य पूरा होने के पश्चात यहां आनेवाले विद्यार्थियों को विज्ञान के सिद्धांतों को सरलता से समझने में सुविधा होगी।

साईंस सिटी के भवनों का निर्माण कार्य लगभग पूरा

निरीक्षण के दौरान भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने मुख्यमंत्री को साईंस सिटी के निर्माण कार्य के संबंध में जानकारी दी। यह बताया कि साईंस सिटी के भवनों का निर्माण कार्य लगभग पूरा किया जा चुका है। साईंस सिटी, में पांच बड़े-बड़े हाल बनाए गए हैं, जिसमें विज्ञान से संबंधित प्रदर्शों को पांच गैलरी के माध्यम से दर्शाया जा रहा।

75 करोड़ रु. की लागत से प्रथम चरण

बीए साईंटिस्ट गैलरी, सस्टेनेबल प्लैनेट गैलरी, बेसिक साईंस गैलरी, बाडी एंड माइंड गैलरी, एस्ट्रोनामी एंड स्पेस गैलरी बनाया गया है। देश की एक अनुभवी संस्था नेशनल काउन्सिल आफ साईंस म्यूजियम के माध्यम से क्रिएटिव म्यूजियम डिजाइनर्स द्वारा 75 करोड रुपए की लागत से प्रथम चरण में बी ए साईंटिस्ट गैलरी में 12 तथा बेसिक साईस गैलरी में 35 विज्ञान प्रदर्शों का अधिष्ठापन कार्य अंतिम चरण में है।

पेज एक का शेष

ट्रंप के टैरिफ पर....

प्रयास किए जा रहे हैं।

100 डॉलर के उपहार, पत्र भेजे जाएंगे: इन सबके बीच दस्तावेज, पत्र और करीब 100 डॉलर तक की उपहार वस्तुओं पर अमेरिका द्वारा दी जा रही पुरानी छूट फिलहाल बरकरार रहेगी। लेकिन इन्हें सीबीपी और यूएसपीएस से आगे स्पष्टीकरण मिलने के बाद अमेरिका में स्वीकार और भेजा जाना जारी रहेगा। वहीं, अमेरिका जाने वाली सभी वैश्विक डाक वस्तुएं, चाहे उनका मूल्य कुछ भी हो देश-विशिष्ट अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम (आईईईपीए) के तहत टैरिफ ढांचे के अनुसार सीमा शुल्क के अधीन होंगी। मामले को लेकर अमेरिका के सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा (सीबीपी) ने बीते 15 अगस्त को इस संबंध में कुछ दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं। जिनमें ट्रांसपोर्ट कैरियर और मान्यता प्राप्त पार्टियों को अंतरराष्ट्रीय डाक शिपमेंट पर ड्यूटी जमा करनी पड़ेगी। हालांकि योग्य पक्षों के पदनाम, शुल्क वसूली और प्रेषण तंत्र से जुड़ी हुई महत्वपूर्ण प्रक्रियाएं अभी भी तय नहीं की गई हैं। जिसकी वजह से अमेरिका जाने वाले हवाई वाहकों ने परिचालन और तकनीकी तैयारी की कमी का हवाला देते हुए 25 अगस्त के बाद डाक खेप स्वीकार करने में अपनी असमर्थता व्यक्त की है।

56 हजार 414....

समिट में शामिल होने वाले विषय-विशेषज्ञों और निवेशकों के साथ ऊर्जा एवं हाइड्रोकार्बन, प्रौद्योगिकीय प्रगति, महत्वपूर्ण खनिज (क्रिटिकल मिनरल्स) और चूना पत्थर एवं सीमेंट पर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि कटनी में आयोजित हुई माइनिंग कॉन्क्लेव में 56 हजार 414 करोड़ के निवेश के लिए उद्योगपतियों ने एमओयू साइन किए हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही कटनी को मेडिकल कॉलेज की सौगात मिलने जा रही है। डॉ. यादव ने कॉन्क्लेव में शामिल हुए देशभर के उद्योगपतियों का अभिनंदन किया।

इनके बीच हुए एमओयू: कॉन्क्लेव में राज्य शासन ने क्रिटिकल मिनरल की खोज, प्रसंस्करण और संवर्धन के लिए कोल इंडिया लिमिटेड के साथ एमओयू किया। डॉ. चंद्र शेखर सिंह एचओडी क्रिटिकल मिलरल्स, बिरांची दास डायरेक्टर एचआरएसएसईएल, फ्रैंक नोबेल ए डायरेक्टर एंड जीडीएम एमपी स्टेट माइनिंग कॉरपोरेशन और प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव ने एमओयू का आदान-प्रदान किया। यह समझौता दुनिया की सबसे बड़ी खनन कंपनी और राज्य खनन अन्वेषण एजेंसियों के माध्यम से मध्यप्रदेश को क्रिटिकल मिनरल्स के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां देगा। खनन क्षेत्र में आर्टिफियल इंटेलीजेन्स, आईओटी, ब्लॉक चेन, रिमोट सेंसिंग के उपयोग के मद्देनजर धनबाद की टेक्समिन आईएसएम के साथ और खनिज अन्वेषण अनुसंधान के लिए भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल के साथ भी एमओयू साइन हुआ।

यहां उद्योगपतियों को ....

अगस्त को उज्जैन में इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव कर रहे हैं। पर्यटन के क्षेत्र में भी सरकार आगे बढ़ रही है।

देश में केवल....

174 किलोमीटर लंबी 9 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। मंत्री गडकरी ने कहा कि मध्यप्रदेश कृषि प्रधान राज्य है। देश में 2000 अमृत सरोवर बने हैं, जिनमें से 109 मध्य प्रदेश के हैं। इनसे निकली मिट्टी सड़कों के निर्माण में उपयोग की गई और मिट्टी निकालने से बनीं संरचनाओं को जल संचय कर आसपास के क्षेत्रों का भूजल स्तर बढ़ाने के लिए तालाब के रूप में उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जबलपुर में निर्मित रानी दुर्गावती फ्लाई ओवर के लिए देश में पहली बार 1200 करोड़ रुपए का सीआरएफ (सेंट्रल रोड फंड) मंजूर किया गया है।

साढ़े 4 घंटे में ....

निर्माण किया गया है। जल्द ही इसका उद्घाटन किया जाएगा। उज्जैन-गरोठ 4 लेन ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे, भोपाल से कानपुर 440 किलोमीटर लंबा 4 लेन इकोनॉमिक कॉरिडोर बनने पर 15 घंटे की यात्रा 8 घंटे में पूरी होगी। आगरा-ग्वालियर एक्सप्रेस-वे का भूमिपूजन भी जल्द होगा। साढ़े 4 घंटे में ग्वालियर से दिल्ली पहुंचेंगे। दिल्ली से मुंबई के बीच बनाए जा रहे एक्सप्रेस वे में मध्यप्रदेश में 245 किलोमीटर का हिस्सा बनकर पूरा हो गया है। मुंबई में भी कार्य अंतिम चरण में है।

'व्यापार समझौते' पर...

जिसका अभी तक फिलहाल कोई नतीजा नहीं निकला है। दोनों बड़े देश हैं, जिसमें संवाद पर रोक नहीं रहती है। वहीं, किसी ने भी ये नहीं कहा कि बातचीत बंद है। ऐसा भी नहीं है कि वहां कोई कट्टी है। लेकिन मामले में हमारी एक लक्ष्मण रेखा है, जिससे जुड़े मुद्दों पर सरकार किसी तरह का कोई समझौता करने के लिए तैयार नहीं है। जयशंकर का ये बयान रूस से कच्चे तेल की खरीद पर नाराज अमेरिका द्वारा भारत पर जुर्माने के तौर पर लगाए गए 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ के 27 अगस्त को लागू होने की डेडलाइन से करीब चार दिन पहले दिया गया है। उधर, अमेरिकी व्यापार वार्ताकारों की 25 से 29 अगस्त की नई दिल्ली यात्रा रोक दी गई है।

अमेरिका से चीन संबंधों की तुलना गलत: भारत-चीन संबंधों पर जयशंकर ने कहा कि इनका अमेरिका से कोई सरोकार नहीं है। मुझे लगता है कि हर चीज को एक साथ जोड़कर देखना गलत है। मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में यह समझना जरूरी है कि एक विकास है, उस रिश्ते का एक प्रवाह है। उन्होंने कहा कि हर समस्या के लिए अलग-अलग सीमाएं होती हैं।

तो न खरीदें...

के विवादित तर्क का जिक्र करते हुए कहा कि रूस से यूरोप का कुल व्यापार भारत की तुलना में कई गुना अधिक है। ऐसे में जब लोग कहते हैं कि भारत, रूस से तेल खरीदकर उसे यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देने के लिए ईंधन यानी धन मुहैया करा रहा है। तो यूरोप के खजाने के पैसे से क्या हो रहा है? अगर आप ऊर्जा की बात करते हैं। तब भी वो हमसे आगे हैं। भारत का रूस को निर्यात बढ़ा है। किन ये उतना भी नहीं है जितना बताया जा रहा है। जयशंकर ने ये भी साफ किया कि भारत को अपने राष्ट्रीय हित में निर्णय लेने का पूरा अधिकार है और उसे ही सामरिक स्वायत्तता कहते हैं।

3 और 4 सितंबर...

तहत मौजूदा 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत स्लैब को समाप्त कर दिया जाएगा। इसका उद्देश्य एक सरल और अधिक पारदर्शी जीएसटी व्यवस्था की ओर बढ़ना है। देश में वर्तमान में चार स्लैब 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत वाला जीएसटी सिस्टम लागू है।

तृणमूल कांग्रेस का...

हैं। गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में तीन विवादास्पद विधेयक - संविधान (एक सौ तीसवाँ संशोधन) विधेयक, 2025, केंद्र शासित प्रदेशों की सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025 और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 - पेश किए थे। हालांकि, इन तीनों विधेयकों के पेश होने पर सदन में भारी हंगामा हुआ और विपक्ष ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इन विधेयकों के ज़रिए गैर-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्य सरकारों को अस्थिर करना चाहती है। कुछ विपक्षी सदस्यों ने विधेयकों की प्रतियां फाड़कर शाह की ओर फेंक दीं, जिन्होंने बाद में कहा कि विधेयकों को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा जाएगा। शाह द्वारा संसद में इन विधेयकों को पेश किए जाने के बाद, ममता बनर्जी ने कहा कि ये विधेयक देश में लोकतांत्रिक युग को 'खत्म' कर देंगे और न्यायपालिका की स्वतंत्रता को भी 'खत्म' कर देंगे। उन्होंने कहा कि ये विधेयक प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री को सशक्त करेंगे और इसे सुपर-आपातकाल से भी बड़ा कदम बताया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा कि मैं भारत सरकार द्वारा आज पेश किए जाने वाले 130वें संविधान संशोधन विधेयक की निंदा करती हूँ। मैं इसे सुपर-आपातकाल से भी बढ़कर, भारत के लोकतांत्रिक युग को हमेशा के लिए समाप्त करने की दिशा में एक कदम बताकर इसकी निंदा करती हूँ। यह कठोर कदम भारत में लोकतंत्र और संघवाद के लिए मौत की घंटी है।

हरियाणा के सभी ...

को लेकर सभी जिलों के अतिरिक्त उपायुक्त, नगर निगम आयुक्त, जिला नगर आयुक्त, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) व प्रधान चिकित्सा अधिकारी (पीएमओ) सहित राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में सभी जिलों के उपायुक्तों ने वीडियो कांफ्रैसिंग के माध्यम से भाग लिया। इस अवसर पर शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल, लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव भी उपस्थित थे।

वातावरण को स्वच्छ रखना सामूहिक जिम्मेदारी: उन्होंने कहा कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ रखें और समाज को नई दिशा दें। लोगों की स्वच्छता को लेकर छोटी से छोटी शिकायत का तुरंत किया जाए समाधान उन्होंने कहा कि अगामी 17 सितम्बर से 2 अक्तूबर तक प्रदेश भर में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जाएगा जिसमें लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए जागरूकता के अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने नगर निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोगों की स्वच्छता को लेकर छोटी से छोटी शिकायत का तुरंत समाधान किया जाए ताकि लोगों का विश्वास सरकार में और अधिक बढ़े।

स्वच्छता कार्यों में सामाजिक संगठनों को शामिल करें: उन्होंने कहा कि स्वच्छता कार्यो में आरडब्ल्यूए तथा अन्य सामाजिक संगठनों को भी शामिल किया जाए। सीएसआर के तहत चौराहों का सौंदर्यकरण व रख रखाव करें ताकि शहरों की सुंदरता को और बढ़ाया जा सके। प्रदेश की सड़कों पर बेसहारा पशु न आए नजर मुख्यमंत्री ने शहरों में बेसहारा पशुओं की समस्या का संज्ञान लेते हुए निर्देश दिए कि सड़कों पर एक भी बेसहारा पशु नहीं रहना चाहिए, यदि एक भी गौवंश सड़कों पर नजर आए तो उसे तुरंत गौशालाओं में भिजवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को धैर्यपूर्वक सुने और उसको बेहतरीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई जाए। सरकार का उद्देश्य है कि सभी नागरिक अस्पतालों में निजी अस्पतालों की तर्ज पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों ताकि लोगों को ईलाज के लिए निजी अस्पतालों में जाने की आवश्यकता न पड़े। इसके लिए सभी जिला अस्पतालों को सीटी स्कैन, एमआरआई, डिजीटल एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड और टैस्टिंग लैब इत्यादि अत्याधुनिक सुविधाओं से सुज्जित किया जा रहा है।

भारत यात्रा के बीच ....

को यह जानकारी देते हुए बताया कि तमाल भारत में अपने घरेलू बंदरगाह तक पहुंचने के रास्ते में एशिया के मित्र देशों के बंदरगाह का दौरा करेगा। जिससे खासतौर पर समुद्री कूटनीति को बढ़ावा मिलेगा और तमाम देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय नौसैन्य संबंध भी मजबूत होंगे।

पीलीभीत में भीषण हादसा

कार की टक्कर से टेंपो के उड़े परखच्चे, 5 की मौत, 7 घायल

एजेंसी ▶▶ पीलीभीत

जहानाबाद क्षेत्र में शनिवार दोपहर भीषण सड़क हादसा हुआ। कार और टेंपो की आमने-सामने की टक्कर में दो मासूम समेत पांच लोगों की मौत हो गई। मारने वालों में मां-बेटे और नानी-नातिन भी शामिल हैं। जबकि सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को जहानाबाद सीएचसी ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। डीएम ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना।

हादसा हरिद्वार हाईवे पर हुआ। पीलीभीत की ओर से जा रहा टेंपो अमरिया की ओर से आ रही कार से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि टेंपो क्षतिग्रस्त होकर पलट गया। कार चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। कार का एयरबैग खुल गया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया। जहानाबाद सीएचसी में चिकित्सकों ने मासूम समेत पांच लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल हुए सात लोगों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही डीएम ज्ञानेंद्र सिंह जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जानने के साथ ही चिकित्सकों को बेहतर इलाज के निर्देश दिए।

कटिहार में किसानों की जानी आपबीती

कीचड़ भरे तालाब में राहुल गांधी उतरे, निकाला मखाना

एजेंसी ▶▶ कटिहार

बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकाल रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी शनिवार को कटिहार में मखाना किसानों से मिले और उनकी समस्याएं जानी। इस दौरान वो किसानों के साथ मखाने के तालाब में भी उतरे, और मखाना निकाला। तालाब से लेकर मखाना तैयार होने के पूरे प्रोसेस को समझा। इस दौरान राहुल से किसानों ने अपनी समस्याएं भी साझा की। कई किसानों से उन्होने बातचीत की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर ट्वीट करते हुए किसानों का दुख-दर्द शेयर किया।

उन्होने लिखा कि बिहार दुनिया का 90% मखाना उगाता है, मगर दिन-रात धूप-पानी में मेहनत करने वाले किसान-मज़दूर मुनाफे का 1% भी नहीं कमाते हैं। आज, इन किसानों से उनके खेतों में मिलकर उनकी आपबीती जानी। बड़े शहरों में 1000-2000 रुपए किलो बिकता है, मगर इन मेहनतकशों, पूरे उद्योग की नींव को, नाम मात्र का दाम मिलता है। कौन हैं ये किसान-मज़दूर? अतिपिछड़े, दलित - बहुजन। पूरी मेहनत इन 99% बहुजनों की और फ़ायदा सिर्फ़ 1% है। वोट चोर सरकार को न इनकी कदर है, न फिकर - न आय दिया, और न ही न्याय। वोट का अधिकार और हुनर का हक़ एक सिक्के के दो पहलू हैं - और इन दोनों को ही हम खोने नहीं देंगे।

वोटर अधिकार यात्रा कटिहार से पूर्णिया पहुंचेगी। 17 अगस्त से शुरू हुई यात्रा में तेजस्वी यादव समेत महागठबंधन के सभी दलों के वरिष्ठ नेता शामिल हैं। तीसर चरण में प्रियंका गांधी भी साथ जुड़ेंगी।

भाजपा नेता ने बिजली दफ्तर में घुसकर अधीक्षण अभियंता को जूते से पीटा, वीडियो वायरल, मुकदमा दर्ज

एजेंसी ▶▶ बलिया

जिले में शनिवार को बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां बिजली विभाग के दफ्तर में घुसकर एक भाजपा नेता ने अधीक्षण अभियंता (एसई) लाल जी सिंह की जूते से पिटाई कर दी। अचानक हुए हमले से अधीक्षण अभियंता सकते में रह गए। दफ्तर में अफरातफरी मच गई। भाजपा नेता के साथ आए लोगों और बिजली विभाग के कर्मचारियों ने किसी तरह बीच-बचाव किया। अधीक्षण अभियंता की तहरीर पर पुलिस ने भाजपा नेता मुन्ना बहादुर सिंह के खिलाफ नामजद और अन्य के खिलाफ अज्ञात में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मुन्ना बहादुर सिंह भाजपा के मंडल महामंत्री रहे हैं। वह पार्टी के समर्थन से जिला पंचायत सदस्य का चुनाव भी लड़ चुके हैं। पूरी घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

बिजली की समस्या को लेकर बातचीत के दौरान धक्का-मुक्की

घटना शहर के सिविल लाइन में स्थित कार्यालय में हुई। अधीक्षण अभियंता लाल सिंह अपने कार्यालय में बैठे थे। इसी बीच कुछ लोग पहुंचे और बिजली की समस्या को लेकर बातचीत होने लगी। तेज आवाज में बातचीत के दौरान ही अधीक्षण अभियंता से धक्का-मुक्की शुरू हो गई। इसी बीच, भाजपा नेता ने अपना सफेद रंग का जूता उतारा और अधीक्षण अभियंता के सिर पर मारना शुरू कर दिया। इससे कार्यालय में अफरातफरी मच गयी। मौजूद कर्मचारियों ने बीच-बचाव किया। भाजपा नेता के साथ आए लोगों ने भी उनको मुन्ना भैया, मुन्ना भैया कहकर रोकने की कोशिश की और किसी तरह अधीक्षण अभियंता को उनके गुस्से से बचाया।

अधीक्षण अभियंता ने एक नामजद और 20-25 अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी

मामले की जानकारी तत्काल जिले के अधिकारियों को दी गई। अधीक्षण अभियंता की इस तरह कार्यालय में घुसकर जूता से पिटाई की सूचना मिलते ही खलबली मच गई। नगर कोतवाली पहुंचे अधीक्षण अभियंता ने एक नामजद और 20-25 अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को पुलिस ने भी संज्ञान में लिया है। अधीक्षण अभियंता के अनुसार वह अपने कार्यालय में बैठे थे। तभी 20-25 लोग पहुंचे। इनमें से सागरपाली निवासी मुन्ना बहादुर सिंह ने बिना कोई समस्या बताए गाली-गलौज करते हुए जूते से हमला कर दिया। सरकारी कागजातों को नुकसान पहुंचाया और वहां रखे कई सामान तोड़ दिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के विदेश मंत्री वांग यी की कूटनीतिक मुलाकात को अमेरिका सहित दुनिया के अनेक मुल्कों द्वारा बड़ी हैरतअंगेज दृष्टि से देखा जा रहा है। सबसे बड़ी हैरत की बात है कि चीन के विदेशमंत्री वांग यी द्वारा पहले भारत का कूटनीतिक दौरा किया गया। उसके तत्पश्चात ही वह पाकिस्तान के दौरे पर गए। पाकिस्तान के ऊपर भारत को प्राथमिकता प्रदान करने वाला यह चीन का कूटनीतिक दृष्टिकोण एकदम अनोखा और नया है। यक्ष प्रश्न है कि अमेरिका के साथ अपने कूटनीतिक और रणनीतिक तनाव के नाजुक दौर में भारत द्वारा क्या चीन पर तहेदिल से यकीन किया जा सकता है? आजादी के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के दौर में हिन्दी-चीनी भाई-भाई का नारा बहुत जोर शोर से बुलंद किया गया, किंतु वर्ष 1962 में भारत पर चीन द्वारा आक्रमण अंजाम देने के तत्पश्चात सरहद पर तल्ख विवाद के कारणवश दोनों देशों के मध्य कूटनीति रिश्ते कभी सामान्य और दोस्ताना नहीं हो पाए। अब ट्रंप के एकतरफ टैरिफ के बाद भारत और चन अपनी ट्रेडकूटनीति को आगे बढ़ा रहे हैं। दोनों देश मिलकर जहां ग्लोबल साउथ को मजबूत कर सकते हैं, वहीं एशिया का नेतृत्व भी कर सकते हैं। भारत, चीन व जापान में नई वैश्विक व्यवस्था गढ़ने का दम है। आजकल के ताजा अंक में पेश है भारत व चीन संबंध पर एक विश्लेषण...

सहयोग का इतिहास रचेंगे हिंदी-चीनी?

ट्रेडकूटनीति
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा थोपी गई आक्रामक टैरिफ के कारण क्या भारत और चीन रणनीतिक और कूटनीतिक तौर पर निकट आ रहे हैं? राष्ट्रपति ट्रंप की खुशफहमी है कि भारत इतना अधिक शक्तिशाली नहीं है कि निर्णायक और प्रभावी तौर पर अमेरिका पर चीन की तर्ज ओ तरीके से पलटवार कर सकेगा। 19 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब चीन के विदेशमंत्री से मुलाकात अंजाम दी तो फिर दुनिया भर के जाने-माने डिप्लोमेट्स का नजरिया भारत के प्रति परिवर्तित होने लगा है। समस्त ऐतिहासिक शत्रुताओं के बावजूद भारत-चीन मित्रता विश्वपटल पर नया भविष्य रच सकती है, बशर्ते चीन द्वारा अपनी विस्तारवादी फितरत का परित्याग कर दिया जाए।

जटिल प्रश्न है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा थोपी गई आक्रामक टैरिफ के कारण क्या भारत और चीन रणनीतिक और कूटनीतिक तौर पर निकट आ रहे हैं? अमेरिका के विदेश मंत्री स्कॉट बेसेंट ने फरमाया कि 27 अगस्त से भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ बाकायदा आयद कर दिया जाएगा। अमेरिका के नीति नियंता भारत को निरंतर धमकियां दे रहे हैं कि रूस से तेल का आयात जारी रखा गया तो फिर भारतीय निर्यात पर टैरिफ दरों को सौ प्रतिशत तक कर दिया जाएगा। यूरोप के कुछ कूटनीतिक विशेषज्ञों का मंतव्य है कि भारत की बहुरेखीय डिप्लोमेटिक रणनीति जबरदस्त तौर पर नाकाम सिद्ध हुई है। बाद में उनकी राय बदली है।

इस कूटनीतिक रणनीति के तहत भारत के लिए सभी देशों का दोस्त बन जाना और सभी के लिए अपरिहार्य बन जाने का उसका मकसद रहा है। लेकिन प्रायः सभी के लिए भारत कहीं अब गैरजरूरी तो नहीं बनता जा रहा है? यहां तक कि ऑपरेशन सिंदूर के काल में अमेरिका और रूस दोनों ने पाकिस्तान और भारत को एक ही तराजू में तोल दिया। चीन से दुश्मनी अंजाम दिए बिना राष्ट्रपति ट्रंप सिर्फ भारत पर ही टैरिफ आक्रमण अंजाम देकर धमकाते और धकियाते रहते हैं, क्योंकि संभावतया राष्ट्रपति ट्रंप इस गलतफहमी के शिकार रहे हैं कि अमेरिका विरुद्ध भारत की खामोशी और ट्रेड समझौता करने की चाहत उसकी कमजोरी है। राष्ट्रपति ट्रंप की खुशफहमी है कि भारत इतना अधिक शक्तिशाली नहीं है कि निर्णायक और प्रभावी तौर पर अमेरिका पर चीन की तर्ज ओ तरीके से पलटवार कर सकेगा। 19 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब चीन के विदेशमंत्री से मुलाकात अंजाम दी तो फिर दुनिया भर के जाने-माने डिप्लोमेट्स का नजरिया भारत के प्रति परिवर्तित होने लगा है।

भारत की वैश्विक कूटनीति

कुछ जाने-माने विशेषज्ञ तो यहां तक कहने लगे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अंदर ऐसी विरल रणनीतिक और कूटनीतिक हिम्मत विद्यमान है, जोकि यूरोपीय यूनियन के लीडरों के पास कदाचित मौजूद नहीं रही। तसव्वुर कीजिए, यदि ऐसा ही रणनीतिक अंदाज यूरोपीय यूनियन ने लीडरान द्वारा रूस-यूक्रेन युद्ध के निदान के लिए रूस के साथ कूटनीतिक मुलाकातें करने की खातिर अख्तियार किया होता तो फिर यूरोपीय यूनियन को रूस-यूक्रेन युद्ध में मध्यस्थता करने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप की आवश्यकता कदापि नहीं पड़ती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के विदेश मंत्री वांग यी की कूटनीतिक मुलाकात को अमेरिका सहित दुनिया के अनेक मुल्कों द्वारा बड़ी हैरतअंगेज दृष्टि से देखा जा रहा है। सबसे बड़ी हैरत की बात है कि चीन के विदेशमंत्री वांग यी द्वारा पहले भारत का कूटनीतिक दौरा किया गया। उसके तत्पश्चात ही वह पाकिस्तान के दौरे पर गए। पाकिस्तान के ऊपर भारत को प्राथमिकता प्रदान करने वाला यह चीन का कूटनीतिक दृष्टिकोण एकदम अनोखा और नया है। यक्ष प्रश्न है कि अमेरिका के साथ अपने कूटनीतिक और रणनीतिक तनाव के नाजुक दौर में भारत द्वारा क्या चीन पर तहेदिल से यकीन किया जा सकता है? आजादी के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के दौर में हिन्दी-चीनी भाई-भाई का नारा बहुत जोर शोर से बुलंद किया गया, किंतु सन् 1962 में भारत पर चीन द्वारा आक्रमण अंजाम देने के तत्पश्चात सरहद पर तल्ख विवाद के कारणवश दोनों देशों के मध्य कूटनीति रिश्ते कभी सामान्य और दोस्ताना नहीं हो पाए।

चीन की बुनियादी फितरत में विस्तारवाद

सन् 1949 में कम्युनिस्ट इंकलाब के बाद से ही चीन की बुनियादी फितरत बाकायदा विस्तारवादी अंदाज में निरंतर कायम बनी रही। सबसे पहले चीन ने 1959 में अनाधिकृत तौर पर तिब्बत पर आधिपत्य स्थापित किया। इसके बाद चीन ने लद्दाख के कुछ क्षेत्रों और अरुणाचलम (नेफा) पर अपने स्वामित्व का दावा पेश किया। 35000 स्क्वायर किलोमीटर क्षेत्र के अक्साई चिन इलाके पर चीन का अनाधिकृत आधिपत्य कायम बना रहा। वर्ष 2020 में गलवान घाटी में रक्तरंजित सैन्य झड़प तत्पश्चात भारत-चीन संबंधों में फिर से एक खराब दौर आया, किंतु तभी से दोनों मुल्कों द्वारा परस्पर संबंधों सामान्य स्थिति में लाने की खातिर निरंतर सैन्य और कूटनीतिक वार्ताएं जारी रखी गई हैं। भारत-चीन संबंधों में तल्खी और तनाव का एक कारण क्वाड गठबंधन भी रहा है जिसे चीन अपने विरुद्ध एक अमेरिकन गठजोड़ के तौर पर देखता है। चीन द्वारा अमेरिकन टैरिफ के बरखिलाफ सबसे सशक्त आवाज बुलंद की गई और राष्ट्रपति ट्रंप को उनकी भाषा में सख्त प्रतिउत्तर पेश कर दिया। विदेशमंत्री वांग यी की भारत यात्रा को चीन के मीडिया द्वारा अत्यंत प्रमुखता के साथ पेश किया गया। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ चीनी विदेश मंत्री द्वारा सीमा विवाद पर महत्वपूर्ण चर्चा अंजाम दी गई।

रणनीतियों में आएगा बुनियादी बदलाव

चीन के कूटनीतिक हल्कों में जोरदार चर्चा है कि डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक टैरिफ नीतियों के मद्देनजर भारत और चीन वस्तुतः अपनी रणनीतियों में अब बुनियादी बदलाव करना चाहते हैं और वांग यी की भारत यात्रा इसी व्यापक कूटनीतिक पहल का एक महत्वपूर्ण कदम है। चीन के जाने-माने डिप्लोमेट्स गुआंग का भी विचार है कि भारत और चीन के मध्य ताकतवर कूटनीतिक ताल्लुकात यकीनन ग्लोबल साउथ के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि ग्लोबल साउथ टर्म का इस्तेमाल एशिया, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के विकासशील देशों के समूह के लिए किया जाता है। आखिर वांग यी की भारत यात्रा से ठोस उपलब्धि क्या हासिल हुई? इसके उत्तर में चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ मिंग ने फरमाया कि चीन और भारत अनेक जटिल विवादित प्रश्नों को लेकर ठोस सहमति पर तकरीबन पहुंच चुके हैं। दोनों देशों के समक्ष सबसे जटिल प्रश्न है कि वैश्विक चुनौतियों का मिलकर सामना कैसे किया जाए और किसी भी मुल्क के धौंस और दबाव की रणनीति का कारगर एवं समुचित विरोध करने के लिए किस तरह एकजुट हुआ जाए। विश्वसनीय कूटनीतिक सूत्र यह भी बयान करते हैं कि सीमा क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए भी दोनों देशों ने अपनी सहमति व्यक्त की है। भारतीय कूटनीति सूत्रों ने दावा पेश किया कि चीन द्वारा भारत के ऊपर आयद किए गए अर्थ निर्यात नियंत्रण समाप्त कर दिए गए हैं। आधिकारिक तौर पर इस तथ्य की हालांकि बाकायदा पुष्टि नहीं हो पाई है।

उल्लेखनीय है कि चीन द्वारा भारत को कुल फर्टिलाइजर्स का लगभग 30 प्रतिशत सप्लाई कराया जाता रहा है। ऑटोमोबाइल कॉम्पोनेंट्स के लिए अर्थ एलिमेंट्स और सड़क और शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए जरूरी टनल बोरिंग मशीन भी चीन द्वारा भारत को निर्यात किए जाते हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ मिंग ने दावा पेश किया कि भारत ने ताइवान को चीन का अभिन्न अंग निरूपित किया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि ताइवान के साथ आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक संबंधों को पहले की तरह जारी रखा जाएगा। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने तिब्बत में यारलुंग सांगपो नदी, जिसे भारत में ब्रह्मपुत्र नदी कहा जाता है, के निचले इलाके पर चीन द्वारा निर्मित किए जा रहे मेगा डैम के निर्माण को लेकर भारत की गहन चिंताओं को चीन के विदेशमंत्री वांग यी के समक्ष पेश किया। वस्तुतः चीन के विदेशमंत्री वांग यी की भारत यात्रा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 31 अगस्त और 1 सितंबर को शंघाई कॉआपरेशन आर्गेनाइजेशन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भागीदारी की तैयारी के संदर्भ में देखा जा रहा है। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के तकरीबन 100 देशों के विरुद्ध टैरिफ जंग शुरू की है। ट्रंप द्वारा टैरिफ आक्रमण में भारत को बख्शा नहीं गया है। इसके बावजूद कि विगत 25 वर्षों के दौर में भारत बेहद करीबी संबंध अमेरिका के साथ स्थापित कर चुका है। भारत यकीनन अत्यंत विवश होकर अमेरिकन प्रशासन के विरुद्ध सीधे टकराव की स्थिति में आ गया है, क्योंकि भारत द्वारा रूस से तेल खरीदारी खत्म करने से स्पष्ट तौर पर इनकार कर दिया गया है। इस वक्त भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता के महत्व को बाकायदा समझ रहा है। भारत चीन के साथ संबंध सुधारने की अत्यंत संजीदा कोशिश अंजाम दे रहा है, ताकि विश्व पटल पर भारत को रणनीतिक गुंजाइश और नीतिगत लचीलापन हासिल हो सके। भारत अब अमेरिका द्वारा प्रदान किए गए जबरदस्त झटके के बाद ग्लोबल साउथ के बाजारों की तरफ नजर डाल रहा है, ताकि भारत को निर्यात के लिए अमेरिका के बाजारों पर निर्भर नहीं रहना पड़े।

ट्रंप से यूरोपीय यूनियन के लीडर भी आहत

इन दिनों तक अमेरिका के आक्रामक व्यवहार से यूरोपीय यूनियन के लीडर भी बहुत आहत हुए, जिनके साथ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इनफीरियर देशों की तरह से व्यवहार किया है और जबरदस्त आर्थिक नुकसान भी पहुंचाया है। उल्लेखनीय है कि विगत अनेक दशक से यूरोप वस्तुतः अमेरिका का पिछलग्गू बना रहा है। यूरोपीय यूनियन के अनेक बड़े लीडर तल्ख एहसास से गुजर रहे हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप तो रूस के साथ अपने संबंधों को बेहतर बना रहे हैं किंतु यूरोप ने रूस के साथ अपने संबंधों को बिगाड़ कर अपना बहुत अधिक आर्थिक नुकसान किया है। यूरोपीय यूनियन के लोग गहनता से महसूस करते हैं कि चीन के प्रति भारतीयों के मन में जिस तरह का शत्रु भाव व्याप्त रहा है, इस तरह का शत्रुतापूर्ण भाव यूरोप में रूस के विरुद्ध लेकर कदाचित विद्यमान नहीं रहा है, अर्थात भारत के लिए एक दोस्त के तौर पर चीन के साथ पेश आना, वस्तुत यूरोप की तुलना में राजनीतिक और कूटनीतिक तौर पर कहीं ज्यादा मुश्किल रहा है, किंतु भारत ने यह कूटनीतिक करनामा कर दिखाया है, किंतु यूरोप अभी भी एक तरह से रूस के साथ अपने डिप्लोमेटिक ताल्लुकात को लेकर कन्फ्यूज्ड भाव में डगमगा रहा है।

अब तो अमेरिका प्रशासन ने विश्व पटल पर ऐसे विकट हालात उत्पन्न कर दिए हैं कि भारत और चीन यदि निकट सहयोग नहीं करेंगे तो फिर गहन आर्थिक संकट के दलदल में धंस जाएंगे। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विगत कार्यकाल में चीन के विरुद्ध ट्रेड वॉर का बिगुल बजाया गया था किंतु राष्ट्रपति ट्रंप के वर्तमान कार्यकाल में तो भारत को भी ट्रेड वॉर का निशाना बना दिया गया। समस्त ऐतिहासिक शत्रुताओं के बावजूद भारत-चीन मित्रता विश्वपटल पर नया भविष्य रच सकती है, बशर्ते चीन द्वारा अपनी विस्तारवादी फितरत का परित्याग कर दिया जाए। नए वर्ल्ड ऑर्डर की उम्मीद लगा सकते हैं।

एससीओ में दिखना चाहिए भारत का प्रभाव

विश्लेषण
सुनील अमर
वरिष्ठ स्तंभकार

चीन के त्यानजिन में 31 अगस्त को होने जा रही शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ की बैठक, अमेरिकी दखलअंदाजी से बदले हुए अन्तरराष्ट्रीय माहौल के कारण अहम बन गयी है। इसी कारण दुनिया भर के राजनीतिक पर्यवेक्षकों व कूटनीतिज्ञों की निगाहें का केन्द्र बिन्दु बनी हुई है। भारत के प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी भी इस बैठक में भाग लेंगे। पीएम मोदी के इस बैठक में भाग लेने को चीन काफी गम्भीरता से ले रहा है और माहौल को पॉजिटिव बनाने के लिए कई स्तर के प्रयास कर रहा है। नई दिल्ली आये चीनी विदेश मन्त्री ने अपने भारतीय समकक्ष से मुलाकात कर न सिर्फ आशाजनक बयान दिये हैं बल्कि सार्थक क्रियान्वयन करने का एक खाका भी खींच गए हैं। अरसे से स्थगित वीजा और हवाई सेवायें शुरू की जा रही हैं। दोनों तरफ से बने हुए इस खुशनुमा माहौल का क्या नतीजा निकलेगा, यह तो एक सितम्बर के बाद ही पता चलेगा।

चीन द्वारा लगातार पाकिस्तान का समर्थन करने के कारण चीनी प्रभुत्व वाले एससीओ से भारत को कभी भी ज्यादा उम्मीदें नहीं रही हैं। वैसे तो एससीओ का गठन वर्ष 2001 में ही हो गया था लेकिन भारत और पाकिस्तान इसमें वर्ष 2017 में शामिल हुए। असल में सोवियत संघ के विखण्डन के बाद बने देशों में सीमा और अन्य तरह के विवाद हो रहे थे तो उनको एक मंच पर लाकर बात करने के लिए वर्ष 1996 में शंघाई फाइव नाम से एक संगठन बनाया गया जिसमें रूस और चीन के अलावा तत्कालीन सोवियत संघ से आजाद हुए कजाकिस्तान, किर्गिस्तान व ताजिकिस्तान देश शामिल थे। बाद में इसी को विस्तार देते हुए एससीओ बनाया गया जिसमें आज नौ देश शामिल हैं।

एससीओ से सार्थक उम्मीद नहीं

इस संगठन में चीन का ही प्रभुत्व है। ध्यान देना होगा कि बीते जून माह में एससीओ देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक थी, जिसमें भाग लेने गये भारतीय रक्षा मन्त्री ने वहां जारी साझा बयान को मानने और हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया था। भारत को आपत्ति थी कि एससीओ दोहरा मापदण्ड अपना रहा है। बयान में पाकिस्तान में हुए जाफर एक्सप्रेस आतंकवाद काण्ड की तो निन्दा की गयी थी लेकिन भारत के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र भी नहीं किया गया था। भारत को इस संगठन से कभी भी कोई सार्थक उम्मीद नहीं रही है क्योंकि यह मुख्य रूप से चीन और रूस के हितों की पूर्ति के लिए बनाया गया है। यही कारण है कि इस संगठन की आधिकारिक भाषा भी रुसी और चाइनीज ही है। भारत ने सुझाव दिया था कि इसमें अंग्रेजी को भी शामिल किया जाय लेकिन चीन नहीं माना।

ट्रंप के व्यापार युद्ध का असर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शपथ ग्रहण करते ही मानों व्यापार युद्ध सा छेड़ दिया है। उन्हें शायद लगता है कि वे अमेरिका की हर समस्या को अन्य देशों पर व्यापार कर यानी टैरिफ थोप कर हल कर लेंगे। उनके इस व्यापार युद्ध का ही असर है कि चीन इस बार एससीओ की बैठक के लिए भारत के प्रति दुर्लभ किस्म की विनम्रता

दिखा रहा है। भारत में चीन के राजदूत सू फ्योंग ने जहां कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी का एससीओ बैठक में भाग लेना 'अत्यन्त महत्वपूर्ण' होगा और इसे सफल बनाने के लिए भारत और चीन के अधिकारियों का एक समूह लगातार काम कर रहा है। वहीं, अपने हालिया भारत दौरे पर आये चीनी विदेश मन्त्री वांग यी ने तो भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल व विदेश मन्त्री एस जयशंकर से हुई वार्ता के बाद यहां तक कह दिया है कि दोनों देशों के बीच सीमा आदि के विवाद को सुलझाने के लिए दस सूत्रों पर सहमति बनी है और जिस पर काम करने के लिए दोनों तरफ से दो-दो ग्रुप बनाये जाएंगे, जो विवाद निपटाने व सीमा प्रबन्धन का कार्य देखेंगे।

ध्यान रहे कि चीन के साथ भारत की सबसे बड़ी समस्या दशकों पुराना युद्ध स्तरीय सीमा विवाद ही है। एससीओ में भाग लेने जा रहे प्रधानमन्त्री मोदी के एजेन्डे के लिए यद्यपि राजनीतिक, कूटनीतिक और राजनयिक स्तर पर तैयारियां चल रही हैं फिर भी कुछ खास और जाने-सुने मुद्दे हैं जिन पर वहां उनके बात करने की संभावना बन सकती है। सात वर्षों बाद भारतीय प्रधानमन्त्री की चीन यात्रा का सबसे बड़ा उद्देश्य तो यही होगा कि दोनों देशों के बीच खत्म हो चुके आपसी भरोसे को फिर से बहाल किया जाए। इस दौरान लगभग ढाई दर्जन बार हो चुकी बेनतीजा सीमा सम्बन्धी द्विपक्षीय वार्ताओं को अब किसी सिरे तक पहुंचाने की कोशिशें हों। इसके अलावा रेयर अर्थ यानी दुर्लभ खनिज, उर्वरक, फार्मा व इलेक्ट्रानिक वस्तुएं, सुरंग बनाने की मशीनें, कृषि क्षेत्र व वैकल्पिक ऊर्जा आदि बातचीत के विषय हो सकते हैं।

आतंकवाद व अलगाववाद जैसी समस्या से निपटना एससीओ की स्थापना का घोषित लक्ष्य है। देखना होगा कि इस बार चीन इस पर क्या रवैया अपनाता है। भारत यद्यपि ब्रिक्स व क्वाड जैसे अन्य कई बड़े अंतरराष्ट्रीय संगठनों का सदस्य है, फिर भी चीनी प्रभुत्व के बावजूद एससीओ का उसके लिए महत्वपूर्ण है कि इससे मध्य एशिया की एनर्जी मार्केट में सीधा दखल तथा सुरक्षा सहयोग के अलावा क्षेत्रीय प्रभाव भी बनता है। इसके अलावा एससीओ देशों को मिलाकर लगभग 60 प्रतिशत यूरेशिया बनता है जिसमें तीन अरब से अधिक की विश्व आबादी रहती है। इसमें भारत, चीन, रूस और पाकिस्तान जैसे परमाणु सम्पन्न देश भी हैं। एससीओ में बातचीत का एक महत्वपूर्ण विषय व्यापारिक मार्गों की सुगमता का हो सकता है।

बेहतर कनेक्टिविटी की चर्चा

इस सम्बन्ध में भारत अन्तरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण ट्रांसपोर्ट कॉरीडोर जिसे संक्षेप में आईएनएसटीसी कहा जाता है पर बेहतर कनेक्टिविटी यानी मार्ग संयोजन की चर्चा कर सकता है। यह लगभग 7200 किमी का समुद्र, सड़क और रेल मार्गों से बनने वाला रास्ता है और जिससे हिन्द महासागर, फारस की खाड़ी, कैस्पियन सागर और यहां से फिर रेल व सड़क मार्ग से रूस के सेंट पीटर्सबर्ग होकर उत्तरी यूरोप जुड़ता है। इस मार्ग से समय व धन की बचत होती है। एससीओ में भारत इस बात को भी प्रमुखता से रख सकता है कि इसे रूस-चीन का सुरक्षा कवच वाला संगठन बनाये रखने के बजाय सदस्य देशों के बृहत्तर उद्देश्यों के लिए विस्तारित किया जाए।

संभावना तो इस बात की ज्यादा है कि चीन घुमा-फिराकर अपने व्यापारिक लाभ की बातों को ही आगे रखेगा फिर भी कुल मिलाकर उम्मीद यही रखनी चाहिए कि भारत ने जो तेवर एससीओ रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में बयान पर दस्तखत करने से इनकार करके तथा भारतीय विदेश मन्त्री ने 'जो देश आतंकवाद फैलाने में सहायता करेगा उसे इसकी कीमत चुकानी होगी' जैसा बयान देकर भारत की मजबूती को दिखाया है, वही दशा-दिशा और संप्रभुता आगामी एससीओ सम्मेलन में भारत की बनी रहेगी।

ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करे भारत-चीन

विमर्श
शंभू भद्रा
वरिष्ठ पत्रकार

मौजूदा वक्त में दुनिया में अनेक स्तर पर हलचल है। इसके केंद्र में अमेरिका है, खासकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। उन्होंने सबसे अदावत की ठान रखी है। भारत व चीन समेत 90 से अधिक मुल्कों पर ट्रंप के एकतरफा टैरिफ के ऐलान से वैश्विक रिश्ते रिशेप ले रहे हैं। देश अमेरिका के विकल्प तैयार कर रहे हैं। भारत और चीन तेजी से करीब आ रहे हैं।

यूं तो चीन के साथ रिश्ते सामान्य करने का प्रयास भारत ने ट्रंप 2.0 आने से पहले वर्ष 2024 में ही शुरू कर दिया था, लेकिन ट्रंप के अनुचित टैरिफ के बाद चीन ने भी भारत से ट्रेडकूटनीति को मजबूत करने की कोशिश तेज कर दी है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की चीन यात्रा, चीनी विदेश मंत्री वांग यी की भारत यात्रा, इस दौरान दुर्लभ खनिजों की बंद आपूर्ति को शुरू करने के साथ उर्वरक व टनल खुदाई मशीन देने पर सहमति और 31 अगस्त व 1 सितंबर को दो दिवसीय शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में पीएम नरेन्द्र मोदी के भाग लेने व उनकी चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ प्रस्तावित बैठक इन्हीं कोशिशों की कड़ी हैं। भारत एक साथ ब्रिटेन, यूरोपीय संघ, चीन, रूस व ब्राजील से अपने संबंध मजबूत कर रहे हैं। पश्चिम एशिया, खाड़ी देश, अफ्रीकी संघ, लैटिक अमेरिकी देश और आसियान देशों के साथ भी भारत के रिश्ते बेहतर हैं। इसमें सबसे अहम भारत व चीन के उतार-चढ़ाव वाले रिश्ते हैं।

दूरदृष्टि का दे रहे परिचय

बेशक वांग यी की यात्रा के बाद चीन व भारत के संबंध को लेकर बीजिंग व नई दिल्ली में अलग-अलग विश्लेषण व नजरिया है, लेकिन दोनों मुल्क दूरदृष्टि का परिचय दे रहे हैं। भारत व चीन के संबंध भविष्य में क्या आकार लेंगे, कहना कठिन है, कारण चीन की विस्तारवादी नीतियां, पाकिस्तान के साथ दोस्ती व भारत के साथ सीमा विवाद राह के रोड़े हैं। भारत के साथ सामान्य संबंध चीन के रुख पर निर्भर करेगा, पर अभी ट्रंप टैरिफ की वजह से अगर दोनों देश नजदीक आ रहे हैं तो भी यह बहुध्रुवीय विश्व में नई उम्मीद को मजबूत कर रहे हैं। भारत के लिए अमेरिका का रिप्लेसमेंट चीन नहीं है, लेकिन भारत अपने हितों से कभी समझौता भी नहीं करेगा। भारत को लेकर अमेरिकी प्रशासन की भाषा अपमानजनक सरीखी है, जिसे भारत कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। हाल में भारत ने रूस व चीन के साथ बेहतर तालमेल बढ़ा कर अमेरिका को संदेश दे दिया है कि ट्रंप के तरीके नामंजूर हैं।

पश्चिम पर निर्भरता कम होगी

भारत को अगर अपने ग्लोबल साउथ के आइडिया को अमलीजामा पहनाा है, तो उसमें चीन, जापान व ब्राजील का साथ जरूरी है। भारत, चीन, ब्राजील व जापान मिलकर ग्लोबल साउथ को नई दिशा दे सकते हैं। ये सभी मुल्क तकनीक, संसाधन और बाजार के साथ सामरिक ताकत से लैस हैं। इससे पश्चिम पर निर्भरता कम होगी। भारत को एशिया की मजबूती और शांति की दिशा में भी काम करना चाहिए। एशिया में देशों के बीच संघर्ष, अविश्वास व दुश्मनी पश्चिमी

हथियार बाजार को खाद-पानी देते हैं। एशियाई देशों में अगर यह समझ विकसित हो जाए कि आपसी टकराव के बजाय सहअस्तित्व व सहयोग से इस साधन संपन्न सबसे बड़े महादेश को शक्तिशाली, आत्मनिर्भर और खुशहाल बनाया जा सकता है, तो हथियार की होड़ रुक सकती है, जिससे पश्चिम का दबदबा खत्म हो सकता है। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के मुताबिक, 2014 से 2024 के बीच भारत के आयात परिदृश्य पर चीन का प्रभुत्व और अधिक बढ़ गया है। इरिथ्रोमाइसिन, सिलिकॉन वेफर्स, फ्लैट पैनल डिस्प्ले, सौर सेल, लिथियम आयन बैटरियां, दुर्लभ खनिज खासकर मैग्नेट के लिए भारत चीन पर निर्भर है। इस कारण चीन संकट के समय भारत के खिलाफ माल आपूर्ति को रोक कर ढाल बनाता है। भारत को इस स्थिति से उबरना है। भारत को चीन पर दबाव भी बनाना होगा कि वह भारतीय उत्पादों के लिए अपना बाजार खोले, व्यापार संतुलन की खाई को पाटे। द्विपक्षीय व्यापार में भारत की हिस्सेदारी दो दशक पहले के 42.3 प्रतिशत से घटकर आज केवल 11.2 प्रतिशत रह गई है। चीनी विदेश मंत्री वांग यी की भारत यात्रा को व्यापक रूप से प्रधानमंत्री मोदी की निर्धारित तियानजिन एससीओ शिखर सम्मेलन यात्रा की तैयारी के रूप में देखा जा सकता है। चीन अगर भारत का भरोसा जीतना चाहता है तो, उसे अधिक पहल करनी होगी। भारत व चीन के बीच सहयोग के कई क्षेत्र हैं। आयुर्वेद, योग और भारतीय शास्त्रीय कलाओं में चीन की रुचि बढ़ रही है।

पर्यटन, तीर्थयात्रा में वृद्धि हो रही है। भारतीय स्टार्टअप्स प्रमुख चीनी फंडिंग को आकर्षित कर रहे हैं। बुनियादी ढांचे और हाई-स्पीड रेल के क्षेत्र में चीन की उन्नत जानकारी भारत के औद्योगिक विकास के लिए लाभकारी है। भारत और चीन ब्रिक्स, एससीओ, जी-20, एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (एआईआईबी) और न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) में सहयोग कर वैश्विक दक्षिण एकजुटता, बहुध्रुवीयता और जलवायु कूटनीति को बढ़ावा दे रहे हैं। चीन भारत के अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) का समर्थन करता है। दोनों देश पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए कार्बन टैरिफ और वैश्विक जलवायु शासन में अंतर्निहित असमानताओं के बारे में गहरी चिंताएं साझा करते हैं। भारत-चीन संबंध धीरे-धीरे सीमाई स्थिरता, व्यापार और सामरिक संवाद के माध्यम से रचनात्मक सहभागिता की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन सीमा विवाद, अक्साई चिन के 38,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर अवैध चीनी कब्जा, अरुणाचल प्रदेश के 90,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को 'दक्षिण तिब्बत' बताकर चीनी दावा, देपसांग और चार्डिंग-निंगलुंग नाला जैसे टकराव वाले अनसुलझे बिंदु, डोकलाम गतिरोध (2017) और गलवान घाटी संघर्ष (2020), पीओके से होकर चीन का चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपेक), चीन का ब्रह्मपुत्र और सतलुज जैसी नदियों पर नियंत्रण, चीनी विस्तारवाद, पाकिस्तान के साथ सैन्य सहयोग आदि भारत व चीन के रिश्ते की राह में बाधाएं हैं।

प्रतिरोधक क्षमता मज़बूत बनाएं

चीन वैश्विक मंचों पर भारत की न्यूक्लियर सप्लायर्स ग्रुप (एनएसजी) सदस्यता और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में स्थायी सीट की आकांक्षाओं में बाधा डालता है। फिर भी विश्वास-निर्माण उपायों, सामरिक स्वायत्तता, क्षेत्रीय सहयोग तथा वैश्विक बहुध्रुवीय सहभागिता के संयोजन से एक स्थिर, सहयोगपूर्ण व भविष्योन्मुखी द्विपक्षीय संबंध की राह प्रशस्त की जा सकती है। भारत को स्मार्ट सीमा अवसंरचना, आईएसआर (खुफिया, निगरानी एवं टोही) तकनीकों तथा पर्वतीय युद्ध की तैयारी में निवेश कर अपनी विश्वसनीय प्रतिरोधक क्षमता को मज़बूत बनाना चाहिए।

उपराष्ट्रपति पद के इंडी प्रत्याशी सुदर्शन का शाह को जवाब

पहले 40 पन्नों का जजमेंट पढ़ें, मेरा नहीं अदालत का था फैसला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सलवा जुडूम फैसले को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी पर नक्सलवाद का समर्थन करने का आरोप लगाया था। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि हर नागरिक के जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति की रक्षा करना उनका कर्तव्य है। रेड्डी ने कहा कि मैं गृह मंत्री के साथ सीधे तौर पर इस मुद्दे पर नहीं जुड़ना चाहता। उनका संवैधानिक कर्तव्य और दायित्व वैचारिक मतभेदों के बावजूद, प्रत्येक नागरिक के जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति की रक्षा करना है। दूसरी बात, मैंने फैसला लिखा है। यह फैसला मेरा नहीं है, यह फैसला सर्वोच्च न्यायालय का है। रेड्डी ने कहा कि उनकी इच्छा है कि अमित शाह 40 पन्नों का फैसला पढ़ें। उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने फैसला पढ़ा होता तो शायद वह यह टिप्पणी नहीं करते। मैं बस इतना ही कहना चाहता हूं और यहीं खत्म करता हूं। बहस में शालीनता होनी चाहिए।

रेड्डी ने कहा कि उनका संवैधानिक कर्तव्य और दायित्व वैचारिक मतभेदों के बावजूद, प्रत्येक नागरिक के जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति की रक्षा करना है। लोकतंत्र कमजोर हो रहा है।

वह फैसला मेरा नहीं बल्कि सर्वोच्च न्यायालय का था

शाह ने उन पर नक्सलवाद का समर्थन करने का लगाया था आरोप

शाह ने कहा था- वामपंथी उग्रवाद को मदद करने वाला फैसला दिया

केंद्रीय गृह मंत्री ने रेड्डी पर हमला करते हुए कहा था कि विपक्ष के प्रत्याशी सुदर्शन रेड्डी वही हैं, जिन्होंने वामपंथी उग्रवाद को मदद करने के लिए सलवा जुडूम का जजमेंट दिया था और अगर ये जजमेंट न दिया गया होता तो वामपंथी नक्सलवाद 2020 तक खत्म हो गया होता। यही सज्जन हैं, जिन्होंने विचारधारा से प्रेरित होकर सलवा जुडूम का जजमेंट दिया था। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी, वामपंथी दलों के दबाव में एक ऐसे उम्मीदवार को मैदान में उतार रही है जिसने नक्सलवाद का समर्थन किया और सुप्रीम कोर्ट जैसे पवित्र मंच का इस्तेमाल किया।

मैं संघ की विचार धारा से असहमत राधाकृष्णन से नहीं

रेड्डी ने कहा कि यह लड़ाई नहीं है, यह विचारों का टकराव है। दूसरा पक्ष प्रचार कर रहे थे कि यहां एक व्यक्ति है, जो जीवन भर आरएसएस का एक पूर्ण सदस्य रहा है, तो मैं उस विचारधारा से असहमत हूं। सीपी राधाकृष्णन से नहीं। राधाकृष्णन और मेरे बीच कुछ भी व्यक्तिगत नहीं है। हम एक-दूसरे से कभी मिले भी नहीं हैं। इसलिए मैं चाहता था कि यह एक सभ्य प्रतियोगिता हो, व्यक्तियों के बीच नहीं बल्कि दो अलग-अलग विचारधाराओं के बीच

सुप्रीम कोर्ट का था सलवा जुडूम पर फैसला

उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी का नक्सल फैसले पर बयान आया है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री के साथ इस मुद्दे पर बहस में शामिल नहीं होना चाहता। उन्होंने कहा कि बहस में शालीनता होनी चाहिए। गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा सुदर्शन रेड्डी के सलवा जुडूम फैसले की आलोचना की गई थी। इस पर सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि सलवा जुडूम पर फैसला सुप्रीम कोर्ट का था, मेरा नहीं।

सामाजिक-आर्थिक नीतियां बनाने के लिए हो जाति सर्वेक्षण

जाति सर्वेक्षण को लेकर सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि यह सर्वेक्षण सामाजिक-आर्थिक नीतियां बनाने के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान की रक्षा करने का प्रयास करेंगे जो निस्संदेह चुनौती का सामना कर रहा है। विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि लोकतंत्र कुछ और नहीं बल्कि संवाद है।

लोकतंत्र दबाव में चल रहा

सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि लोकतंत्र में एक कमी है। हम अब भी संवैधानिक लोकतंत्र हैं, लेकिन दबाव में हैं। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव दो व्यक्तियों के बीच नहीं, बल्कि दो अलग विचारधाराओं के बीच मुकाबला है। रेड्डी ने कहा कि मेरी सर्वसम्मत उम्मीदवारी विविधता, सर्वसम्मत पसंद, 64 फीसदी से अधिक आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली मतदान शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है।

खबर संक्षेप

संसद भवन के पास फिर दिखा संदिग्ध

नई दिल्ली। दीवार के सहारे संसद भवन में संदिग्ध युवक के घुसने के अगले ही दिन सुबह के समय संसद भवन के पास रेल भवन गोलचक्कर क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियों ने संदिग्ध गतिविधि के चलते एक व्यक्ति को हिरासत में लिया।सीआईएसएफ कर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे पकड़कर पुलिस के हवाले किया।

बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी पर केस

पटना। प्रधानमंत्री के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने पर बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री राजद नेता तेजस्वी यादव के खिलाफ तालबेहट कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया है। यह मुकदमा भाजपा जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत ने दर्ज कराया है। शिकायतकर्ता ने पोस्ट की कॉपी को मुकदमे में सबूत के तौर पर पेश किया है।

होशियारपुर में ब्लास्ट से 4 लोगों की मौत

होशियारपुर। पंजाब के होशियारपुर में सब्जी से भरी पिकअप की टक्कर से एलपीजी टैंकर में हुए ब्लास्ट में अब तक एक महिला समेत 4 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से 3 की ही पहचान हो पाई है। ब्लास्ट के बाद करीब 200 मीटर के दायरे में आते 25 दुकानों और 10 घरों को नुकसान हुआ है। पुलिस जांच में जुटी है।

धर्मस्थल पर दुष्कर्म और हत्या बताने वाला अरेस्ट

मंगलुरु। दो दशकों में धर्मस्थल में कई हत्याओं, दुष्कर्मों और शवों को दफनाने का आरोप लगाने वाले शिकायतकर्ता को शनिवार को एसआईटी ने गिरफ्तार कर लिया। शिकायतकर्ता अब तक जांच पैनल के सामने नकाब पहनकर पेश हुआ था। अब उसकी पहचान सीएन चिन्नैया के रूप में हुई है।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर अपने संबोधन में बोले प्रधानमंत्री मोदी

जल्द भारत अपने स्पेस स्टेशन पर झंडा फहराएगा अंतरिक्ष यात्रियों का हम एक समूह भी बनाएंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम मोदी ने कहा कि इस बार के अंतरिक्ष दिवस की थीम आर्यभट्ट से गगनयान तक है। इसमें अतीत का आत्मविश्वास भी है और भविष्य का संकल्प भी।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में भारत मंडपम में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पीएम ने कहा कि इस बार के अंतरिक्ष दिवस की थीम आर्यभट्ट से गगनयान तक है। इसमें अतीत का आत्मविश्वास भी है और भविष्य का संकल्प भी। आज हम देख रहे हैं कि इतने कम समय में ही राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस हमारे युवाओं के बीच उत्साह और आकर्षण का विषय बन गया है। यह देश के लिए गौरव की बात है। पीएम ने कहा कि 'अंतरिक्ष क्षेत्र में एक के बाद एक नई उपलब्धि हासिल करना, ये भारत और भारत के वैज्ञानिकों का स्वभाव बन गया है। दो साल पहले ही भारत ऐसा पहला देश बना था जिसने चंद्रमा में अपने झंडे गाड़े। इस दौरान भारतीय अंतरिक्षयात्री शुभांशु शुक्ला के साथ गगनयान मिशन पर जाने वाले अन्य अंतरिक्षयात्री भी मौजूद रहे। केंद्रीय विज्ञान और तकनीक मंत्री जितेंद्र सिंह और इसरो के चेयरमैन वी नारायणन भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। इस कार्यक्रम को प्रधानमंत्री मोदी ने वर्चुअली संबोधित किया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने देशवासियों को दूसरे राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की बधाई दी।

देशवासियों को दूसरे राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की बधाई दी

खास बातें

- अंतरिक्ष क्षेत्र में एक के बाद एक नई उपलब्धि हासिल कर रहा भारत
- भारत मंडपम में किया गया विशेष आयोजन
- प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं से की विशेष अपील

देश सेमी क्रायोजेनिक इंजन व इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन तकनीक पर आगे बढ़ रहा

आज भारत सेमी क्रायोजेनिक इंजन और इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन जैसी अहम तकनीक की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। जल्द ही अपने वैज्ञानिकों की मेहनत से गगनयान भी सफलता की उड़ान भरेगा और आने वाले समय में भारत अपना स्पेस स्टेशन भी बनाएगा। प्रधानमंत्री ने निजी क्षेत्र से यह प्रश्न किया कि क्या अगले पांच वर्षों में पांच स्टार्टअप यूनिकॉर्न बन सकते हैं। उन्होंने अंतरिक्ष वैज्ञानिकों और इंजीनियरों से कहा कि मैं चाहूंगा कि निजी क्षेत्र आगे आएं। क्या हम उस मुकाम तक पहुंच सकते हैं जहां हम हर साल 50 रॉकेट प्रक्षेपित कर सकें?

अंतरिक्ष तकनीक से प्रशासन में मिल रही मदद

प्रधानमंत्री ने कहा कि मैंने लाल किले से कहा था कि हमारा रास्ता रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म का रास्ता है। बीते 11 वर्षों में देश ने स्पेस सेक्टर एक के बाद एक लगातार बड़े सुधार किए हैं। आज अंतरिक्ष तकनीक भारत में प्रशासन का हिस्सा भी बन रही है। फसल बीमा योजना में सैटेलाइट की मदद से आकलन हो रहा है। मछुआरों को सैटेलाइट्स की मदद से जानकारी, सुरक्षा मिल रही है। पीएम गति शक्ति आदि में भी इस तकनीक का इस्तेमाल हो रहा।

युवा गहन अंतरिक्ष अन्वेषण मिशन की तैयारी करें

पीएम मोदी ने शनिवार को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर वीडियो संबोधन में बड़ा ऐलान किया। उन्होंने घोषणा की कि भारत भविष्य के मिशनों के लिए अंतरिक्ष यात्रियों का एक समूह बनाने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने युवाओं से इस समूह का हिस्सा बनने का आग्रह किया।

अब हम अंतरिक्ष में झांकेंगे

अब हमें गहरे अंतरिक्ष में झांकना है, जहां मानवता के भविष्य के लिए लाभकारी कई रहस्य छिपे हुए हैं। मोदी ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में एक के बाद दूसरी उपलब्धि हासिल करना अब भारत और उसके वैज्ञानिकों की स्वाभाविक विशेषता बन गई है। प्रधानमंत्री ने देश भर के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों, छात्रों और नीति निर्माताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा क्षितिज आकाशगंगाओं से भी परे है।

शुभांशु ने हर भारतीय को गर्व से भर दिया

मोदी ने कहा कि 3 दिन पहले उन्होंने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से मुलाकात की, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और हर भारतीय को गर्व से भर दिया। जब शुक्ला ने उन्हें तिरंगा दिखाया तो वह निःशब्द हो गए। उन्होंने नए भारत के युवाओं के अनंत सपनों को देखा।

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र ने कहा

हिंदुस्तान ने चंद्रमा के दक्षिण पोल पर अपना नाम लिख दिया

इस अवसर पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने हिस्सा लिया। उनके साथ केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और इसरो चेयरमैन डॉ. वी. नारायणन भी मौजूद थे। सिंह ने कहा कि दो साल पहले हिंदुस्तान दुनिया का पहला देश बना, जो चंद्रमा के साउथ पोल पर पहुंचा था।

शुभांशु शुक्ला ने योजनाओं को उत्साहजनक बताया

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने कहा कि हम जो कुछ कर रहे हैं या जिसकी योजना बना रहे हैं इसे देख मैं काफी उत्साहित हूं। दो साल पहले हमारे पास जश्न का मौका नहीं था। एक साल के भीतर, यह मुमकिन है। हमारे पास आगे बढ़ने के लिए- गगनयान, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और चंद्रमा पर उतरने को लेकर कई मिशन हैं। बस जरूरत है जोश की। यहां बैठे हरेक बच्चे से यही उम्मीद है कि वो इस दिशा में आगे बढ़ेगा।

रक्षामंत्री ने कहा-यह उपलब्धि पीढ़ियों को प्रभावित करेगी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की बधाई दी। सिंह ने एक्स पर लिखा कि राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर हम चंद्रयान-3 के माध्यम से चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भारत की ऐतिहासिक उपलब्धि का उत्सव मना रहे हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।

केंद्रीय कृषि मंत्री का 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' पर संबोधन

खेती में प्रौद्योगिकी, विज्ञान की भूमिका अहम, हमें इसे और आगे बढ़ाना होगा : शिवराज

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) नई दिल्ली, पूसा में आयोजित कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। इस कार्यक्रम का विषय 'कृषि परिवर्तन के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में अनुसंधान और विकास' था। इस अवसर पर आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट सहित वरिष्ठ वैज्ञानिक उपस्थित रहें। चौहान ने कहा कि मेरी अत्यधिक इच्छा थी कि 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' का कार्यक्रम आईसीएआर में भी मनाया जाए। अंतरिक्ष विज्ञान के माध्यम से आज हम देश और दुनिया में बदलाव ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सब जानते हैं कि खेती में प्रौद्योगिकी और विज्ञान कितना महत्वपूर्ण है। हमें इसे और आगे बढ़ाना होगा।

जनता के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि वैज्ञानिक आधुनिक महर्षि हैं। हमने खेती बदली है, खेती की दिशा बदली है, किसान की जिंदगी बदली है। जनता के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की है। हमने अनाज उत्पादन के नए रिकॉर्ड बनाए हैं और इसमें हमारे अंतरिक्ष विज्ञान का अतुलनीय योगदान है। आज कृषि के क्षेत्र में किसानों की मदद करने में अंतरिक्ष कार्यक्रम का महत्व उभरकर सामने आया है। क्रॉप एवरेज प्रोडक्शन एस्टिमेशन का सवाल हो, फसल प्रणाली हो, गेहूं, धान, सरसों, कपास, गन्ना इत्यादि का उत्पादन, क्षेत्रफल का सटीक रूप से अनुमान लगाना या मौसम की जानकारी सहित अन्य विषय, सभी में अंतरिक्ष विज्ञान की अहम भूमिका है।

देश ने कई तकनीक विकसित की

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि हमने कई तकनीक विकसित करने की कोशिश की है। किसान द्वारा खींची गई फोटो के माध्यम से ही कीट का पता लगाने का प्रयास, रीयल टाइम गेहूं मॉनिटरिंग, गेहूं की बुवाई-कटाई क्षेत्रफल इत्यादि विषयों में अब सटीक अनुमान लगाना सरल हो गया है। गेहूं की बुवाई-कटाई के क्षेत्रफल मामले में कृषि मंत्रालय के आंकड़े और राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी) प्रांगण ने जो कॉम्प्रिहेंसिव रिमोट सेंसिंग ऑब्जरवेशन ऑन क्रॉप प्रोग्रेस (सीआरओपी) फ्रेम वर्क विकसित किया है, दोनों के आंकड़े मेल खाते हैं। उन्होंने कहा कि निसार (नासा इसरो सिन्थेटिक ऐपर्चर रडार मिशन) की वजह से अब किसान की छोटी जोत क्षेत्रफल से लेकर बड़े क्षेत्रफल भाग तक, मिट्टी की नमी, फसल की सेहत, बायोमास सभी का सटीक अनुमान लगाना संभव हो गया है।

सैटेलाइट से फसल नुकसान का सही आकलन

चौहान ने कहा कि 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' को लेकर एक विषय उभरता रहा कि 'क्रॉप कटिंग एक्सपेरिमेंट' सही नहीं होते, पारदर्शिता की कमी रहती है। जिस किसान की फसल का नुकसान हुआ उसको लाभ नहीं मिलता और जिसका नुकसान नहीं हुआ उसको लाभ मिल जाता है। लेकिन अब सैटेलाइट आधारित रिमोट सेंसिग के माध्यम से फसल के नुकसान का भी सही आकलन लगाया जा सकता है। उपग्रह चित्रों के माध्यम से भी किसान भाइयों-बहनों को सही मुआवजा देना सुलभ हुआ है।

गाजियाबाद में कुत्ते को खाना खिलाया

डॉग लवर महिला पर युवक ने सरेआम बरसाए थप्पड़

एजेंसी ▶▶ गाजियाबाद

यहां के विजय नगर थाना क्षेत्र के तहत आने वाले सिद्धार्थ विहार के ब्रह्मपुत्र एनक्लेव सोसाइटी में आवारा कुत्ते को खाना खिलाने को लेकर एक शख्स ऐसा भड़का कि उसने एक महिला को सरेआम थप्पड़ बरसा दिए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो को संज्ञान में लेकर कारवाई की और सुसंगत धाराओं में आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

युवक ने महिला को रोकने की कोशिश की

यह घटना उस वक्त घटी जब एक डॉग लवर महिला सोसाइटी में आवारा कुत्तों को खाना खिला रही थी। इसी दौरान युवक ने महिला को रोकने की कोशिश की। महिला से उसकी बहस हो गई। फिर युवक महिला पर भड़क गया।

देश के सबसे अमीर मुख्यमंत्रियों की सूची में नायडू फिर टॉप पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू एक बार फिर भारत के सबसे अमीर मुख्यमंत्रियों की वार्षिक सूची में शीर्ष पर रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट में यह जानकारी मिली। रिपोर्ट के अनुसार नायडू की घोषित 931 करोड़ की संपत्ति का अधिकांश हिस्सा उनके परिवार की शुद्ध डेयरी खुदरा कंपनी हेरिटेज फूड्स लिमिटेड में हिस्सेदारी से आया है। इसे उन्होंने 33 साल पहले बिना किसी सरकारी सहायता के स्थापित किया था। एडीआर की रिपोर्ट मुख्यमंत्रियों के पिछले विधानसभा चुनाव से पहले दायर हलफनामों पर आधारित है। इसमें पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी को सूची में सबसे नीचे बताया गया है।

मुंबई-कुशीनगर एक्सप्रेस का मामला

ट्रेन के टॉयलेट में मिला 5 साल के बच्चे का शव

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मुंबई-कुशीनगर एक्सप्रेस के एसी कोच बी-2 के बाथरूम में कूड़ेदान के अंदर 5साल के बच्चे का शव मिलने से ट्रेन में सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। रेलवे अधिकारियों और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।

अपहरण की कहानी आ रही सामने

शुरुआती छानबीन में यह पता चला कि बच्चे का अपहरण उसके ही रिश्तेदार ने किया था और इस मामले में मौसेरे भाई भी शामिल था। पुलिस ने घटनास्थल पर यात्रियों और कर्मचारियों के बयान दर्ज कर पूरे मामले की गंभीरता से पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस अपहरण और हत्या दोनों पहलुओं पर गहन जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि बच्चे का अपहरण क्यों किया गया और उसकी हत्या किन परिस्थितियों में हुई।

पीलीभीत में कार और टेंपो की भिड़ंत

जहानाबाद क्षेत्र के पास हादसा

दर्दनाक हादसे में 5 लोगों की मौके पर मौत व 5 गंभीर रूप से घायल

एजेंसी ▶▶ पीलीभीत

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के थाना जहानाबाद क्षेत्र के विशेन गांव के पास शनिवार को एक भीषण सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार और टेंपो की आमने-सामने टक्कर के कारण हुआ। टेंपो सवारियों को लेकर अमरिया जा रहा था, जो बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर खाई में जा गिरा। वहीं हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए मोर्चरी भेजा और घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया.।घायलों में दो बच्चे, एक महिला और पुरुष शामिल हैं, जिनमें से 2 की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया।

कार का ड्राइवर मौके से फरार, जांच शुरू

कार की तेज रफ्तार और चालक की लापरवाही की वजह से यह हादसा हुआ है। चश्मदीदों की मानें तो टक्कर इतनी जोरदार थी कि टेंपो के परखच्चे उड़ गए और हादसे के बाद कार का ड्राइवर मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वहीं हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने भी रेस्क्यू में सहायता की। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह और सीएमओ ने सभी घायलों को उपचार कराने में कराने में जुटे है। वहीं पुलिस पूरे मामले की कार्रवाई में जुटी है।

कर्नाटक के कांग्रेस विधायक को ईडी ने किया गिरफ्तार

12 करोड़ नकद, 6 करोड़ के गहने और 10 किलो चांदी जब्त

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बताया कि कर्नाटक के कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र कुमार उर्फ 'पप्पी' को अवैध ऑनलाइन और ऑफलाइन सट्टेबाजी मामले में शनिवार को सिक्किम से धन शोधन निरोधक कानून के तहत गिरफ्तार किया गया। संघीय जांच एजेंसी ने यह भी बताया कि उसने शुक्रवार को कई राज्यों में की गई छापेमारी के बाद 12 करोड़ रनकद (लगभग एक करोड़ की विदेशी मुद्रा सहित), 6 करोड़ रके सोने के आभूषण, लगभग 10 किलोग्राम चांदी और 4 वाहन जब्त किए।

वीरेंद्र पर अवैध ऑनलाइन और ऑफलाइन सट्टेबाजी मामले में कार्रवाई

भाई और बेटे से जुड़ी संपत्ति भी जब्त की

ईडी ने बताया कि चित्रदुर्ग के 50 साल के विधायक को शुक्रवार को सिक्किम की राजधानी गंगटोक में एक नामित मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया और बेंगलुरु की न्यायिक अदालत में पेश करने के लिए ट्रांजिट रिमांड हासिल की गई। ईडी का बेंगलुरु जोन मामले की जांच कर रहा है। वीरेंद्र के भाई केसी नागराज और उनके बेटे पृथ्वी एन राज के ठिकानों से संपत्ति से जुड़े कई दस्तावेज भी जब्त किए गए। ईडी ने कहा कि उनके अन्य सहयोगी, जैसे कि एक और भाई केसी थिप्पेस्वामी, दुबई से ऑनलाइन गेमिंग का संचालन संभाल रहे हैं।'

30 ठिकानों पर की छापेमारी

विधायक की गिरफ्तारी गंगटोक से हुई है। बताया जा रहा है कि विधायक अपने कुछ साथियों के साथ गंगटोक में कसीनो के लिए एक जमीन लीज पर लेने के लिए गए थे। ईडी ने वीरेंद्र के 30 ठिकानों पर छापेमारी की थी।

कसीनो के पट्टे के लिए बागडोगरा होते हुए गंगटोक गए

ईडी ने बताया कि उनके अन्य सहयोगी, भाई थिप्पेस्वामी,और राज, दुबई से ऑनलाइन गेमिंग का संचालन संभाल रहे हैं। यह पता चला कि वीरेंद्र, सहयोगी एक ज़मीनी कसीनो को पट्टे पर लेने के लिए व्यावसायिक यात्रा पर बागडोगरा होते हुए गंगटोक गए थे। तलाशी के दौरान ज़ब्त की गई आपत्तिजनक सामग्री से नकदी और अन्य धनराशि के जटिल स्तरीकरण का संकेत मिलता है। अपराध की आगे की जांच के लिए वीरेंद्र को गंगटोक से गिरफ्तार किया गया और न्यायिक मजिस्ट्रेट, गंगटोक, सिक्किम के समक्ष पेश किया गया और उन्हें बैंगलोर स्थित न्यायिक न्यायालय में पेश करने के लिए ट्रांजिट रिमांड प्राप्त किया गया।

इक्विटी फंड ने 5 साल में 4 गुना दिया निवेशकों को मुनाफा

- ऐसे करीब दस फंडों को मिली 4 से 5 स्टार की ऊंची रेटिंग
- निवेशकों ने भी जमकर लगाए पैसे और बन गए करोड़पति
- एसआईपी पर भी 24 से 30% तक का एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया
- 5 साल में लंपसम निवेश पर 26 से 37 फीसदी तक रिटर्न दिया

इक्विटी फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से शेयर बाजार में निवेश करता है। इसका उद्देश्य निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करना है, जिससे वे अपने निवेश पर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकें।

इक्विटी फंड के प्रकार

- 1. लार्ज-कैप फंड : ये फंड बड़े कैप शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर अच्छी तरह से स्थापित कंपनियों के शेयर होते हैं।
- 2. मिड-कैप फंड : ये फंड मध्यम आकार की कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर तेजी से बढ़ने वाली कंपनियां होती हैं।
- 3. स्मॉल-कैप फंड : ये फंड छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर उच्च जोखिम और उच्च रिटर्न की संभावना के साथ आते हैं।
- 4. सेक्टोरल फंड : ये फंड विशिष्ट क्षेत्रों या उद्योगों में निवेश करते हैं, जैसे कि टेक्नोलॉजी, फार्मास्यूटिकल्स, या ऑटोमोबाइल।

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड्स को लॉन्ग टर्म यानी लंबी अवधि में वेल्थ क्रिएशन के लिए जाना जाता है। इक्विटी फंड्स में इस लॉन्ग टर्म का मतलब कम से कम 3 साल कहा जाता है, लेकिन आमतौर पर 5 साल या उससे ज्यादा समय में और भी बेहतर नतीजे मिलते हैं। हम यहां ऐसे ही टॉप 10 इक्विटी फंड्स की जानकारी दे रहे हैं, जिन्होंने पिछले 5 साल में निवेशकों की पूंजी को कम से कम 4 गुना या उससे भी ज्यादा कर दिया है। इन सभी फंड्स ने सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) पर भी 24 से 30% तक का एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया है। खास बात यह है कि इन 10 में से 6 फंड्स की रेटिंग 5 स्टार और चार की रेटिंग 4 स्टार है। वहीं, निवेशकों ने भी इन फंडों में जमकर निवेश किया और अपनी रकम बढ़ाई। जिन टॉप 10 इक्विटी फंड्स ने पिछले 5 साल में लंपसम निवेश पर सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है, उनमें सबसे ज्यादा 5 स्मॉल कैप फंड हैं। इनके अलावा इस लिस्ट में 4 इंफ्रास्ट्रक्चर फंड और एक मिडकैप फंड भी शामिल हैं। इन फंडों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसे की कुछ फंडों के बारे में जिन्होंने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया।

क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 37.23%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,86,659 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.09%
- रेटिंग : 4 स्टार

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 35.66%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,59,555 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 30.03%
- रेटिंग : 5 स्टार

मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 35.14%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,50,791 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 30.32%
- रेटिंग : 5 स्टार

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड-डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 34.53%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,40,573 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 25.48%
- रेटिंग : 5 स्टार

फ्रैंकलिन बिल्ड इंडिया फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.67%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,26,807 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.91%
- रेटिंग : 5 स्टार

बंधन स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.46%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,23,390 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 28.80%
- रेटिंग : 5 स्टार

इनवेस्को इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.31%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,20,955 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.03%
- रेटिंग : 5 स्टार

एलआईसी इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.58%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,09,697 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 28.17%
- रेटिंग : 4 स्टार

टाटा स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.40%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,06,893 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 24.21%
- रेटिंग : 4 स्टार

कैनरा रोबेको इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.40 %
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,06,846 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.94%
- रेटिंग : 4 स्टार

हाई रिटर्न के साथ जुड़ा हाईरिस्क
ऊपर जिन टॉप 10 इक्विटी फंड्स का डिटेल दिया गया है, उन सभी में हाई रेटिंग और हाई रिटर्न के साथ ही साथ वेरी हाई रिस्क भी जुड़ा हुआ है। यही वजह है कि इनमें निवेश से जुड़ा कोई भी फैसला करने से पहले अपनी जोखिम बर्दाश्त करने की क्षमता को जरूर परख लेना चाहिए। निवेशकों को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि म्यूचुअल फंड्स में पिछले रिटर्न के आगे भी जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती। इसलिए निवेश करने से पहले अपनी क्षमता और लक्ष्य तय कर लें। इसके बाद ही निवेश करें। इससे निवेशकों को परेशानी नहीं होगी और आसानी से अपने पैसे को बढ़ा सकेंगे।

दूसरों को देखकर नहीं चलें, सही आदतें आपको बनाएंगी धनवान

- आपकी एक छोटी सी आदत भविष्य को बचाने में सक्षम
- अनावश्यक खर्च पर रोक लगाएं, सही जगह निवेश करें
- बजट बनाएं, इसके लिए 50/30/20 का नियम फॉलो करें

जानकारी

बिजनेस डेस्क

आज के समय में हर कोई फाइनेंशियली मजबूत और सुरक्षित बनना चाहता है। लेकिन इसके लिए केवल पैसे बचाना ही काफी नहीं है, बल्कि सही आदतें अपनाकर अनुशासित वित्तीय जीवन जीना जरूरी है। ऐसी आदतें आपके भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने में सक्षम हैं। आज के इस दौर में फाइनेंशियल रूप से मजबूत और सेफ महसूस करना हर किसी की चाहत होती है। इसके लिए फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी को समझना और उसको निभाना बहुत जरूरी होता है। यह केवल पैसे बचाने या खर्च करने तक सीमित नहीं होता है, बल्कि यह एक सोच है जो आपको एक अनुशासित और आरामदायक जीवन जीने में मदद करती है। तो समझेंगे फाइनेंशियल रूप से मजबूत बनने के लिए किन बातों का ध्यान रखें। बाजार में जाएं तो ऑफर और दूसरों लोगों को देखकर ललचाएं नहीं, बल्की अपने बजट के हिसाब से ही खरीदारी करें। इससे आप अपने अनावश्यक खर्च पर रोक लगा सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसी की कुछ खास आदतें जो आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगी।

इमरजेंसी फंड को बनाना
लाइफ में कभी भी बिन बुलाए वाली घटनाएं हो सकती हैं, जैसे नौकरी छूटना, अचानक कोई बीमारी आ जाना या घर में कोई बड़ी मरम्मत का काम निकलना आदि। तो ऐसे में, अगर आपके पास एक इमरजेंसी फंड होगा, तो आपको किसी से उधार या फिर लोन लेने या अपनी बचत को हाथ लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह फंड आपके 3 से 6 महीने के मासिक खर्चों के बराबर का होना ही चाहिए।

बजट बनाना और उसका पालन करना
बजट बनाना फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का सबसे अहम कदम माना जाता है.तो इसका मतलब ये है अपनी इनकम और खर्च पर नजर रखना. आप कहां से कमा रहे हैं और कहां खर्च कर रहे हैं, यह जानना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए एक फेमस रूल है 50/30/20 का नियम- 50% इनकम आपकी जरूरतों पर खर्च हो, जैसे किराया, बिजली, और भोजन आदि।

सोच-समझकर इन्वेस्टमेंट करें
केवल पैसे बचाना ही काफी नहीं होता है, इस पैसे को सही जगह पर निवेश करना भी जरूरी होता है, ताकि आपका पैसा बढ़ सके। असल में इन्वेस्टमेंट के कई ऑप्शन होते हैं, जैसे स्टॉक मार्केट, म्यूचुअल फंड, या फिक्स्ड डिपॉजिट. तो अपनी रिस्क क्षमता और अपने टारगेट के आधार पर निवेश करना चाहिए। लॉन्ग टर्म के निवेश आपके बड़े लक्ष्यों, जैसे घर खरीदना या बच्चों की शिक्षा, को पूरा करने में मदद कर सकते हैं। इसलिए जो पैसा बचाएं उसे सही जगह पर निवेश करें जो समय के हिसाब से महंगाई को मात देने में सक्षम हो।

बीमा करवाएं, महत्व समझें
हेल्थ इंश्योरेंस : यह आपको मेडिकल इमरजेंसी में फाइनेंशियल संकट से बचाता है। हमेशा एक अच्छी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी होने से आप अपनी बचत पर अनावश्यक बोझ से बच जाते हैं।
टर्म लाइफ इंश्योरेंस : तो अगर आपके परिवार में आप ही एकमात्र कमाने वाले हैं, तो यह बीमा आपकी अनुपस्थिति में आपके परिवार को फाइनेंशियल हेल्प देने का काम करता है।

दूसरों की देखा-देखी खर्च नहीं करें
अक्सर हम अपने दोस्तों या पड़ोसियों को देखकर फालतू के एस्ट्रा पैसे खर्च करने लगते हैं। इसको लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन कहा जाता है। फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का मतलब है अपनी जरूरतों और क्षमताओं के अनुसार जीना, ना कि दूसरों को इंप्रेस करने के लिए खर्च करना। आपकी आर्थिक स्थिति और लक्ष्य आपके लिए सबसे जरूरी होने चाहिए।

अपने फाइनेंशियल टारगेट को समझना
आपके फाइनेंशियल टारगेट साफ होने चाहिए। चाहे वह रिटायरमेंट के लिए बचत करना हो,या एक नई कार खरीदना हो या कर्ज चुकाना हो, हर टारगेट के लिए एक टाइम लिमिट और एक प्लानिंग होनी चाहिए. अपने टारगेट को छोटे, मध्यम और लंबी अवधि में बांटें। फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का मतलब है कि अपने पैसे को सही तरह से प्लान करें। यह आपको ना केवल वर्तमान में बल्कि फ्यूचर में भी एक सेफ और स्थिर लाइफ जीने का अवसर देता है।

बिजनेस शुरू करने के लिए ऐसे बनाएं 'परफेक्ट' बजट, नहीं होगा नुकसान

- बिजनेस शुरू करने से पहले एक मजबूत बजट बनाना बेहद जरूरी
- सही प्लानिंग से खर्चों पर नियंत्रण, मुनाफे की योजना बनाएं
- फ्यूचर के लिए क्लियर रोडमैप तैयार करें, इसके बाद बिजनेस शुरू करें

तैयारी

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी अपना कोई बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो कुछ नियम फॉलो करें। इससे आपका बिजनेस आगे बढ़ेगा अब नुकसान होगा। बिजनेस शुरू करने के लिए सबसे पहले 'परफेक्ट' बजट बनाएं। इसके बाद उस पर अमल करें। असल में किसी भी बिजनेस के लिए एक मजबूत बजट बनाना उसकी सफलता के लिए बेहद जरूरी होता है। बजट सिर्फ खर्चों को ट्रैक करने के बारे में नहीं है, बल्कि फ्यूचर के लिए एक साफ फाइनेंशियल रोडमैप तैयार करने के बारे में भी होता है। इस रिपोर्ट में आपको ऐसे ही टिप्स बताएंगे जो आपके बिजनेस के लिए बेहतर होंगे। यदि आप इनका पालन करेंगे तो कारोबार में नुकसान होगा और आपकी पूंजी बढ़ेगी। सही प्लानिंग से खर्चों पर नियंत्रण, मुनाफे की योजना और फ्यूचर के लिए क्लियर रोडमैप तैयार किया जा सकता।

रेवेन्यू का विश्लेषण करें
सबसे पहले, आपको अपनी सभी रेवेन्यू स्ट्रीम को पहचानना होगा। आप कम से कम पिछले 12 महीनों के डेटा का विश्लेषण जरूर करें। आप यह देखें कि आपके बिजनेस की मासिक इनकम में कैसे उतार-चढ़ाव आते हैं और क्या कोई सीजनल पैटर्न इसमें काम आया है। यह उदाहरण के लिए, अगर छुट्टियों के मौसम में आय बढ़ सकती है, बकि गर्मियों में कम हो सकती है। इसको समझकर ही आप आने वाले महीनों के लिए आय का अनुमान लगा सकते हैं।

निश्चित लागत घटाएं
इनकम का अनुमान लगाने के बाद, अपने फिक्स कॉस्ट को घटाना चाहिए। ये वो खर्चे हैं जो आपके बिजनेस की एक्टिविटी से नहीं बदलते, जैसे किराया, कर्मचारियों का वेतन, बीमा और संपत्ति लोन। ये खर्चे हर महीने या साल लगभग एक जैसे रहते हैं, इसलिए इन्हें आसानी से घटाया जा सकता है। बजट बनाते समय गैर-जरूरी और बदलने वाले खर्चों को घटाएं। ये खर्चे आपके बिजनेस की गतिविधि के साथ बदलते रहते हैं। तो जैसे-जैसे उत्पादन या बिक्री बढ़ती है, ये खर्चे भी बढ़ने लगते हैं। इनमें कच्चे माल की लागत, घंटे के हिसाब से काम करने वाले कर्मचारियों की मजदूरी आदि शामिल हैं। आप चाहें तो पिछले डेटा का उपयोग करके भी इनका अनुमान लगा सकते हैं।

आपात स्थिति के लिए फंड
बजट बनाते समय, अप्रत्याशित खर्चों के लिए हमेशा कुछ पैसा अलग रखना जरूरी होता है। इसे कंटिजेंसी फंड या इमरजेंसी फंड भी कहते हैं। यह राशि तब काम आती है जब बिजनेस में यूज होने वाला कोई जरूरी चीज अचानक खराब हो जाए या कोई और अप्रत्याशित खर्च आ जाए. ऐसे में एक्सट्रा इमकम को तुरंत खर्च करने की जगह, इस फंड में जमा करना बेस्ट होगा।

अपने बेनेफिट्स को समझें
बजट बनाते समय आप कुल अनुमानित आय से सभी तय और बदलते खर्च घटाएं। ऐसे में बची हुई राशि आपका शुद्ध लाभ है। अगर यह धनात्मक है तो मुनाफा, और अगर ऋणात्मक है तो घाटा। इस आंकड़े की तुलना पुराने बेनेफिट्ल से करें, ताकि पता चल सके कि अनुमान सही है या फिर नहीं। ऐसा करके आप काम शुरू करेंगे तो आपको कभी भी नुकसान का सामना नहीं करना पड़ेगा। आपका कारोबार दिन दूनी और रात चौगुनी गति से बढ़ेगा। बिजनेस में आपका भविष्य सुरक्षित रहेगा। काम शुरू करने से पहले एक बार अपने प्रोडक्ट का भी देखें और उसका रिव्यू करते रहे।

बजट का रिव्यू करें
बजट कोई फिक्स डाक्यूमेंट्स नहीं होता है। इसका हर मंथ या तिमाही में रिव्यू करना और जरूरत के अनुसार एडजस्ट करना जरूरी है। जब आपकी इनकम बढ़ती है या खर्चे बदलते हैं, तो आपको अपने बजट में भी चेंज करना होगा। अपने सही प्रदर्शन की तुलना अपने बजट से करें और फिर देखें और समझें कि आप कहां पर अच्छा कर रहे हैं और कहां सुधार की जरूरत फिलहाल है। नियमित रिव्यू करने से आप अपने फाइनेंशियल टारगेट को ट्रैक पर रख सकते हैं।

मुनाफे की निगरानी व समीक्षा
अपने मुनाफे की निगरानी करें और आवश्यकतानुसार बदलाव करें। अपने मुनाफे की समीक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि वे आपके वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर रहे हैं। अपने व्यवसाय के वित्तीय पहलुओं का प्रबंधन करें, जैसे कि आय, व्यय, और मुनाफा। अपने व्यवसाय के नकदी प्रवाह का प्रबंधन करें, जैसे कि आय और व्यय का समय पर प्रबंधन।

बाजार अनुसंधान व विश्लेषण
अपने उत्पाद या सेवा के लिए बाजार की मांग और प्रतिस्पर्धा का विश्लेषण करें। अपने ग्राहकों की जरूरतों और पसंदों का विश्लेषण करें। अपने वित्तीय लक्ष्यों और बाजार अनुसंधान के आधार पर व्यवसाय योजना का निर्माण करें। मुनाफे की रणनीति तैयार करें, जैसे कि मूल्य निर्धारण, विपणन, और बिक्री।

अलर्ट 25, 30 और 35 की उम्र वाले एसआईपी के लिए प्लानिंग करें, अगर निवेश में देरी करते हैं तो लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होगा

निवेश शुरू करने में जितनी जल्दी करेंगे, लक्ष्य उतनी ही जल्दी मिलेगा, अपने टारगेट को हासिल करने के लिए उम्र के हिसाब से निवेश बढ़ाना होगा

रिटायरमेंट पर चाहिए 10 करोड़ तो उम्र के हिसाब से करें प्लानिंग, भविष्य होगा सुरक्षित

समझदारी

बिजनेस डेस्क

अगर आप 25 साल के हैं और आपसे पूछा जाए कि आपको रिटायरमेंट के समय कितना फंड चाहिए। आज से 35 साल बाद और महंगाई को देखते हुए रिटायरमेंट पर 10 करोड़ फंड आपकी नॉन वर्किंग लाइफ को आसान बना सकते हैं। यही 10 करोड़ का फंड हासिल करने के लिए अगर आप तुरंत सही से प्लानिंग करें तो यह आसान होगा, लेकिन जैसे जैसे देरी करते जाएंगे, यह फंड उतना ही दूर होता जाएगा। इसलिए अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए समय से प्लानिंग करें। आप जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे उतनी जल्दी ही करोड़पति बनेंगे। बस आपको अपना लक्ष्य और रिस्क क्षमता को देखकर निवेश करना होगा। रिटायरमेंट पर दस करोड़ का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं तो आज आपकी जो उम्र है उसके हिसाब से प्लानिंग करें। तभी यह लक्ष्य हासिल कर पाएंगे। 25, 30 और 35 की उम्र वाले एसआईपी के लिए बेहतर प्लानिंग कर सकते हैं। इससे आपका भविष्य सुरक्षित होगा और बच्चों के खर्चों में भी दिक्कत नहीं होगी।

निवेश में देरी लक्ष्य को बनाएगा मुश्किल
अगर हम निवेश में देरी करते हैं तो लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होता जाता है. अगर आप रिटायरमेंट (60 साल) पर 10 करोड़ रुपये का लक्ष्य (**Retirement Corpus**) ध्यान में रखकर निवेश करते हैं और अनुमानित रिटर्न 12 फीसदी सालाना मानते हैं तो 20 साल के निवेशक जहां हर महीने 8,500 रुपये एसआईपी करनी होगी, वहीं 30 साल वालों को करीब 28,500 रुपये. अगर 40 की उम्र में आ गए तो इस लक्ष्य को पाने के लिए हर महीने 1,00,000 रुपये निवेश करना होगा. इसलिए निवेश जितना जल्दी हो सके, शुरू करें।

20 की उम्र में निवेश ऐसे करें
- मंथली एसआईपी : 8500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12%
- ड्यूरेशन : 40 साल
- 40 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,10,00,572 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 40 साल में कुल निवेश : 40,80,000 रुपये (करीब 41 लाख रुपये)

25 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 15,500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- ड्यूरेशन : 35 साल
- 35 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,06,76,671 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 35 साल में कुल निवेश : 65,10,000 रुपये (करीब 65 लाख रुपये)

30 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 28500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- ड्यूरेशन : 30 साल
- 30 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,06,02,543 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 30 साल में कुल निवेश : 1,02,60,000 रुपये (करीब 1 करोड़ रुपये)

35 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 53,000 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- ड्यूरेशन : 25 साल
- 25 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,05,74,660 रुपये (करीब 10.06 करोड़ रुपये)
- 25 साल में कुल निवेश : 1,59,00,000 रुपये (करीब 1.59 करोड़ रुपये)

40 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 1,00,000 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12%
- ड्यूरेशन : 20 साल
- 20 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 9,99,14,792 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 20 साल में कुल निवेश : 2,40,00,000 रुपये (करीब 2.40 करोड़ रुपये)

लम्प सम : 100 गुना रिटर्न
एक रिपोर्ट के अनुसार अगर आप 20 की उम्र में 1 लाख रुपये लम्प सम निवेश करते हैं और उस पर 12 फीसदी सालाना रिटर्न मिले तो 60 की उम्र तक आपकी दौलत बढ़कर 93 लाख रुपये हो जाएगी। लेकिन अगर आपने यह निवेश 25 साल की उम्र में किया होता, तो आपके निवेश की वैल्यू 53 लाख रुपये होगी। अगर आपने 30 साल की उम्र में यही निवेश किया होता तो 60 की उम्र में वैल्यू 29 लाख रुपये होगी। और अगर आपने 40 साल की उम्र में यही निवेश किया होता तो 60 की उम्र में वैल्यू सिर्फ 9 लाख रुपये होगी। यानी, जितनी देर से शुरुआत करेंगे, फायदा उतना ही कम होगा। इसलिए बेहतर है कि निवेश की शुरूआत जितना जल्दी हो, उतना जल्दी करें। एसआईपी कैलकुलेशन में भी आपने देखा होगी कि देर से निवेश करने पर लक्ष्य हासिल करने के लिए अर्ली इन्वेस्टर्स की तुलना में कई गुना अमाउंट निवेश करना पड़ता है।

यूएस ओपन के लिए सिनर बहा रहे पसीना, कहा- बेहद कठिन टूर्नामेंट, जीतना आसान नहीं

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

गत विजेता जानिक सिनर एक बार फिर से यूएस ओपन 2025 में पुरुष एकल वर्ग का खिताब जीतने के लिए तैयार हैं। लगातार दो साल यूएस ओपन जीतना आसान नहीं होता। लेकिन, इस कठिन उपलब्धि को हासिल करने के लिए सिनर कड़ी मेहनत कर रहे हैं। बीमारी की वजह से सिनसिनाटी ओपन के फाइनल के बीच से हटने वाले सिनर यूएस ओपन के लिए न्यूयॉर्क पहुंचकर खुश हैं।

सिनर ने कहा, "मैं यहां वापस आकर बहुत खुश हूं। यह एक शानदार टूर्नामेंट है। सीजन का यह आखिरी ग्रैंड स्लैम है, इसलिए हमारा उत्साह ज्यादा है। शारीरिक रूप से मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैं लगभग पूरी तरह से ठीक हो गया हूं। टूर्नामेंट शुरू होने से पूर्व में फिटनेस के उच्चतम स्तर पर पहुंचना चाहता हूं।"

प्रतिद्वंद्विता होना बहुत अच्छी बात

अल्काराज के साथ अपने रिश्ते पर सिनर ने कहा, "प्रतिद्वंद्विता होना बहुत अच्छी बात है, यह खेल के लिए अच्छा है। यह व्यक्तिगत दृष्टिकोण के लिए भी अच्छा है, क्योंकि कभी-कभी जब आप अभ्यास में थक जाते हैं, तो आप कुछ चीजों की नकल करने की कोशिश करते हैं, क्योंकि वे असली मैच में भी हो सकती हैं। इस समय मैं और कार्लोस बड़ी ट्रॉफियां साझा कर रहे हैं, लेकिन चीजे बदल भी सकती हैं। आप कभी नहीं जानते। मैदान पर बहुत ही शानदार खिलाड़ी हैं और फाइनल तक पहुंचना बहुत मुश्किल है। मैं हमेशा कहता हूं कि हमें सुधार करना होगा, क्योंकि खिलाड़ी अब हमें समझते हैं कि हम कैसे हैं।

क्वालीफायर मुकाबले 18 अगस्त से शुरू

यूएस ओपन साल का आखिरी ग्रैंडस्लैम है। इसी वजह से सभी प्लेयर्स अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। अब इसके लिए मंच पूरी तरह से तैयार है। यूएस ओपन 2025 के क्वालीफायर मुकाबले 18 अगस्त से शुरू हो चुके हैं। वहीं पुरुष और महिला वर्ग के पहले राउंड के मुकाबले 24 अगस्त से खेले जाएंगे।

सबालेंका को दिखाना होगा दम

पिछली बार वुमेंस सिंगल्स में यूएस ओपन 2025 का खिताब आर्याना सबालेंका ने जीता था। इस बार भी उनकी निगाहें जीत दर्ज करने पर होंगी। लेकिन यह इतना आसान नहीं होगा। उन्हें इगा स्विएटेक और जेसिका पेगुला से कड़ी टक्कर मिल सकती है। ऐसे में उन्हें खिताब जीतने के लिए तगड़ी मेहनत करनी होगी।

ग्रैंड स्लैम में कई छोटी-छोटी बातें भी फर्क डालती

सिनर से पूछा गया कि हाल के वर्षों में यूएस ओपन में खिताब बचाना इतना मुश्किल क्यों रहा है? उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यहां रात में या दिन में खेलने से बहुत कुछ बदल जाता है। इस ग्रैंड स्लैम में कई छोटी-छोटी बातें भी फर्क डालती हैं। यह बेहद मुश्किल टूर्नामेंट है, जीतना कभी भी आसान नहीं है। रोजर फेडरर एकमात्र ऐसे खिलाड़ी रहे हैं, जिन्होंने लगातार पांच साल (2004 से 2008) तक यूएस ओपन का खिताब जीता। टेनिस में मौजूदा समय में जानिक सिनर और कार्लोस अल्काराज के बीच कड़ी प्रतियोगिता देखने को मिलेगी। पिछले सात ग्रैंड स्लैम इन्हीं दोनों खिलाड़ियों ने जीते हैं। ऐसे में यूएस ओपन के पुरुष वर्ग का फाइनल भी इन्हीं दोनों के बीच होने की प्रबल संभावना है।

खबर संक्षेप

हिल्स ओपनः अवनि स्नेहा की अच्छी शुरुआत

गोटेनबर्ग। भारत की अवनि प्रशांत ने हिल्स ओपन गोल्फ के पहले दिन एक ओवर 72 के स्कोर के साथ संयुक्त 21वां स्थान हासिल कर लिया। स्नेहा सिंह भी संयुक्त 21वें स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड की मोमोका कोबोरी पहले दौर के बाद शीर्ष पर है, जिन्होंने चार अंडर पार स्कोर किया। भारत की हिताशी बख्शी संयुक्त 48वें और प्रणवि उर्स संयुक्त 71वें स्थान पर है। अमनदीप द्राल संयुक्त 86वें , त्वेसा मलिक संयुक्त 107वें और वाणी कपूर संयुक्त 123 वें स्थान पर हैं।

सिंक्यूफील्ड कप : गुकेश बाल-बाल बचे हार से प्रज्ञानानंदा ने खेला ड्रा

सेंट लुइस। ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंदा ने सिनक्यूफील्ड कप शतरंज के पांचवें दौर में फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव से ड्रॉ खेला जबकि विश्व चैंपियन डी. गुकेश हार से बाल बाल बचे और पोलैंड के डुडा जान क्रिस्टोफ के साथ अंक बांटे । पांचवें दौर में सभी मुकाबले ड्रॉ रहे। अमेरिका के फेबियानो कारुआना ने 3.5 अंक के साथ एकल बढ़त बना ली है। उन्होंने हमवतन वेसली सो से ड्रॉ खेला। दूसरे मुकाबलों में अमेरिका के सैमुअल सेवियान ने उजबेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव से ड्रॉ खेला जबकि लेवोन आरोनियन और फ्रांस के अलीरजा फिरोजा का मुकाबला भी बराबरी पर छूटा। प्रज्ञानानंदा दूसरे और आरोनियन तीसरे स्थान पर हैं जबकि गुकेश, फिरोजा, वेसली, सेवियान और वाचियेर लाग्रेव 2.5 अंक लेकर संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। ग्रैंड शतरंज टूर से शीर्ष चार खिलाड़ी इस साल के आखिर में होने वाले फाइनल में जगह बनाएंगे।

एआईएफएफ-एफएसडीएल खत्म करें विवादः सुको

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) और फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) से मास्टर राइट्स समझौते के नवीनीकरण से संबंधित मुद्दे को सुलझाने को कहा है क्योंकि इससे ही इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) का आगामी सत्र शुरू नहीं हो सका है।

गुयाना वॉरियर्स ने बनाए 211 रन, एंटीगुआ की टीम 128 में सिमटी

सीपीएल 2025 : टी20 में 5 विकेट लेने वाले सबसे उम्रदराज कप्तान बने ताहिर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कैरेबियन प्रीमियर लीग 2025 में एंटीगुआ और बारबुमा फाल्कन्स की टीम और गुयाना अमेजन वॉरियर्स की टीम के खिलाफ मैच खेला गया। इसमें गुयाना की टीम ने 83 रनों से जीत दर्ज की। टीम की जीत में 46 साल के कप्तान इमरान ताहिर ने अहम योगदान दिया और उन्होंने 4 ओवर में 21 रन देकर पांच विकेट झटके। गुयाना वॉरियर्स की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 211 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया। इसके बाद एंटीगुआ और बारबुमा फाल्कन्स की टीम सिर्फ 128 रनों पर ही सिमट गई।

ताहिर ने तोड़ा मोअज्जम अली बेग का वर्ल्ड रिकॉर्ड

इमरान ताहिर ने मैच में 4 ओवर में 21 रन देकर पांच विकेट हासिल किए। उनकी गेंदों को विरोधी टीम के बल्लेबाज समझ नहीं पाए और बुरी तरह से फ्लॉप साबित हुए। उन्होंने 46 साल और 148 दिन की उम्र में पांच विकेट हॉल हासिल किया है। वह टी20 क्रिकेट के इतिहास में पांच विकेट हॉल लेने वाले सबसे उम्रदराज कप्तान बन गए हैं। उन्होंने मलावी के कप्तान मोअज्जम अली बेग के वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ा है। मोअज्जम ने 39 साल की उम्र में मलावी की टीम से खेलते हुए कैमरून के खिलाफ पांच विकेट हॉल लिया था। अब इमरान ने कप्तान रहते हुए उनका रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया है।

इमरान ने टी20 क्रिकेट में किया कमाल

इमरान ताहिर टी20 क्रिकेट में पहले ऐसे कप्तान भी बन गए हैं, जिन्होंने टी20 क्रिकेट में 40 साल की उम्र से ज्यादा रहते हुए पांच विकेट हॉल हासिल किया है। इमरान से पहले कोई भी कप्तान टी20 क्रिकेट में 40 की उम्र पार करने के बाद पांच विकेट हॉल नहीं ले पाया है।

मलिंगा की कर ली बराबरी

इमरान ताहिर टी20 क्रिकेट में दूसरे सबसे ज्यादा पांच विकेट हॉल लेने वाले प्लेयर बन गए हैं। वह टी20 क्रिकेट में अभी तक पांच बार पांच विकेट हॉल ले चुके हैं। उन्होंने शाहीन अफरीदी, लासिथ मालिंगा, भुवनेश्वर कुमार, शाकिब अल हसन की बराबरी कर ली है। इन गेंदबाजों ने टी20 क्रिकेट में पांच-पांच बार पांच विकेट हॉल लिया था। टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा 7 बार पांच विकेट हॉल लेने का रिकॉर्ड डेविड वीसे के नाम है।

419 पारियों में इमरान ने हासिल किए 554 विकेट

इमरान ताहिर टी20 इतिहास के चौथे सबसे सफल गेंदबाज हैं। 2006 में अपना करियर शुरू करने वाले ताहिर ने अंतर्राष्ट्रीय और लीग क्रिकेट मिलाकर कुल 436 मैच खेले हैं, जिसकी 419 पारियों में गेंदबाजी करते हुए कुल 554 विकेट हासिल किए हैं। राशिद खान पहले, ड्वेन ब्रावो दूसरे और सुनील नरेन तीसरे स्थान पर हैं। टी20 में एक पारी में 5 विकेट लेने की उपलब्धि इमरान ताहिर पांच बार हासिल कर चुके हैं। इस फॉर्मेट में सर्वाधिक बार 5 विकेट लेने वालों की सूची में वह शाहीन अफरीदी, लसिथ मलिंगा, भुवनेश्वर कुमार, और शाकिब अल हसन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। डेविड विजा 7 बार पांच विकेट लेकर सूची में पहले स्थान पर हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुके पाकिस्तान मूल के इमरान ताहिर ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 20 टेस्ट में 57, 107 वनडे में 173 और 38 टी20 में 63 विकेट लिए हैं।

एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप

अर्जुन-इलावेनिल की जोड़ी ने जीता गोल्ड

एजेंसी ▶▶| शिमकेंट (कजाखस्तान)

भारत के अर्जुन बाबूता और इलावेनिल वालारिवन ने 16वीं एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

- 10 मीटर एयर राइफल में चीन के डिंगके लू और शिनलु पेंग को 17-11 से हराया

भारतीय जोड़ी ने चीन के डिंगके लू और शिनलु पेंग को 17-11 से हराया। चीनी जोड़ी शुरुआती दौर में आगे थी लेकिन भारतीय जोड़ी ने 9-5 और 10-1 के स्कोर से उबरते हुए शानदार वापसी करके स्वर्ण जीता। इलावेनिल इससे पहले महिला वर्ग में 10 मीटर एयर राइफल स्वर्ण जीत चुकी हैं।

जूनियर वर्ग में शांभवी-नारायण की जोड़ी ने जीता स्वर्ण

बाबूता ने रुद्रांक्ष पाटिल और किरण जाधव के साथ पुरुष 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में पीला तमगा जीता है। भारत की शांभवी श्रवण और नारायण प्रणव की जोड़ी ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम जूनियर वर्ग में स्वर्ण जीता। उन्होंने चीन को 16-12 से हराया। भारतीय टीम क्वालीफिकेशन में दो चीनी टीमों के पीछे थी लेकिन एक देश से एक ही टीम भाग ले सकती है तो चीन के तांग हुइकी और हान यिनान क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहने के कारण फाइनल में पहुंचे। भारतीय टीम ने 629-5 स्कोर किया जबकि चीन 2 का स्कोर 632-5 और चीन 1 का स्कोर 630 था। शांभवी ने 105- 4, 105-2 और 104-4 स्कोर किया जबकि प्रणव ने 103-7, 105-7 और 105-1 स्कोर किया। भारत की ईशा टकसाले और हिमांशु क्वालीफिकेशन में 628-6 स्कोर करके चौथे स्थान पर रहे।

राष्ट्रीय अंतर-राज्य एथलेटिक्स चैंपियनशिप

धनलक्ष्मी, अनिमेष, अन्नू ने बटोरी सुर्खियां

चेन्नई। तमिलनाडु की धनलक्ष्मी सेकर ने 200 मीटर दौड़ में खिताब के साथ अपना तीसरा स्वर्ण पदक जीता, जबकि पुरुष वर्ग में ओडिशा के अनिमेष कुजूर और उत्तर प्रदेश की भाला फेंक एथलीट अनु रानी ने शनिवार को राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैंपियनशिप में अपनी-अपनी स्पर्धाएं जीतकर सुर्खियां बटोरीं। इस साल की शुरुआत तक डोपिंग प्रतिबंध झेलने वाली 27 वर्षीय धनलक्ष्मी ने यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता के चौथे और अंतिम दिन महिलाओं की 200 मीटर दौड़ में 23.53 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता।

उत्तर प्रदेश की शिवानी सैनी (24.04 सेकंड) और गुजरात की साक्षी चव्हाण (24.05 सेकंड) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। धनलक्ष्मी इससे पहले 100 मीटर दौड़ और चार गुणा 100 मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं।

महिला विश्व कप

युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का शानदार मिश्रण भारतीय टीम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- 30 सितंबर से 2 नवंबर तक होगी स्पर्धा, भारत का पहला मैच श्रीलंका के खिलाफ

पूर्व हरफनमौला रीमा मल्होत्रा ने भारतीय महिला टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों के मिश्रण को शानदार करार देते हुए कहा कि यह विश्व कप में अब तक की सबसे मजबूत और घरेलू परिस्थितियों में चैंपियन बनने की दावेदार टीम है। भारत और श्रीलंका की मेजबानी में आईसीसी महिला वनडे विश्व कप का आयोजन 30 सितंबर से 2 नवंबर तक होगा। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज शुरुआती दिन गुवाहाटी में श्रीलंका के खिलाफ करेगी। भारत की 15 सदस्यीय टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के शानदार मिश्रण का जिक्र करते हुए रीमा ने कहा, ' यह किसी भी महिला विश्व कप को देखे तो भारत की सबसे मजबूत टीम है। भारतीय टीम में हरमनप्रीत (कौर), स्मृति मंधाना, जैमी (जेमिमा रोड्रिग्स), दीप्ति (शर्मा) जैसी अनुभवी खिलाड़ी है तो वहीं अमनजोत कौर, क्रांति गौड़, श्री चरणी और ऋचा घोष जैसे दमखम वाले युवा भी है।'

टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होंगे शारापोवा और ब्रायन बंधु

एजेंसी ▶▶| लंदन

रूस की पूर्व दिग्गज खिलाड़ी मारिया शारापोवा और अमेरिका के युगल विशेषज्ञ बॉब और माइक ब्रायन को टेनिस हाल आफ फेम में शामिल किया जाएगा । कैरियर ग्रैंडस्लैम पूरा करने वाली 10 महिला खिलाड़ियों में से एक शारापोवा ने 2004 में दो बार की गत चैंपियन सेरेना विलियम्स को हराकर विम्बलडन जीता था । उन्होंने 2006 में अमेरिकी ओपन, 2008 में आस्ट्रेलियाई ओपन और 2012 तथा 2014 में फ्रेंच ओपन जीता था।

वह डब्ल्यूटीए एकल रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाली पहली रूसी खिलाड़ी भी रहीं। उन्होंने 2012 लंदन ओलंपिक में रजत पदक भी जीता, जिसमें फाइनल में वह सेरेना से हारी थी। उन्होंने 2020 में 32 वर्ष की उम्र में खेल को अलविदा कहा। वहीं ब्रायन बंधुओं ने 16 पुरुष युगल ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं, जो एक रिकॉर्ड है। वे 438 सप्ताह तक नंबर एक जोड़ी रहे। उन्होंने अमेरिका को 2007 डेविस कप और 2012 ओलंपिक स्वर्ण भी दिलाया।

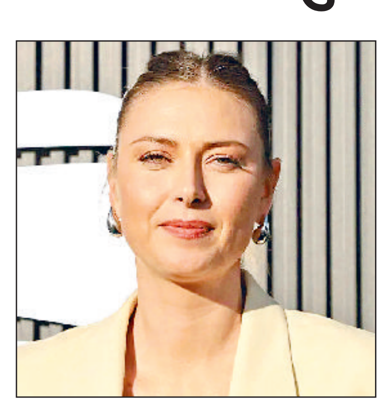

अंडर-20 विश्व चैम्पियनशिप

भारतीय ग्रीको रोमन पहलवानों का निराशाजनक प्रदर्शन

समोकोव (बुल्गारिया)। भारत के ग्रीको रोमन पहलवानों का अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा जहां शनिवार को प्रतियोगिता में भाग लेने वाले पांचों पहलवान पदक की दौड़ से बाहर हो गये। इन पांच में से चार पहलवान शुरुआती कुछ दौर में ही प्रतियोगिता से बाहर हो गये। टूर्नामेंट के ग्रीको रोमन वर्ग में सूरज पदक जीतने वाले इकलौते भारतीय रहे। उन्होंने शुक्रवार देर रात 60 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। भारत के लिए शनिवार को पदक का इकलौता मौका अनिल मोर ने बनाया लेकिन वह 55 किग्रा भार वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में जापान के डाइसुके मोरीशिता के खिलाफ 7-10 से हार गये। इसके साथ ही चैंपियनशिप में भारत का अभियान समाप्त हो गया। महिलाओं की टीम ने सात पदकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि पुरुषों की फ्रीस्टाइल टीम ने भी निराश किया। सुमित मलिक (57 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक) पदक जीतने वाले इकलौते पहलवान रहे। ग्रीको रोमन में गौरव (63 किग्रा) का क्वालीफिकेशन दौर में मुकाबला मोल्दोवा के डुमित्रु रैपेस्को के साथ 2-2 की बराबरी पर छूटा। वह हालांकि मानदंडों के आधार पर विजेता बने। उनके प्री-क्वार्टर फाइनल का परिणाम भी 1-1 रहा, लेकिन इस बार उन्हें अजरबैजान के तुरल अहमदोव से हार का सामना करना पड़ा।

विश्व चैंपियन टीम केरल में खेलेगी फीफा मैत्री मैच

इंतजार हुआ खत्म, अर्जेंटीना की टीम आएगी भारत

एजेंसी ▶▶| कोच्चि

तमाम अटकलों पर विराम लगाते हुए विश्व चैंपियन अर्जेंटीना ने पुष्टि कर दी है कि वह नवंबर में केरल में अज्ञात प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ फीफा का एक दोस्ताना मैच खेलेगी। मैच 10 से 18 नवंबर के बीच कोच्चि या तिरुवनंतपुरम में खेला जा सकता है।

अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडिल पर लिखा,'लियोनेल स्कालोनी की अर्जेंटीना फुटबॉल टीम 2025 में दो फीफा दोस्ताना मैच खेलेगी। पहला 6 से 14 अक्टूबर के बीच अमेरिका में खेला जाएगा। दूसरा 10 से 18 नवंबर के बीच अंगोला के लुआंडा और भारत के केरल (प्रतिद्वंद्वी अभी तय नहीं) में होगा।' केरल के खेलमंत्री वी. अब्दुरहमान ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडिल पर इसकी पुष्टि की कि कप्तान लियोनेल मेस्सी समेत विश्व कप विजेता अर्जेंटीना फुटबॉल टीम नवंबर में केरल आएगी। उन्होंने लिखा,'अर्जेंटीना की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम ने ऐलान किया है कि टीम नवंबर में फीफा विंडो में केरल में खेलेगी। लियोनेल मेस्सी की कप्तानी में विश्व कप जीतने वाली पूरी टीम यहां आएगी।' उन्होंने कहा,'हम अर्जेंटीना फुटबॉल संघ को इसके लिए धन्यवाद देते हैं । यह केरल फुटबॉल और पूरे खेल सेक्टर के लिए ऐतिहासिक पल है।' एएफए के बयान में हालांकि मेस्सी का जिक्र नहीं है और न ही राष्ट्रीय टीम का ब्यौरा है।

अर्जेंटीना टीम इससे पहले 2011 में आई थी कोलकाता

अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने 2022 फीफा विश्व कप में खिताब जीतने के बाद केरल से मिले समर्थन के लिए भी धन्यवाद दिया था। अर्जेंटीना ने फ्रांस को पेनल्टी शूट आउट में हराकर खिताब जीता था। इससे पहले अर्जेंटीना टीम की यात्रा को लेकर संशय था क्योंकि दौरे की पुष्टि नहीं हुई थी और केरल सरकार के अधिकारियों को अनुबंध करने में नाकाम रहने के लिए दोषी ठहराया गया था। अर्जेंटीना टीम इससे पहले 2011 में कोलकाता में वेनेजुएला के खिलाफ दोस्ताना मैच खेलने आई थी।

2024 में शुरू हुआ अर्जेंटीना टीम को केरल लाने का अभियान

मेस्सी की अगुवाई वाली अर्जेंटीना टीम को केरल लाने के अभियान ने सितंबर 2024 में तेजी पकड़ी जब अब्दुरहमान ने स्पेन जाकर अर्जेंटीना फुटबॉल संघ के अधिकारियों से मुलाकात की थी। एएफए के मुख्य वाणिज्यिक और विपणन अधिकारी लिएंड्रो पीटरसन ने हालांकि 8 अगस्त को कहा था कि टीम का केरल दौरा अभी तय नहीं है। लेकिन अब्दुरहमान ने इसे खारिज करते हुए कहा था,'पीटरसन एएफए के महत्वपूर्ण अधिकारी हैं लेकिन सिर्फ मार्केटिंग में। यह अनुबंध एएफए प्रमुख क्लाउडियो टापिया के साथ हुआ है।' अब्दुरहमान की स्पेन यात्रा सरकारी खर्च पर हुई थी, जिस पर 13 लाख चार हजार रुपए खर्च हुए थे। इससे विवाद भी हुआ था लेकिन उन्होंने यह कहकर बचाव किया था कि इस यात्रा से स्पेन, आस्ट्रेलिया और क्यूबा जैसे अहम देशों से खेल करार किए गए हैं।

हरिभूमि क्लासीफाइड विज्ञापन

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

चिकित्सा

सेक्स रोगों के लिए सलाह मुफ़्त
अशोक क्लीनिक
निकट पीतमपुरा मैट्रो स्टेशन दिल्ली
9811092140 संडे क्लोज

ग्राहक पर एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज का शिकंजा, अदालत से गैर–जमानती वारंट

नई दिल्ली।
एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने अपने एक ग्राहक, सुरेश गुप्ता, के खिलाफ कड़ा कदम उठाया है। जानकारी के अनुसार, सुरेश गुप्ता, ने **एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज** कंपनी से रू 2,87,166 का पर्सनल लोन दिल्ली भजनपुरा शाखा से लिया था, लेकिन तय समय पर किस्तों का भुगतान नहीं किया।
कंपनी ने बार–बार नोटिस भेजने के बावजूद भुगतान न होने पर दिल्ली के द्वारका कोर्ट में पीएएसए (PASA) शिकायत दर्ज करवाई। मामले की सुनवाई के दौरान जब आरोपी अदालत में पेश नहीं हुआ तो न्यायालय ने उसके खिलाफ गैर–जमानती वारंट (Non-Bailable Warrant) जारी कर दिया।
वारंट जारी होने के बाद जनकपुरी पुलिस स्टेशन द्वारा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सुरेश गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई से साफ संदेश गया है कि बकाया लोन की अदायगी में लापरवाही borrowers के लिए गंभीर कानूनी परिणाम ला सकती है।

भारत ने रक्षा क्षेत्र में अमेरिका को दिया बड़ा झटका, जीई कंपनी संग नहीं हुआ करार

फ्रांस की सेवरन कंपनी और डीआरडीओ मिलकर करेंगे 'जेट इंजन' का विकास

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टैरिफ विवाद के बीच भारत ने अमेरिका को बड़ा झटका दिया है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और फ्रांस की कंपनी सेफरन मिलकर भारत में 120 केएन क्षमता वाला पावरफुल जेट इंजन विकसित करेंगे। इस प्रोजेक्ट के तहत भारत को 100% टेक्नोलॉजी ट्रांसफर मिलेगा और इंजन की डिजाइन, विकास, टेस्टिंग, सर्टिफिकेशन और प्रोडक्शन पूरी तरह भारत में होगी। इस कदम से भारत का आत्मनिर्भर विमान निर्माण मजबूत होगा, जबकि अमेरिका के ट्रंप प्रशासन की उम्मीदें इस प्रोजेक्ट पर टिकी थीं, जिससे उन्हें तगड़ा झटका लगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को इस डील की पुष्टि करते हुए बताया कि भारत ने पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट और स्वदेशी इंजन निर्माण में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा लिया है। उन्होंने कहा कि शुरुआती एएमसीए यूनिट्स फिलहाल जीई-414 इंजन से उड़ान भरेंगी।

भविष्य में इंजनों का निर्माण भारत में होगा

भविष्य में नए 120 केएन क्षमता वाले इंजन का उत्पादन पूरी तरह भारत में होगा। भारत ने अपने स्वदेशी फाइटर जेट और इंजन निर्माण में महत्वपूर्ण रणनीतिक सफलता हासिल की है।

परियोजना लागत 7 अरब डॉलर

इस डील से भारत और फ्रांस के बीच तकनीकी और राजनीतिक साझेदारी भी और मजबूत होगी। डीआरडीओ के अनुसार, इस परियोजना की लागत लगभग 7 अरब डॉलर होगी। शुरुआती एमसीएम यूनिट्स फिलहाल जीई-414 इंजन से उड़ान भरेंगी, लेकिन भविष्य में नए इंजन का उत्पादन पूरी तरह भारत में ही होगा। इस परियोजना में अमेरिका की जीई और ब्रिटेन की रॉल्स रायस जैसी दिग्गज कंपनियां भी दावेदार थीं। फ्रांस के साथ यह समझौता भारत की एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों बोले

पीएम मोदी से यूक्रेन युद्ध को लेकर शांतिपूर्ण समाधान पर हुई चर्चा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री से बातचीत की जानकारी दी। खास बात यह है कि फ्रांस के राष्ट्रपति ने हिंदी में पोस्ट किया। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी से टेलीफोन पर यूक्रेन युद्ध को लेकर शांतिपूर्ण समाधान पर चर्चा की। इसके साथ ही फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि हम नई दिल्ली में आयोजित होने वाले एआई पर शिखर सम्मेलन के लिए काम कर रहे हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी को टैग किया और लिखा कि मैंने अभी-अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की है।

हमने यूक्रेन में युद्ध पर अपनी स्थिति पर सहमति जताई ताकि यूक्रेन और यूरोप की सुरक्षा की मजबूत गारंटी के साथ न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की ओर बढ़ सकें। व्यापार के मुद्दों पर, हम सभी क्षेत्रों में अपने आर्थिक आदान-प्रदान और अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर सहमत हुए हैं, यही हमारी संप्रभुता और स्वतंत्रता की कुंजी है। उन्होंने आगे लिखा कि पिछले साल फरवरी में पेरिस में आयोजित एआई एक्शन समिट के बाद हम 2026 में नई दिल्ली में आयोजित होने वाले एआई इम्पैक्ट समिट की सफलता के लिए काम कर रहे हैं। अधिक प्रभावी बहुपक्षवाद के लिए हमने 2026 में जी-7 की फ्रांसीसी अध्यक्षता और ब्रिक्स की भारतीय अध्यक्षता की तैयारी में मिलकर काम करने पर सहमति व्यक्त की है।

फाइल फोटो

खबर संक्षेप

बीएसएफ ने बॉर्डर पर सर्वल कैट को बचाया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने तस्करी की जा रही एक दुर्लभ जंगली बिल्ली अफ्रीकन सर्वल कैट को बचाया। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 3 हजार डॉलर (2.5 लाख रुपए) से लेकर 10 हजार डॉलर (8.5 लाख रुपए) तक होती है। जब जवानों को बिल्ली मिली तो वह लकड़ी के एक डिब्बे में बंद थी। यह घटना 22 अगस्त की सुबह तड़के हुई। तस्कर घनी झाड़ियों का फायदा उठाकर बांग्लादेश की ओर भाग गए।

सर्जियो गोर भारत में अमेरिका के नए राजदूत

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने करीबी सर्जियो गोर (38 वर्षीय) को भारत में अमेरिका का नया राजदूत नियुक्त किया है। सर्जियो गोर अभी व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति निजी कार्यालय के निदेशक पद पर तैनात हैं। वे दक्षिण और मध्य एशिया मामलों के भी विशेष प्रतिनिधि होंगे। भारतीय राजदूत के रूप में नियुक्ति पर सर्जियो गोर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आभार जताया। गोर ने एक्स पर लिखा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बहुत आभारी हूं। उन्होंने मुझे भारत में अपना अगला अमेरिकी राजदूत नियुक्त किया।

इसरो ने जारी किया विजन 2040 का रोडमैप

चंद्रयान-4 से लेकर चंद्रमा सैंपल रिटर्न मिशन प्रोजेक्ट शामिल

इसरो स्पेस रोडमैप 2040 न केवल भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं को रेखांकित करती है बल्कि देश को आने वाले वर्षों में वैश्विक स्तर पर अग्रणी अंतरिक्ष शक्तियों की कतार में खड़ा करने का संकल्प भी दिखाता है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में नई उड़ान भरते हुए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एक महत्वाकांक्षी रोडमैप 'इसरो स्पेस रोडमैप 2040' जारी किया है। इसरो ने ऐलान किया कि भारत वर्ष 2035 तक अपना खुद का भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (भारतीय अंतरिक्ष केंद्र-बीएएस) स्थापित करेगा, जो देश की वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमता को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। इसके साथ ही, 2040 तक भारत चंद्रमा से सैंपल लाने का भी लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी और इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने शनिवार को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर इस मिशन विज़न को साझा किया।

» *2040 में भारत चंद्रमा पर उतरेगा और नमूने लेकर आएगा*

» *दुनिया के अंतरिक्ष कार्यक्रमों की बराबरी कर लेगा भारत*

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और इसरो अध्यक्ष वी. नारायण ने अंतरिक्ष प्रदर्शनी का अवलोकन किया

एजीएल योजना को मंजूरी मिली

वी. नारायणन ने बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी ने नेक्स्ट जेनरेशन लॉन्चर (एनजीएल) पर काम के लिए मंजूरी दे दी है। 2040 तक भारत न केवल चंद्रमा पर उतरेगा, बल्कि वहां से मिट्टी और पत्थरों के नमूने भी लेकर वापस आएगा। नारायणन के अनुसार, उस समय भारत की अंतरिक्ष क्षमताएं दुनिया की अग्रणी अंतरिक्ष एजेंसियों के बराबर होंगी।

शुक्रयान ऑर्बिटर मिशन शामिल

इसरो के रोडमैप में चंद्रयान-4, शुक्रयान, डीप स्पेस मिशन और नेक्स्ट जेनरेशन लॉन्चर (एनजीएल) जैसी योजनाएं शामिल हैं। यह घोषणा न केवल भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं को रेखांकित करती है, बल्कि देश को आने वाले वर्षों में वैश्विक स्तर पर अग्रणी अंतरिक्ष शक्तियों की कतार में खड़ा करने का संकल्प भी दिखाती है।

इसरो ने भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के मॉडल का किया अनावरण

इसरो ने शनिवार को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर दिल्ली में भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) के मॉडल का अनावरण किया। इसरो का लक्ष्य 2028 तक परियोजना का पहला मॉड्यूल लॉन्च करना है और 2035 तक पूरा स्टेशन चालू हो जाने की उम्मीद है। बीएएस स्वदेशी अनुसंधान के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बनने के लिए तैयार है, जिसमें माइक्रोग्रैविटी अध्ययन और लंबी अवधि के मानव अंतरिक्ष मिशनों के लिए प्रौद्योगिकियों का परीक्षण शामिल है। भारत की अपनी स्वयं की कक्षीय प्रयोगशाला स्थापित करने की यात्रा, उसके अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक बड़ी छलांग है। यह अंतरिक्ष अन्वेषण में ग्लोबल लीडर के रूप में उसकी स्थिति को मजबूत करती है।

चंद्रयान-4 की तैयारी

इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी के विज़न के आधार पर भारत आने वाले वर्षों में कई ऐतिहासिक मिशनों को अंजाम देगा। उन्होंने कहा कि हम जल्द ही चंद्रयान-4 और एक शुक्रयान ऑर्बिटर मिशन लॉन्च करेंगे। हम 2035 तक बीएएस नामक एक अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने जा रहे हैं, तथा इसका पहला मॉड्यूल 2028 तक प्रक्षेपित कर दिया जाएगा।

उत्तराखंड के चमोली में फटा बादल

थराली क्षेत्र मलबे की चपेट में आया एक युवती का शव मिला, 11 घायल आईटीबीपी जवानों ने संभाला मोर्चा

एजेंसी ▶▶ चमोली

उत्तराखंड में एक बार भारी बारिश ने कहर बरपाया है। चमोली के थराली तहसील में देर रात बादल फटने से क्षेत्र में काफी नुकसान हुआ है। बादल फटने से काफी मलबा आया है, जिससे एसडीएम आवास समेत कई मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। चमोली के डीएम संदीप तिवारी ने यह जानकारी दी है। जनपद चमोली में अतिवृष्टि से थराली एवं आसपास के क्षेत्रों में भारी मात्रा में मलबा आने के कारण कई भवन और वाहन इसकी चपेट में आ गए।

एसडीआरएफ की टीमें मौके पर राहत एवं बचाव कार्य करते हुए प्रभावित भवनों और वाहनों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रही हैं। रास्ते तहस-नहस हो जाने से भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रेस्क्यू में भी जवानों को परेशानी उठानी पड़ रही है। तीनों विकासखंडों थराली, देवाल और नारायणबगड़ के सभी स्कूलों में भारी बारिश को देखते हुए अवकाश घोषित कर दिया गया है।

प्रभावितों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया

थराली में आई आपदा के बाद प्रशासन प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों में पहुंचाने में लगे हुए है। प्रशासन द्वारा तहसील परिसर, कुलसारी पॉलिटेक्निक आदि सुरक्षित स्थानों पर लोगों के रहने और खाने की व्यवस्था की जा रही है। वाहनों से प्रभावित लोगों को अलग-अलग स्थानों पर ले जाया जा रहा है। चमोली आपदा में सगवाड़ा में लापता हुई युवती का शव बरामद कर लिया गया है। 11 लोग घायल हैं जबकि एक लापता है। गांव में बिजली, पानी बाधित है। चमोली जनपद के थराली में आई आपदा में आईटीबीपी के जवानों ने भी मोर्चा संभाल दिया है। आईटीबीपी के जवान मलबे में दबे पेड़ों को कटाकर हटाने का प्रयास कर रहे है। साथ ही एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, डीडीआरएफ भी राहत बचाव कार्य मे जुटी हुई है।

सीएम धामी ने दुख जताया

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने चमोली जनपद के जनप्रतिनिधियों से फोन पर वार्ता कर बादल फटने से हुए नुकसान की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने आपदा पर गहरा दुख जताते हुए सभी जनप्रतिनिधियों से राहत और बचाव कार्यों में जिला प्रशासन का सहयोग करने का अनुरोध किया है। धामी ने कहा कि जिला प्रशासन, एनडीआरएफ, पुलिस मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्यों में जुटी है. स्थानीय प्रशासन के संपर्क में हूं और खुद स्थिति की गहन निगरानी कर रहा हूं।

बांग्लादेश में यूनुस सरकार ने मीडिया पर कसा शिकंजा

हसीना के बयानों को प्रसारित न करने की चेतावनी, उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शुक्रवार को मीडिया संस्थानों को अवामी लीग की नेता व अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के किसी भी बयान का प्रसारण या प्रकाशन न करने की चेतावनी दी है। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के प्रेस विंग ने कहा, हम हसीना की बातों और बयानों को फैलाने वाले और भविष्य में ऐसा करने की मंशा रखने वाले मीडिया को चेता रहे हैं कि हम उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे।

हसीना भगोड़ा अपराधी

यूनुस ने कहा कि टेलीविजन चैनलों, समाचार और ऑनलाइन पोर्टलों पर हसीना के ऑडियो चलाना आतंकवाद विरोधी कानून 2009 का उल्लंघन है। इसमें हसीना को एक दोषी अपराधी व सामूहिक हत्याओं और मानवता के खिलाफ अपराधों का भगोड़ा आरोपी बताया गया है।

पाक विदेश मंत्री पहुंचे बांग्लादेश

पाक के विदेश मंत्री इशाक डार तीन दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को बांग्लादेश पहुंचे हैं। यह 13 साल के बाद किसी वरिष्ठ पाकिस्तानी अधिकारी का पहला ढाका दौरा है। पाक के वाणिज्य मंत्री जम कमाल खान इशाक डार से पहले बुधवार को ढाका पहुंचे थे।

एक-दूसरे के लिए हवाई क्षेत्र को रखेंगे बंद, 24 सितंबर तक अवधि बढ़ाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत पाकिस्तान के साथ किसी तरह की नरमी बरतने के मूड में नहीं है। उसने इसके संकेत दे दिए हैं। भारत ने पाकिस्तान की एयरलाइनों और विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद करने की अवधि 24 सितंबर तक बढ़ा दी है। यह फैसला भारत के विमानन अधिकारियों की ओर से जारी एक नए नोटम (नोटिस टू एयरमेन) के अनुसार लिया गया है। पाक ने भी ऐसा ही कदम उठाते हुए भारतीय विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को उसी अवधि तक बंद रखने का फैसला किया है। इस वजह से दोनों देशों के बीच हवाई क्षेत्र का बंद होना पांचवें महीने में प्रवेश कर गया है। अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में खटास आ गई थी। इसके बाद पाकिस्तान ने 24 अप्रैल को अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया था। भारत ने भी 30 अप्रैल को जवाबी कार्रवाई करते हुए अपने हवाई क्षेत्र को पाकिस्तानी विमानों के लिए बंद कर दिया था। तब से दोनों देश हर महीने नोटम जारी करके इस प्रतिबंध को बढ़ाते आ रहे हैं।

भारत-पाक ने जारी किया 'नोटम'

न्यूयॉर्क में टूरिस्ट बस पलटी

5 की मौत, बस में भारतीय भी थे ड्राइवर के कंट्रोल खोने से हादसा

एजेंसी ▶▶ अल्बानी

न्यूयॉर्क में नायग्रा फॉल्स से न्यूयॉर्क सिटी जा रही एक टूरिस्ट बस पलट गई, जिससे 5 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। न्यूयॉर्क स्टेट पुलिस के मेजर आंद्रे रे ने बताया कि बस के ड्राइवर ने कंट्रोल खो दिया जिससे बस पलट गई। यह हादसा स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 12:30 बजे हुआ। बस में 54 यात्री सवार थे। ज्यादातर यात्रियों ने सीट बेल्ट नहीं लगाई थी, जिससे हादसे के समय खिड़कियां टूटने से कई यात्री बस से बाहर गिर गए। बस

नायग्रा फॉल्स से न्यूयॉर्क सिटी जा रही थी। हादसे के बाद बचावकर्मी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने रोड को बंद कर दिया। बचाव दल ने घायलों का मौके पर ही प्राइमरी इलाज किया। बाद में एंबुलेंस और हैलिकॉप्टर से अस्पताल भेजा। बस में अधिकांश यात्री भारत, चीन और फिलिपींस मूल के थे।

मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार हेरोइन जब्त

जम्मू। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने शनिवार को बताया कि उसने जम्मू-कश्मीर में एक मादक पदार्थ तस्कर को पकड़ा है और उसके पास से 50 लाख रुपये मूल्य की हेरोइन बरामद की है।

बीएसएफ ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि बीएसएफ और स्वापक नियंत्रण ब्यूरो के अधिकारियों ने 22 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास मीरां साहिब क्षेत्र में एक संयुक्त तलाशी अभियान में तस्कर को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है और कुछ और गिरफ्तारियां व बरामदगियां होने की संभावना है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109